किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

दैनिक समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 4 अंकः 321 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) रविवार 30 अगस्त 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

हरदीप पुरी बोले- घरेलू तेल-गैस उत्पादन बढ़ाने और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि

बंगाल बेसिन में ओएनजीसी को बड़ी कामयाबी

उत्पादन के करीब पहुंची अशोकनगर की पहली व्यावसायिक खोज

समाज जागरण

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के अशोकनगर क्षेत्र में ONGC को बड़ी कामयाबी मिली है। यहां कंपनी की पहली व्यावसायिक हाइड्रोकार्बन खोज अब उत्पादन और व्यावसायीकरण के निर्णायक चरण के करीब पहुंच गई है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसे भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने और घरेलू तेल एवं गैस उत्पादन बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।

केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा पोस्ट में बताया कि 30 मई 2026 को विकास कुएं एएस-1जेड की ड्रिलिंग शुरू होने के तीन महीने से भी कम समय में ओएनजीसी ने अशोकनगर क्षेत्र से हल्के और उच्च गुणवत्ता वाले कच्चे तेल के प्रवाह की क्षमता सफलतापूर्वक स्थापित कर ली है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि लंबे समय से चल रहे अन्वेषण प्रयासों को वास्तविक उत्पादन क्षमता में बदलने की दिशा में अहम कदम है।

हल्दिया रिफाइनरी भेजी गई पहली खेप

पुरी के मुताबिक अशोकनगर क्षेत्र से निकाले गए कच्चे तेल की पहली खेप को Indian Oil Corporation की हल्दिया रिफाइनरी भेजने के लिए रवाना किया गया। इस दौरान अशोकनगर के विधायक डॉ. सुमय हीरा और ओएनजीसी के अन्वेषण निदेशक भी मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और घरेलू हाइड्रोकार्बन उत्पादन बढ़ाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों में अशोकनगर की खोज महत्वपूर्ण पड़ाव है। इससे पश्चिम बंगाल की पहचान भारत के हाइड्रोकार्बन मानचित्र पर और मजबूत होने की उम्मीद है।

पूरे बंगाल बेसिन में बढ़ेगी खोज की गतिविधि

अशोकनगर की खोज को केवल पश्चिम बंगाल के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे बंगाल बेसिन के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस सफलता से क्षेत्र में तेल और गैस की खोज तथा उत्पादन संबंधी गतिविधियों को नई गति मिलने की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार, घरेलू स्तर पर नई हाइड्रोकार्बन खोजों से भारत की आयातित कच्चे तेल और गैस पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है।

पुरी ने पश्चिम बंगाल में ऊर्जा क्षेत्र की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि आने वाले समय में राज्य में हाइड्रोकार्बन संसाधनों के विकास के लिए निवेश और अन्वेषण गतिविधियां बढ़ सकती हैं। अशोकनगर की सफलता को इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। (इनपुट-आईएएनएस)

11 साल बाद जापान में जन्म दर में मामूली सुधार, छह महीने में 3.42 लाख बच्चों का जन्म

26 प्रांतों में बढ़ी जन्म संख्या, टोक्यो में सबसे ज्यादा 2,278 की वृद्धि; आबादी में कमी अब भी बड़ी चुनौती

समाज जागरण

टोक्यो। बुजुर्ग होती आबादी और लगातार घटती जन्म दर से जूझ रहे जापान के लिए 11 साल बाद पहली छमाही में कुछ राहत की खबर सामने आई है। स्वास्थ्य, श्रम एवं कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी से जून 2026 के बीच जापान में 3,42,068 बच्चों का जन्म हुआ, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 0.8 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान 2,788 अधिक बच्चों का जन्म दर्ज किया गया। आंकड़ों में विदेशी नागरिकों के यहां जन्मे बच्चे भी शामिल हैं।

जापानी मीडिया के मुताबिक जनवरी-जून की अवधि में जन्म संख्या में यह बढ़ोतरी 11 साल बाद पहली बार दर्ज हुई है। जापान में लंबे समय से जन्म दर में गिरावट जारी है। वर्ष 1973 में दूसरे बेबी बूम के दौरान करीब 20.9 लाख बच्चों का जन्म हुआ था, लेकिन इसके बाद जन्म संख्या में लगातार कमी आती गई।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष का सियाचिन दौरा

जवानों से मिले; सुरक्षा और विकास कार्यों का लिया जायजा

लेह। नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार लाहिड़ी ने अपनी टीम के साथ दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन का दौरा किया। उन्होंने सियाचिन बेस कैंप पहुंचकर भारतीय सेना के जवानों से मुलाकात की और विषम परिस्थितियों में सीमा सुरक्षा के लिए उनके समर्पण को करीब से देखा। इस दौरान उन्होंने उत्तरी ग्लेशियर का हवाई निरीक्षण भी किया। नीति आयोग ने सोशल

मीडिया मंच एक्स पर दौरे की जानकारी साझा करते हुए इसे सीमाओं पर साहस का साक्षी बताया। सियाचिन ब्रिगेड के कमांडर ने डॉ. लाहिड़ी को क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था और सैन्य गतिविधियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी ₹3.89 महंगी, नई दरें लागू

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में 95.59 रुपये किलो पहुंचा दाम, व्यापार मंडल ने जताया विरोध

समाज जागरण

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमत में शनिवार से 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी लागू हो गई। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) की ओर से की गई इस वृद्धि के बाद दिल्ली में सीएनजी का दाम 83.09 रुपये से बढ़कर 86.98 रुपये प्रति किलो हो गया है। वहीं, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में अब उपभोक्ताओं को 95.59 रुपये प्रति किलो की दर से सीएनजी मिलेगी। गुरुग्राम में नई कीमत 92.01 रुपये प्रति किलो तय की गई है।

नई दरें शनिवार सुबह छह बजे से प्रभावी हो गईं। अचानक हुई इस बढ़ोतरी का सीधा असर सीएनजी से चलने वाले ऑटो, टैक्सी, कैब और अन्य व्यावसायिक वाहनों पर पड़ने की आशंका है। निजी कार मालिकों का ईंधन खर्च भी बढ़ेगा।

बढ़ती परिवहन लागत से महंगाई की चिंता

सीएनजी की कीमत बढ़ने से परिवहन क्षेत्र में लागत बढ़ने की आशंका है। ऑटो-रिक्शा, टैक्सी और ऐप आधारित कैब संचालकों के साथ माल ढुलाई और डिलीवरी से जुड़े कारोबार भी इससे प्रभावित हो सकते हैं। परिवहन लागत बढ़ने का असर आगे चलकर यात्रियों के किराये और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ सकता है।

आईजीएल के अनुसार अंतरराष्ट्रीय तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की कीमतें काफी अधिक बनी हुई हैं। इनपुट गैस की बढ़ी लागत की आंशिक भरपाई और उपभोक्ताओं को निरंतर एवं विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कीमत में वृद्धि आवश्यक थी।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने जताया विरोध

सीएनजी की कीमत में बढ़ोतरी के खिलाफ उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने विरोध जताया है। प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने केंद्र सरकार और संबंधित नियामक संस्थाओं से सीएनजी की नई कीमत की तत्काल समीक्षा करने की मांग की।

विकास जैन ने कहा कि सीएनजी की कीमत बढ़ने का असर केवल वाहन मालिकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे व्यापारियों, परिवहन कारोबार और आम उपभोक्ताओं पर भी अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्होंने सीएनजी की कीमत तय करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को यह जानकारी मिलनी चाहिए कि अंतिम कीमत में गैस की वास्तविक लागत, वितरण खर्च, कंपनी का मार्जिन और करों का कितना हिस्सा शामिल है।

शेष पेज 3 पर

दिल्ली-एनसीआर में स्वाइन फ्लू का बढ़ता प्रकोप, अस्पतालों के लिए इमरजेंसी एडवाइजरी

गौतमबुद्ध नगर में 192 स्वाइन फ्लू मरीज, डेंगू के भी 48 मामले; स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ाई निगरानी

समाज जागरण

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में मौसम में बदलाव के साथ मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। गौतमबुद्ध नगर में स्वाइन फ्लू के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक जिले में अब तक 192 मरीजों में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हो चुकी है। वहीं, डेंगू के भी 48 मामले सामने आ चुके हैं।

मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने जिले के अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों के लिए इमरजेंसी एडवाइजरी जारी कर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। अस्पतालों में स्वाइन फ्लू और डेंगू के संदिग्ध मरीजों की तत्काल पहचान और चिकित्सकीय जांच पर जोर दिया गया है।

तेज बुखार, खांसी, गले में खराश, सांस लेने में परेशानी, बदन दर्द या अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण वाले मरीजों की प्राथमिकता के आधार पर जांच करने को कहा गया है। गंभीर मरीजों की लगातार निगरानी और जरूरत पड़ने पर उच्च चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों में संक्रमण से बचाव के उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने के साथ जरूरी दवाओं, जांच सुविधाओं और चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है।

विभाग की ओर से लोगों से अपील की गई है कि फ्लू या बुखार जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें और समय रहते चिकित्सकीय सलाह लें। स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। शेष पृष्ठ 3 पर

'तारीख पर तारीख' की प्रवृत्ति हर हाल में बदलनी होगी : योगी

पांच साल से अधिक पुराने राजस्व मामलों का प्राथमिकता से हो निस्तारण, गलत जनशिकायत निस्तारण पर पांच दिन में स्पष्टीकरण

समाज जागरण

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्व न्यायालयों में वर्षों से लंबित मामलों को समयबद्ध ढंग से निस्तारित करने के कड़े निर्देश दिए हैं। शनिवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों और फील्ड में तैनात पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आम नागरिक की जमीन, संपत्ति और अधिकारों से जुड़े मामलों में अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। 'तारीख पर तारीख' की प्रवृत्ति हर हाल में बदलनी होगी।

मुख्यमंत्री ने नायब तहसीलदार से लेकर राजस्व परिषद तक पांच वर्ष से अधिक पुराने सभी राजस्व मामलों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित कर निस्तारित करने के निर्देश दिए। धारा 33 के अविवादित वरासत मामलों को मिशन मोड में निपटाने को कहा।

गलत निस्तारण पर पांच दिन में जवाब

मुख्यमंत्री ने जनशिकायतों के संतोषजनक निस्तारण पर भी सख्ती दिखाई। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि शिकायतकर्ता की वास्तविक समस्या का समाधान होना चाहिए। असंतुष्ट फीडबैक वाले मामलों की दोबारा जांच कर तथ्यपरक रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए।

गलत रिपोर्ट के आधार पर बंद किए गए मामलों में संबंधित जिलाधिकारी या पुलिस कप्तान से पांच दिन में स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की प्राथमिकता शिकायतों की संख्या कम करना नहीं, बल्कि आमजन की समस्या का वास्तविक और स्थायी समाधान करना है।

अपराधों में आई कमी, साप्ताहिक समीक्षा के निर्देश

समीक्षा में बताया गया कि 13 जुलाई से 23 अगस्त के बीच 17 से 23 अगस्त की अवधि में 13 से 19 जुलाई की तुलना में कुल एफआईआर में 0.4 प्रतिशत, गंभीर अपराधों में 5.1 प्रतिशत और महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में 3.9 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई। अनुसूचित जाति-जनजाति के विरुद्ध अपराधों में भी 11.2 प्रतिशत की कमी बताई गई।

मुख्यमंत्री ने जोन और रेंज स्तर पर हर सप्ताह क्राइम एनालिसिस करने और महिला एवं बाल अपराधों में त्वरित व संवेदनशील कार्रवाई के निर्देश दिए। छेड़खानी और चेन स्नेचिंग जैसी घटनाओं पर कठोर कार्रवाई तथा महिला बीट पुलिस अधिकारियों की सक्रियता बढ़ाने को कहा।

जन्माष्टमी पर मथुरा-वृंदावन में विशेष सुरक्षा

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने मथुरा-वृंदावन में व्यापक क्राउड कंट्रोल प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। बांके बिहारी मंदिर के लिए अलग कार्ययोजना और आवश्यकता के अनुसार होल्डिंग एरिया बनाने को कहा गया। वृंदावन में नया पुलिस सर्किल गठित करने तथा मथुरा और वृंदावन में अलग-अलग जॉइंट मजिस्ट्रेट तैनात करने के निर्देश भी दिए।

गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान हाईटेंशन तारों और उफनती नदियों को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने को कहा गया।

माफियाओं पर कार्रवाई जारी रखने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने माफियाओं के खिलाफ अभियान जारी रखने के साथ गो-तस्करी, धर्मांतरण, धार्मिक स्थलों में तोड़फोड़ और महापुरुषों की प्रतिमाओं से छेड़छाड़ जैसी घटनाओं पर 24 घंटे अलर्ट रहने के निर्देश दिए। स्लाटर हाउस की नियमित औचक जांच और अनियमितता मिलने पर सख्त कार्रवाई करने को कहा।

नेपाल में लापता लोगों की तलाश में भारत ने भेजी 11 विशेषज्ञों की टीम

काठमांडू। नेपाल और चीन के हिमालयी इलाकों में भीषण बाढ़ और भूस्खलन के बाद राहत एवं बचाव अभियान जारी है। लापता लोगों

की तलाश में मदद के लिए भारत ने 11 विशेषज्ञों की टीम नेपाल भेजी है। बचाव दल मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं, जबकि पहाड़ी इलाकों में अस्थिर झीलों का बढ़ता जलस्तर नई चुनौती बना हुआ है। नेपाल में अब तक 579 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और 184 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है, जिनमें 114 भारतीय बताए गए हैं। वहीं, 540 से अधिक विदेशी नागरिकों के लापता होने की खबर है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक कई भारतीयों को सुरक्षित निकाला गया है, जबकि करीब 320 भारतीयों से अभी संपर्क नहीं हो पाया है। बाढ़ के कारण दूरसंचार व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। भारत की विशेषज्ञ टीम स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर लापता लोगों की तलाश और राहत-बचाव अभियान में मदद करेगी।

बिहार के छात्रों को बड़ी राहत

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड से फिर मिलेगा 4 लाख तक का शिक्षा ऋण

पटना। बिहार के विद्यार्थियों के लिए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना को लेकर बड़ी राहत मिली है। राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा के लिए मिलने वाले शिक्षा ऋण की पुरानी व्यवस्था को फिर से जारी रखने का फैसला किया है। अब विद्यार्थियों को पहले की तरह अधिकतम 4 लाख रुपये तक का शिक्षा ऋण मिल सकेगा।

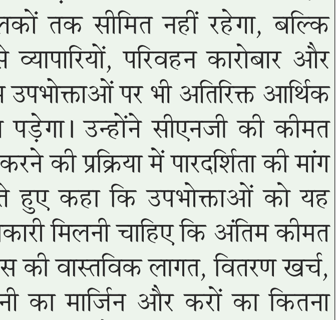

सरकार ने पुनर्विचार के बाद यह निर्णय लिया है। इसके साथ ही उच्च शिक्षा विभाग की ओर से 19 अगस्त को जारी आदेश को निरस्त कर दिया गया है। अब बिहार राज्य शिक्षा वित्त निगम के माध्यम से विद्यार्थियों को पूर्व की व्यवस्था के अनुसार शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को राहत

बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा ऋण दिया जाता है। सरकार के इस फैसले से उन छात्रों को बड़ी राहत मिलेगी, जिन्हें आर्थिक कारणों से आगे की पढ़ाई जारी रखने में परेशानी होती है। पुरानी व्यवस्था बहाल होने के बाद विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए पहले की तरह 4 लाख रुपये तक के ऋण का लाभ ले सकेंगे। सरकार के इस निर्णय से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का रास्ता आसान होने की उम्मीद है।

नेपाल का जलप्रलय: गर्म होते हिमालय की भयावह चेतावनी

महेन्द्र तिवारी

26 अगस्त 2026 की वह सुबह हिमालय के इतिहास में एक गहरे और अकल्पनीय घाव के रूप में दर्ज हो गई। नेपाल और तिब्बत की सीमा पर स्थित लांगटांग पर्वतीय क्षेत्र, जो अपनी अलौकिक शांति और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विख्यात था, अचानक एक प्रलयंकारी आपदा का गवाह बन गया। भोटे कोशी और त्रिशूली नदियों की घाटियों में रहने वाले लोगों ने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि बिना किसी भारी वर्षा या पूर्व चेतावनी के उनके जीवन में जल का ऐसा विकराल रूप देखने को मिलेगा। पहाड़ों के ऊपर जमी बर्फ और चट्टानों का एक विशाल हिस्सा अपने स्थान से खिसक गया और लगभग 1.2 किलोमीटर गहरी खाई में गिर गया। इस भीषण पतन के कारण नदी का मार्ग कुछ समय के लिए पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया। जब पानी के भारी दबाव ने उस प्राकृतिक अवरोध को तोड़ा, तो हिमनद के मलबे, बर्फ, मिट्टी और विशाल पत्थरों से मिश्रित पानी की कई मीटर ऊँची दीवार घाटियों की ओर दौड़ पड़ी। यह कोई सामान्य बाढ़ नहीं थी बल्कि एक ऐसा जलजला था जिसने अपने रास्ते में आने वाली हर मानव निर्मित संरचना को तिनके की तरह उखाड़ फेंका।

इस पूरी घटना का सबसे चिंताजनक और भयानक पहलू यह था कि उस समय पूरे क्षेत्र का मौसम एकदम साफ था। आसमान में कोई ऐसे बादल नहीं थे जो भारी बारिश का संकेत देते हों। जब पहाड़ों से एक हल्की गड़गड़ाहट और कंपन महसूस हुआ, तो स्थानीय निवासियों को लगा कि शायद यह कोई छोटा भूकंप है। लेकिन देखते ही देखते धूल का एक विशाल गुबार उठा और उसके तुरंत बाद मौत बनकर पानी का रेला बस्तियों में घुस गया। भूगर्भशास्त्रियों के अनुसार इस त्रासदी का मुख्य कारण पहाड़ों की ऊँचाई पर मौजूद उस परत का कमजोर होना था जिसे स्थायी तुषार कहा जाता है। यह वह मिट्टी और चट्टान का मिश्रण होता है जो सालों से बर्फ के कारण आपस में मजबूती से जुड़ा रहता है। लगातार बढ़ रहे वैश्विक तापमान के कारण हिमालय के हिमनद बहुत तेजी से पिघल रहे हैं और यह सदियों पुरानी जमी हुई परत अब अपनी पकड़ खो रही है। इसी के परिणामस्वरूप इतने बड़े आकार का हिमखंड अस्थिर होकर नीचे आ गिरा।

नेपाल का रसुवा जिला इस प्राकृतिक महाविनाश का सबसे बड़ा केंद्र साबित हुआ। स्याफ्रुबेसी, तिमुरे और रासुवागढ़ी जैसे सीमांत कस्बे जो व्यापार और पर्यटन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माने जाते थे, कुछ ही मिनटों में मलबे के ढेर में तब्दील हो गए। पहाड़ों के किनारे बनी कई बहुमंजिला इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह गईं। परिवहन व्यवस्था को भारी आघात लगा क्योंकि 40 किलोमीटर से अधिक पक्की सड़कें और जीवन रेखा माने जाने वाले दर्जनों मजबूत पुल पूरी तरह से पानी में बह गए। नेपाल और चीन को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग भी नष्ट हो गया। इससे न केवल दोनों देशों के बीच होने वाला करोड़ों का व्यापार ठप हो गया बल्कि पवित्र कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए भी एक बड़ा संकट खड़ा हो गया। इन घाटियों में रहने वाले समुदायों का पूरा सामाजिक और आर्थिक ढाँचा पल भर में बिखर गया।

इस आपदा में हुई मानवीय क्षति के आँकड़े अत्यधिक हृदय विदारक हैं। आपदा प्रबंधन एजेंसियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 579 से अधिक लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है और लगभग 2,400 लोग अभी भी लापता हैं। लापता होने वालों में केवल स्थानीय निवासी ही नहीं बल्कि बड़ी संख्या में बाहर से आए तीर्थयात्री, पर्यटक और जलविद्युत परियोजनाओं में काम करने वाले अकुशल मजदूर भी शामिल हैं। मलबे के नीचे दबे लोगों को खोजना बचाव कर्मियों के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती बन गया। लगभग 93000 लोगों को तत्काल मानवीय सहायता की आवश्यकता पड़ी क्योंकि उनके घर, खेत और आजीविका के सभी साधन जलमग्न हो गए थे। अपना सब कुछ खो चुके इन बेघर लोगों को कई दिनों तक खुले आसमान के नीचे रातें गुजारनी पड़ीं, जो उनके लिए एक गहरे मानसिक आघात से कम नहीं था।

विपदा की इस घड़ी में राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर शुरू किए गए। नेपाल सरकार ने अपनी सेना, पुलिस और स्थानीय स्वयंसेवकों को मिलाकर लगभग 15000 जवानों को प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया। दुर्गम घाटियों और टूटी हुई सड़कों के कारण जमीन के रास्ते पहुँचना पूरी तरह से असंभव हो गया था। इसलिए राहत कार्यों के लिए वायुयानों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया। पहाड़ों की ऊँचाई पर फँसे लोगों को रस्सियों की मदद से सुरक्षित निकाला गया। खोज अभियानों में आधुनिक तकनीक का भी भरपूर उपयोग किया गया। चालकरहित छोटे उड़ने वाले उपकरणों और विशेष रूप से प्रशिक्षित कुत्तों की मदद से कीचड़ और पत्थरों में दबी साँसों को ढूँढने का सघन प्रयास किया गया। अस्थायी राहत शिविरों का निर्माण कर वहाँ भोजन, स्वच्छ पेयजल और जीवन रक्षक दवाइयाँ पहुँचाने का काम निरंतर चलता रहा। भारत सहित कई अन्य पड़ोसी देशों और अंतरराष्ट्रीय सहायता संस्थाओं ने भी तुरंत मदद के हाथ बढ़ाए और अपने तकनीकी दल तथा आवश्यक सामग्री मौके पर भेजी।

परंतु संकट यहीं समाप्त नहीं हुआ। अंतरिक्ष से ली गई तस्वीरों और भौगोलिक सर्वेक्षणों से एक नई और खतरनाक जानकारी सामने आई। मलबे के भारी जमाव के कारण आपदा स्थल के ठीक ऊपर पहाड़ों में दो नई और बड़ी झीलें बन गई थीं। इनमें से एक झील का पानी तो धीरे-धीरे रिसकर बाहर आ रहा था, लेकिन दूसरी विशाल झील में पानी का दबाव लगातार बढ़ रहा था। यदि यह झील टूटती, तो निचले इलाकों में एक और भयंकर बाढ़ आ सकती थी जो बचे-खुचे जीवन को भी नष्ट कर देती। इस खतरे को भाँपते हुए अधिकारियों ने नदी के निचले बहाव वाले सभी क्षेत्रों में तत्काल चौकसी बढ़ा दी। पानी के स्तर को मापने के लिए स्वचालित उपकरण लगाए गए और खतरे की घंटी बजाने वाली प्रणालियों को स्थापित किया गया ताकि किसी भी नई विपत्ति के आने से पहले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया जा सके।

यह विनाशकारी घटना केवल नेपाल की सीमाओं तक सीमित समस्या नहीं है, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए खतरे की एक बड़ी घंटी है। हिमालय से निकलने वाली नदियाँ भारत, भूटान, चीन और बांग्लादेश में रहने वाले करोड़ों लोगों के जीवन का मुख्य आधार हैं। यदि पहाड़ों की ऊँचाइयों पर हिमनद इसी तरह अस्थिर होते रहे, तो इसका सीधा असर इन सभी देशों की नदियों पर पड़ेगा। भारत के बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों के लिए यह घटना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि नदियों और पहाड़ों के बदलते स्वभाव पर लगातार नजर रखनी होगी। यह अत्यंत आवश्यक हो गया है कि सभी पड़ोसी देश आपस में मौसम, नदी के बहाव और हिमनदों से जुड़े आँकड़ों का निरंतर और तत्काल आदान-प्रदान करें, ताकि भविष्य की आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

ऐसी प्राकृतिक आपदाओं का दीर्घकालिक समाधान केवल घटना के बाद राहत बाँटने तक सीमित नहीं हो सकता। हमें अपनी विकास नीतियों और पहाड़ों के प्रति अपने दृष्टिकोण पर गंभीरता से पुनर्विचार करना होगा। पर्वतीय क्षेत्रों की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए वहाँ होने वाले अनियंत्रित सड़क निर्माण, पहाड़ों को काटकर किए जाने वाले अवैज्ञानिक खनन और नदियों के ठीक किनारे वाणिज्यिक बस्तियाँ बसाने की प्रवृत्ति पर सख्त कानूनी रोक लगानी होगी। प्रकृति के बहाव क्षेत्रों का सम्मान करना सीखना होगा। अति संवेदनशील हिमनद क्षेत्रों की उपग्रहों के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी होनी चाहिए। जिन प्राकृतिक झीलों में पानी का दबाव खतरनाक स्तर तक पहुँच गया है, वहाँ से तकनीकी तरीकों का उपयोग करके पानी की सुरक्षित निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए। आधुनिक चेतावनी प्रणालियों को दूरदराज के गाँवों तक पहुँचाना होगा।

अंततः लांगटांग घाटी की यह त्रासदी पूरी मानवता के लिए एक कठोर चेतावनी है। प्रकृति जब अपना संतुलन खोती है, तो उसकी सबसे भारी कीमत नदियों और पहाड़ों की गोद में बसे साधारण और गरीब लोगों को चुकानी पड़ती है। वैश्विक तापमान में वृद्धि को अब केवल बातचीत के विषय के रूप में नहीं बल्कि संपूर्ण मानव जाति के अस्तित्व पर मंडराते सबसे बड़े संकट के रूप में देखा जाना चाहिए। हिमालय अपनी बर्फ पिघलाकर हमें जो मूक संदेश दे रहा है, यदि उसे अब भी अनसुना किया गया, तो भविष्य में ऐसी और भी भयावह विपत्तियों का सामना करने के लिए हमें तैयार रहना होगा। प्रकृति से संघर्ष करके नहीं बल्कि उसके शाश्वत नियमों का सम्मान करके ही हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और संरक्षित कल सौंप सकते हैं।

डिजिटल भारत दौड़ रहा है, सवाल है – दौड़ की लगाम किसके हाथ है ?

सेबी की मंजूरी के साथ रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स का करीब 37,700 करोड़ रुपये का आईपीओ भारतीय शेयर बाजार में नया कीर्तिमान बना सकता है। करीब 27 करोड़ नए शेयर जारी होंगे और कंपनी का मूल्यांकन 137 अरब डॉलर तक पहुँच सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की 66 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बनी रहेगी। मेटा और गूगल जैसे वैश्विक तकनीकी दिग्गज निवेश बनाए रखेंगे। आईपीओ से करीब 27,500 करोड़ रुपये रिलायंस जियो इन्फोकॉम का कर्ज चुकाने में जाएंगे। बाजार के लिए यह बड़ी पूंजी जुटाने की खबर है, लेकिन भारत के लिए सवाल बड़ा है–जियो का शेयर किस भाव पर बिकेगा, यह नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल दुनिया की चाबी किन हाथों में रहेगी।

2016 में जियो का आगमन महज नई टेलीकॉम कंपनी का प्रवेश नहीं था; उसने भारत में इंटरनेट की तस्वीर बदल दी। मुफ्त-सस्ते डेटा ने इंटरनेट को महानगरों से गाँव-कस्बों की जरूरत बना दिया। वीडियो कॉल, ऑनलाइन पढ़ाई, मनोरंजन बढ़े और छोटे कारोबार डिजिटल बाजार में आए। आज जियो के 53 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं, जिनमें 50.6 करोड़ वायरलेस ग्राहक हैं (जुलाई 2026, ट्राई रिपोर्ट)। वह दुनिया के बड़े मोबाइल ऑपरेटरों में है। फिक्स्ड ब्रॉडबैंड में हिस्सेदारी 40% से अधिक, कुल ब्रॉडबैंड में करीब 49% और 5ऋफिक्स्ड वायरलेस एक्सेस में 70% से ज्यादा है। राजस्व 1.47 लाख करोड़ और मुनाफा करीब 30 हजार करोड़ रुपये है। आंकड़े ताकत बताते हैं, लेकिन सवाल है–जियो की इस ऊँचाई के बाद दूसरों के लिए मैदान कितना बचा है?

जियो की सफलता का दूसरा पहलू यहीं दिखता है। सस्ते डेटा ने करोड़ों भारतीयों को इंटरनेट से जोड़ा, लेकिन इस कीमत-क्रांति ने छोटे खिलाड़ियों की जगह भी घटाई। जब दो बड़ी कंपनियाँ ब्रॉडबैंड कनेक्शनों का करीब 84 प्रतिशत नियंत्रित करती हों, तो प्रतिस्पर्धा सिर्फ सस्ता पैकेज नहीं रह जाती। असली प्रतिस्पर्धा तब है, जब नया खिलाड़ी बाजार में आ सके, उपभोक्ता के पास विकल्प हों और छोटा खिलाड़ी बड़े को चुनौती दे सके। जियो ने दूरसंचार का खेल बदला, जिससे कई पुराने खिलाड़ी हाशिये पर चले गए या बाहर हो गए। यह पूंजीवाद की स्वाभाविक प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन लोकतंत्र में सवाल जरूरी है–कहीं बाजार की जीत धीरे-धीरे विकल्पों की हार तो नहीं बन रही?

आईपीओ की असली तस्वीर निवेशकों के व्यवहार में दिखती है। कोई मौजूदा निवेशक हिस्सेदारी बेच नहीं रहा; रिलायंस, मेटा और गूगल निवेश बनाए रख रहे हैं। यानी यह निकासी नहीं, विस्तार का आईपीओ है। कर्ज चुकाने के बाद कंपनी के पास विस्तार का मजबूत आधार होगा। विस्तार मोबाइल सिम तक सीमित नहीं; जियो एआई, क्लाउड और डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर बढ़ रही है। यहीं दूरसंचार डेटा की दुनिया में बदलता है। करोड़ों ग्राहकों का नेटवर्क उनकी पसंद, जरूरत और डिजिटल व्यवहार के संकेत जुटाता है। आज डेटा कारोबार की पूंजी, कल एआई की ताकत बन सकता है। इसलिए जियो की असली पूंजी टावर, स्पेक्ट्रम, ग्राहक और उनसे पैदा होने वाला डेटा है।

डिजिटल दौर में एकाधिकार की शक्ल बदल चुकी है। भारत में चर्चा अब तक स्पेक्ट्रम, लाइसेंस और टैरिफ तक रही, लेकिन नई सत्ता अदृश्य है। किसी कंपनी को हर घर पर कब्जा करने की जरूरत नहीं; डिजिटल निर्भरता का सबसे बड़ा दरवाजा बनना ही काफी है। सवाल इंटरनेट की कीमत का नहीं, बल्कि सूचना किस नेटवर्क से गुजरती है, विज्ञापन की दिशा कौन मोड़ता है और छोटी डिजिटल कंपनियाँ ग्राहकों तक किस तंत्र से पहुँचती हैं। स्थानीय समाचार मंच, ऐप कंपनियाँ और क्षेत्रीय डिजिटल सेवाएँ ऐसे डिजिटल जंगल में जगह तलाशती हैं, जिसकी सबसे ऊँची छत पहले ही किसी और के कब्जे में है। यह न सरकारी नियंत्रण है, न पुराना निजी एकाधिकार–यह नेटवर्क, पूंजी और डेटा से उभरती नई सत्ता है।

जियो को इस पूरी कहानी का खलनायक मानना जितना आसान है, उतना ही अधूरा। भारत को डिजिटल बनाने में उसका योगदान ऐतिहासिक रहा है। सस्ता डेटा न आता तो करोड़ों भारतीय इतनी तेजी से इंटरनेट की मुख्यधारा में नहीं पहुँचते। लेकिन इतिहास चेताता है–समाज को जोड़ने वाली शक्ति जब एक जगह सिमटती है, तो विकल्प सिकुड़ते हैं। रेलवे ने भारत को जोड़ा, पर अगर हर पटरी, स्टेशन और टिकट एक ही हाथ में होता तो? डिजिटल भारत में नेटवर्क पटरी है, डेटा टिकट और उपभोक्ता यात्री। फर्क यह है कि इस यात्रा में यात्री अपने व्यवहार के निशान भी छोड़ता है। इसलिए मुद्दा जियो के योगदान को नकारना नहीं, उसकी शक्ति की लोकतांत्रिक सीमा तय करना है।

डिजिटल बाजार की दिशा अब नियामकों की चौकसी तय करेगी। सेबी की जिम्मेदारी आईपीओ और निवेशक पारदर्शिता तक है, लेकिन प्रतिस्पर्धा बचाने का दायित्व प्रतिस्पर्धा आयोग और दूरसंचार नियामक का भी है। डेटा पोर्टेबिलिटी, इंटरऑपरेबिलिटी, प्लेटफॉर्म की निष्पक्षता और छोटे खिलाड़ियों के लिए समान अवसर अब तकनीकी शब्द नहीं, डिजिटल लोकतंत्र की बुनियाद हैं। जियो की तकनीकी ताकत भारत को तेज 5-जी, बेहतर ब्रॉडबैंड, क्लाउड और एआई सेवाएँ दे सकती है, तो उसका लाभ देश तक पहुँचना चाहिए। लेकिन यही ताकत प्रतिस्पर्धियों को दबाने लगे, तो नियामकों का हस्तक्षेप जरूरी है। सफलता महत्वपूर्ण है, पर स्वतंत्र बाजार उससे भी बड़ा मूल्य है।

जियो का आईपीओ बाजार के लिए उत्सव, पर भारत के लिए बड़ा संकेत है। डिजिटल अर्थव्यवस्था के साथ सत्ता के केंद्रीकरण की आशंका बढ़ रही है। मुकेश अंबानी ने जोखिम उठाकर पूंजी लगाई और भारतीय डिजिटल बाजार बदल दिया–यह बड़ी उपलब्धि है। लेकिन लोकतंत्र किसी सफलता को स्थायी अधिकार नहीं देता। सवाल यह नहीं कि जियो 137 अरब डॉलर की होगी या आगे जाएगी; सवाल है कि उसके बाद नागरिक के पास कितने वास्तविक विकल्प रहेंगे। आज डेटा हमारी आदतों का रिकॉर्ड है, कल वही एआई की ताकत और अर्थव्यवस्था की मुद्रा बन सकता है। इसलिए जियो का आईपीओ केवल शेयरों की बिक्री नहीं, स्क्रीन के पीछे जमा डेटा से आकार लेती सत्ता की कहानी है।

आरके जैन अरिजीत

समय की पहचान

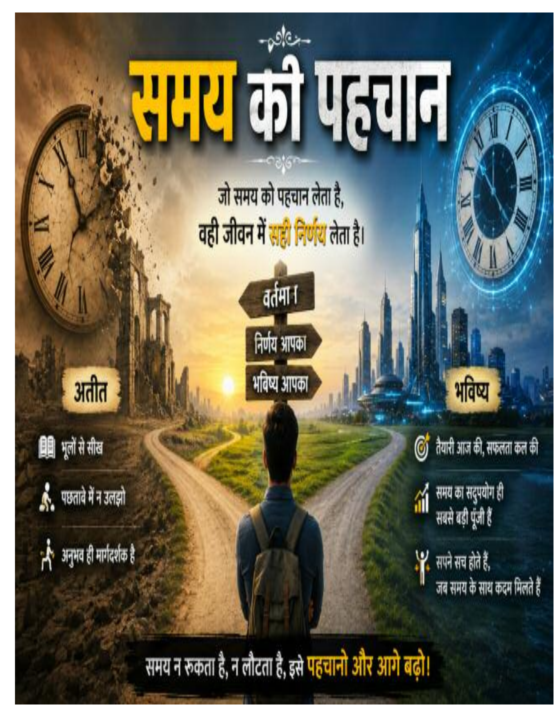

आकाश में लालिमा छाती है, रंगीन जगत हो जाती है।
सूरज की किरणें आती है, अंधेरा दूर हो जाता है।
अस्तित्व खो देती है चंदा, अंधेरे से अब डर नही।
प्रकाश की चिलमिलाहट में, तारे अब दिखते नही।
खिल उठती है कलियां सारी, जगत सुंदर हो जाता है।
चहक उठते है चिड़ियां सारी, नया सुबह हो जाता है।
पुनः जब लालिमा छाती है, सूरज गुम हो जाती है।
खिल उठते है फूल गगन में, रात सुहानी लगती है।
सारी दुनिया सो जाती है, नींद सभी को भाती है।
कहती है तारों की फौजें, हमे किसी से बैर नही।
सबको रोशनी देता हूं मैं, करता किसी से ईर्ष्या नही।
तब चंदा इठलाकर कहती, मेरे बिना अब खैर नही।
रात सुहानी करती हूं मैं, कष्ट किसी को देता नही।
रात अच्छी हो दिन अच्छी हो, सभी की यह अरमान है।
दिन सुंदर हो रात वीरानी, समय की यही पहचान है।

वेद प्रकाश

कॉकरोच जनता पार्टी की सियासी दस्तक: व्यवस्था के भीतर नहीं, बाहर से बदलाव की नई कोशिश

यह बात वर्ष 1982 की है जब दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस कॉलेज में युवा छात्रों के बीच बेहद लोकप्रिय शिक्षक दिलीप सिमियन कॉलेज के एक माली के समर्थन में भूख हड़ताल पर बैठ गए थे। सिमियन नक्सली आंदोलन से शुरूआत में ही जुड़े थे और सांप्रदायिक राजनीति के कट्टर विरोधी थे। मामला यह था कि कॉलेज प्रशासन ने बिना किसी जांच के उस माली का वेतन रोक दिया था। इस घटना के कुछ दिन बाद कॉलेज जाते समय कुछ लोगों के एक गिरोह ने सिमियन की पिटाई कर दी।

सिमियन पर हमले के साथ एक युवा महिला के साथ छेड़छाड़ की घटना से माहौल तनावपूर्ण हो गया था। कहा गया था कि महिला के साथ छेड़छाड़ की घटना दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डीयूएसयू) के कार्यालय में हुई। उस समय डीयूएसयू की कमान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के पास थी। इस घटना ने कॉलेज परिसर की युवा महिलाओं को एक निर्णायक मोड़ पर ला खड़ा किया। ये महिलाएं पहले से ही छेड़छाड़ जैसी घटनाओं से डरी-सहमी थीं।दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों में गुस्सा और आक्रोश इतना बढ़ गया कि उन्होंने यह ठान लिया कि बस अब बहुत हो चुका। उन्होंने ह्यकमेटी अगेंस्ट गुंडाइज्मह्ल (सीएजी) नाम से एक संगठन बनाया और रामजस कॉलेज के प्राचार्य करतार सिंह के इस्तीफे की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कॉलेज परिसर सुरक्षित नहीं बनाए गए तो विश्वविद्यालय के कुलपति गुरबख्श सिंह को भी पद पर रहने का नैतिक अधिकार नहीं है।

नतीजा यह हुआ कि करतार सिंह को छुट्टी पर जाने के लिए कहा गया। उन्होंने निजी सुरक्षा कर्मियों की मदद से परिसर में दोबारा घुसने की कोशिश की। इस वजह से वह दिल्ली विश्वविद्यालय के पहले ऐसे प्राचार्य के तौर पर ह्यबदनामह्ल हो गए जिन्हें शांति भंग करने और हिंसा के आरोप में निलंबित कर दिया गया। इस बीच, छात्रों ने रोजाना प्रदर्शन कर दिल्ली विश्वविद्यालय की सड़कें अवरूद्ध कर दीं। उन्होंने गुरबख्श सिंह के कार्यालय की घेराबंदी कर दी। इस आंदोलन को और मजबूती इसलिए मिली क्योंकि इसकी अगुआई करने वाले छात्र कोई आम समूह नहीं थे बल्कि वे होनहार छात्र, मेधावी और और विशिष्ट प्रदर्शन करने वाले ज्यादातर मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चे थे।

इन छात्रों को सत्ता की राजनीति से कोई खास लगाव नहीं था। वे बस निष्पक्षता, न्याय और लोकतंत्र चाहते थे और यह भी चाहते थे कि संस्थान अपना काम ठीक से करें। भले ही उनके संगठन का कोई निश्चित ढांचा नहीं था मगर उनकी प्रेरणा सामूहिक सामाजिक चेतना को जगाने की एक कोशिश थी।

जब सीएजी बन रहा था तब उसे अपनी पहचान तय करने में मुश्किल हो रही थी और वे कुछ सवालों से जूझ रहे थे। यानी हम कौन हैं, हम क्या चाहते हैं और जो जबरदस्त लामबंदी हमने की है उसका क्या करें?

इसके बाद लंबी बहस हुई कि आखिर हम हालात कैसे बदलें? राजनीतिक आंदोलनों में शामिल होकर या खुद एक राजनीतिक समूह बनकर? क्या हमें हमेशा अहिंसक रहने का संकल्प लेना चाहिए या राज्य के साधनों के खिलाफ किसी तरह की हिंसा जायज है? क्या सीएजी का अस्तित्व में बने रहना जरूरी था या मकसद पूरा होने के बाद (करतार सिंह के पद छोड़ने, परिसर में छात्राओं की जिंदगी सुरक्षित होने का भरोसा मिलने के बाद) सबको वापस वहीं लौट जाना चाहिए था जहां वे पहले थे? ढांचा ज्यादा जरूरी है या विचार? बहसें लंबी खिंचीं, लेकिन संगठन धीरे-धीरे आगे बढ़ता रहा। हालांकि इसके सदस्यों ने अपने अनुभव का इस्तेमाल अन्य जगहों पर किया। एक ने सहभागितापूर्ण समानता पर आधारित एक कॉरपोरेट साम्राज्य की स्थापना की, कुछ पर्यावरण कार्यकर्ता बने, कुछ पत्र कार, फिल्म निमार्ता और विश्व प्रसिद्ध शिक्षाविद। हालांकि, किसी ने भी सत्ता की राजनीति में कदम नहीं रखा।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के साथ भी लगभग यही हालत है और वह भी ऐसे ही मुद्दों पर बहस कर रही है। विरोध प्रदर्शनों के मामले में बड़ी संख्या में लोगों का जुटना सबसे अहम होता है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

स्वाइन फ्लू के साथ डेंगू ने भी बढ़ाई चिंता, लार्वा नियंत्रण अभियान तेज

अस्पतालों में संदिग्ध मरीजों की जांच पर जोर, लोगों से पानी जमा नहीं होने देने की अपील

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच डेंगू ने भी स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। जिले में अब तक 192 स्वाइन फ्लू और 48 डेंगू के मामले सामने आ चुके हैं। संक्रमण की स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों को सतर्क रहने और संदिग्ध मरीजों की समय पर पहचान करने के निर्देश दिए हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों से कहा है कि तेज बुखार, खांसी, गले में खराश, सांस लेने में परेशानी, बदन दर्द और अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण वाले मरीजों की चिकित्सकीय जांच प्राथमिकता के आधार पर की जाए। गंभीर लक्षण वाले मरीजों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने के साथ जरूरत पड़ने पर उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र भेजने की व्यवस्था करने को कहा गया है।

संक्रमण से बचाव के निर्देश

स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों को देखते हुए अस्पतालों में संक्रमण नियंत्रण के उपायों को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ को संदिग्ध मरीजों के उपचार के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। साथ ही अस्पतालों में जरूरी दवाओं, जांच सुविधाओं और चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है।

डेंगू के लिए बढ़ाया जाएगा लार्वा नियंत्रण

डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमें उन स्थानों का निरीक्षण कर रही हैं, जहां पानी जमा होने से मच्छरों के पनपने की आशंका है। लार्वा नियंत्रण और मच्छरों की रोकथाम के लिए अभियान तेज किया जा रहा है। लोगों से घरों, छतों और आसपास के इलाकों में पानी जमा नहीं होने देने की अपील की गई है।

सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार बदलते मौसम में वायरल संक्रमण तेजी से फैल सकता है। लोगों को भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सावधानी बरतने, खांसते और छींकते समय मुंह-नाक ढकने तथा नियमित रूप से हाथों की स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी गई है। बुखार या फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने पर खुद से दवा लेने के बजाय चिकित्सक से परामर्श करने को कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और जरूरत के अनुसार आगे भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

लोगों से अपील की गई है कि घबराने के बजाय सावधानी बरतें और किसी भी संदिग्ध लक्षण को नजरअंदाज न करें।

नोएडा बिजली विभाग पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, सोशल मीडिया पोस्ट से मचा हड़कंप

सेक्टर-63 की छजारसी-छोटपुर कॉलोनी में बिजली व्यवस्था को लेकर सवाल, जांच की मांग

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-63 क्षेत्र में बिजली चोरी और अवैध विद्युत कनेक्शनों के खिलाफ हुई कार्रवाई के बीच अब बिजली विभाग में कथित भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। सोशल मीडिया पर महेंद्र माही नाम के यूजर की ओर से किए गए एक पोस्ट में आरोप लगाया गया है कि छजारसी गांव और छोटपुर कॉलोनी क्षेत्र में बिजली मीटर और बिलों से जुड़ी बड़ी रकम कथित तौर पर सरकारी खाते में पहुंचने के बजाय भ्रष्ट अधिकारियों और कुछ स्थानीय माफिया तत्वों तक पहुंच रही थी।

पोस्ट में दावा किया गया है कि क्षेत्र में हजारों विद्युत मीटर लगे होने के बावजूद बिजली बिल से प्राप्त होने वाली बड़ी राशि का कथित रूप से दुरुपयोग किया जा रहा था। पोस्ट में करीब दो करोड़ रुपये प्रतिमाह की राशि के कथित गबन का आरोप लगाया गया है। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

कार्रवाई के बाद भी उठे सवाल

दरअसल, 29 अगस्त को विद्युत विभाग ने हिंडन डूब क्षेत्र, छजारसी कॉलोनी में बड़े पैमाने पर प्रवर्तन अभियान चलाया था। विभाग के मुताबिक करीब 3,000 अनधिकृत विद्युत कनेक्शन काटे गए, करीब 300 मीटर अवैध 11 केवी प्राइमरी कंडक्टर जब्त किया गया और बिना विभागीय स्वीकृति लगाए गए 10 वितरण ट्रांसफार्मरों को कब्जे में लिया गया।

राहगीरों से मोबाइल झपटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

आठ स्नैच किए मोबाइल, चोरी की बाइक और 2 हजार रुपये बरामद

नोएडा। थाना फेस-3 पुलिस ने मोबाइल फोन स्नैच करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से स्नैच किए गए आठ मोबाइल फोन, वारदात में प्रयुक्त चोरी की मोटरसाइकिल और 2 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 28 अगस्त को मैनुअल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से दोनों आरोपियों को डंपिंग ग्राउंड के पास सर्विस रोड, सेक्टर-71 से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान हरेन्द्र सिंह (21) और रजनीश (26) के रूप में हुई है।

चोरी की बाइक से करते थे वारदात

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी चोरी की मोटरसाइकिल पर सवार होकर अलग-अलग स्थानों पर राह चलते लोगों को निशाना बनाते थे। मौका मिलते ही मोबाइल फोन झपटकर फरार हो जाते थे। बाद में मोबाइल को राहगीरों को मजबूरी बताकर सस्ते दामों में बेच देते थे।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। दोनों के खिलाफ थाना फेस-3 में स्नैचिंग से संबंधित दो मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा थाना सेक्टर-58, फरीदाबाद, हरियाणा में भी एक मुकदमा दर्ज होने की जानकारी सामने आई है।

बरामदगी

08 स्नैच किए गए मोबाइल फोन
01 चोरी की मोटरसाइकिल
2,000 रुपये नकद

पुलिस ने बरामद मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर अन्य घटनाओं और संभावित सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। मीडिया सेल पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर

सीएनजी की बढ़ी कीमतों के खिलाफ व्यापार मंडल मुखर, पारदर्शी समीक्षा की मांग

विकास जैन बोले- हर बार बढ़ती लागत का बोझ उपभोक्ता की जेब पर डालना उचित नहीं

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमत में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी के बाद उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने इसका विरोध किया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने केंद्र सरकार और संबंधित नियामक संस्थाओं से सीएनजी की कीमतों की तत्काल समीक्षा करने की मांग की है।

नई दर लागू होने के बाद दिल्ली में सीएनजी 86.98 रुपये और नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा गाजियाबाद में 95.59 रुपये प्रति किलो हो गई है। विकास जैन का कहना है कि नोएडा और गौतमबुद्ध नगर में बड़ी संख्या में ऑटो, टैक्सी, कैब और व्यावसायिक वाहन सीएनजी पर निर्भर हैं। ऐसे में बढ़ी कीमत सीधे उनके दैनिक परिचालन खर्च को प्रभावित करेगी।

माल ढुलाई से लेकर ग्राहक की जेब तक असर

विकास जैन ने कहा कि सीएनजी महंगी होने का प्रभाव केवल वाहन चलाने वालों तक सीमित नहीं रहेगा। ईंधन खर्च बढ़ने से माल ढुलाई, डिलीवरी और परिवहन की लागत बढ़ेगी। इसका असर व्यापारियों की लागत और अंततः उपभोक्ताओं को मिलने वाली वस्तुओं की कीमत पर पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि नोएडा एक प्रमुख औद्योगिक और व्यावसायिक क्षेत्र है। यहां कंपनियों, कर्मचारियों, दुकानदारों, डिलीवरी नेटवर्क और परिवहन कारोबार की लागत में ईंधन की महत्वपूर्ण भूमिका है।

सरकार से कीमत तय करने की प्रक्रिया स्पष्ट करने की मांग

विकास जैन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार की परिस्थितियों का असर अपनी जगह है, लेकिन हर बार उस-का बोझ उपभोक्ता की जेब पर डालना उचित नहीं है। उन्होंने सीएनजी की कीमत के पूरे ढांचे की सार्वजनिक और पारदर्शी समीक्षा की मांग की।

उनके मुताबिक उपभोक्ताओं को यह स्पष्ट होना चाहिए कि सीएनजी की अंतिम कीमत में गैस की लागत, परिवहन एवं वितरण खर्च, कंपनी का मार्जिन और सरकार को मिलने वाले करों का कितना हिस्सा है।

सीएनजी को किफायती ईंधन बनाए रखने पर जोर

व्यापार मंडल का कहना है कि सरकार लंबे समय से स्वच्छ ईंधन और सीएनजी आधारित परिवहन को बढ़ावा देती रही है। यदि सीएनजी की कीमत लगातार बढ़ती रही तो उपभोक्ता और व्यावसायिक वाहन संचालक दूसरे ईंधनों की ओर जाने को मजबूर हो सकते हैं।

विकास जैन ने मांग की कि सीएनजी को स्थिर और किफायती ईंधन बनाए रखने के लिए प्रभावी नीति तैयार की जाए। साथ ही ऑटो, टैक्सी, कैब और छोटे व्यावसायिक वाहन चालकों को राहत देने के उपाय किए जाएं।

> **छोटे कारोबारियों पर बढ़ेगा दबाव**
>
> विकास जैन ने कहा कि व्यापारी पहले से ही किराया, बिजली, कर्मचारियों, लॉजिस्टिक्स और परिवहन जैसी बढ़ती लागत का सामना कर रहे हैं। ऐसे में सीएनजी की कीमत में एक साथ 3.89 रुपये की वृद्धि कारोबारियों के लिए अतिरिक्त आर्थिक दबाव है।
>
> उन्होंने कहा कि सरकार को महंगाई और बढ़ती परिचालन लागत को देखते हुए राहत के उपाय करने चाहिए। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने स्पष्ट किया कि वह सीएनजी की इस मूल्यवृद्धि का विरोध करता है और जरूरत पड़ने पर व्यापारियों एवं उपभोक्ताओं की आवाज लोकतांत्रिक तरीके से आगे भी उठाएगा।
>
> — विकास जैन
> प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल

व्यापार मंडल की प्रमुख मांगें

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने सीएनजी की बढ़ी कीमतों को लेकर छह प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें 3.89 रुपये प्रति किलो की वृद्धि की तत्काल समीक्षा, सीएनजी की कीमत तय करने की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना, उपभोक्ता हित में प्रभावी निगरानी व्यवस्था, ऑटो-टैक्सी और छोटे व्यावसायिक वाहन चालकों को राहत, सीएनजी पर लगने वाले करों व अन्य लागत घटकों की समीक्षा तथा अंतरराष्ट्रीय कीमतों में कमी आने पर उसका लाभ उपभोक्ताओं तक तेजी से पहुंचाना शामिल है।

पुलिस लाइंस में पेंशनर्स कक्ष का उद्घाटन, सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को मिलेगी बेहतर सुविधा

पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह बोलीं- सेवानिवृत्त कार्मिक पुलिस संगठन की अमूल्य धरोहर

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने शनिवार को पुलिस लाइंस, गौतमबुद्धनगर में नवस्थापित पेंशनर्स कक्ष का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी पुलिस संगठन की अमूल्य धरोहर हैं। उनके लंबे अनुभव, कार्यकुशलता और सेवा भावना का उपयोग पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने में किया जा सकता है।

पुलिस कमिश्नर ने कहा कि नवस्थापित पेंशनर्स कक्ष का उद्देश्य सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को सम्मानजनक, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना है। यहां सेवानिवृत्त कार्मिकों की समस्याओं को सुनकर उनका समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही पुलिस व्यवस्था, जनसेवा और संगठनात्मक कार्यों को बेहतर बनाने के लिए उनके अनुभव और सुझावों का भी उपयोग किया जाएगा।

बेहतर संवाद और समन्वय की उम्मीद

कार्यक्रम में मौजूद सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पेंशनर्स कक्ष की स्थापना की सराहना की और पुलिस कमिश्नरेट का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह पहल सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों और वर्तमान पुलिस संगठन के बीच बेहतर संवाद एवं समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

ये अधिकारी रहे मौजूद

कार्यक्रम में अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय अजय कुमार, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय श्रीमती शैव्या गोयल, सहायक पुलिस आयुक्त ला-इंस शकील मोहम्मद सहित सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक एवं उत्तर प्रदेश पुलिस पेंशनर्स कल्याण संस्थान के शाखा अध्यक्ष अजीत सिंह, सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक एवं पीपीएस वेलफेयर एसोसिएशन के समन्वयक सेवक राम यादव, संस्थान के महासचिव रघुराज सिंह चौहान, कोषाध्यक्ष मोहम्मद अख्तर, सदस्य आर.के. सिंह और सचिव यदुराज सिंह समेत अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

फेस-3 पुलिस ने वाहन चोर गिरोह के तीन आरोपियों को दबोचा

कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिल बरामद, दिल्ली-एनसीआर में रैकी कर करते थे वारदात

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। थाना फेस-3 पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिल बरामद की हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी 28/29 अगस्त की रात लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर जागृति अपार्टमेंट्स के पीछे सर्विस रोड, सेक्टर-71 से की गई।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निखिल यादव (25), दीपांशु कुमार (20) और विक्की (24) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार निखिल यादव बहलोलपुर, थाना सेक्टर-63 का रहने वाला है, जबकि दीपांशु और विक्की वर्तमान में फेस-3 क्षेत्र के गढ़ी चौखंडी में रह रहे थे।

रैकी कर चुराते थे मोटरसाइकिल

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी दिल्ली-एनसीआर और नोएडा क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों की रैकी कर मोटरसाइकिल चोरी करते थे। कई मोटरसाइकिल इकट्ठी होने के बाद उन्हें दूसरे जिलों में ले जाकर अलग-अलग लोगों को सस्ते दामों में बेच देते थे। पुलिस के मुताबिक आरोपी वाहनों को बेचते समय मजबूरी का हवाला देते थे।

तीन मुकदमे पहले से दर्ज

पुलिस के अनुसार आरोपियों के खिलाफ थाना फेस-3 में वाहन चोरी से संबंधित तीन मुकदमे दर्ज हैं। इनमें मुकदमा संख्या 368/2026 में धारा 303(2)/317(2) बीएनएस, जबकि मुकदमा संख्या 344/2026 और 273/2026 में धारा 303(2) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस ने बरामद तीनों मोटरसाइकिलों को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ के आधार पर चोरी के अन्य वाहनों और गिरोह से जुड़े लोगों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। मीडिया सेल पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर

ग्रेटर नोएडा में सात साल की बच्ची की हत्या से सनसनी, पड़ोसी युवक पर शक

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के हल्दौनी क्षेत्र में सात वर्षीय बच्ची की हत्या की कथित घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। मामला थाना इकोटेक-3 क्षेत्र का बताया जा रहा है। सोशल मीडिया पर सामने आई जानकारी के मुताबिक बच्ची को कथित तौर पर पड़ोस में रहने वाला एक युवक बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया था। इसके बाद बच्ची की हत्या किए जाने का आरोप लगाया गया है। घटना से जुड़ा एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आने का दावा किया जा रहा है, जिसमें एक व्यक्ति कथित तौर पर बोरे में कुछ ले जाता दिखाई दे रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और संदिग्ध आरोपी की तलाश की जा रही है।

दुष्कर्म की आशंका की भी चर्चा

घटना को लेकर बच्ची के साथ दुष्कर्म की आशंका की बात भी सामने आई है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

रास्ता भटकी तीन साल की बच्ची को 30 मिनट में पुलिस ने खोज निकाला

सेक्टर-126 पुलिस ने सकुशल बच्ची को पिता के सुपुर्द किया, परिजनों ने जताया आभार

नोएडा। थाना सेक्टर-126 पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रास्ता भटककर लापता हुई करीब तीन साल की बच्ची को महज 30 मिनट में सकुशल तलाश कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस की तत्परता से बच्ची के परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का आभार जताया।

पुलिस के अनुसार 29 अगस्त को एक व्यक्ति ने थाना सेक्टर-126 में सूचना दी कि वह ग्राम असगरपुर में पेंटिंग का काम कर रहा था। वह अपने करीब पांच वर्षीय बेटे और तीन वर्षीय बेटी को भी अपने साथ कार्यस्थल पर लाया था। काम के दौरान बच्ची खेलते-खेलते रास्ता भटक गई और गांव की ओर चली गई।

सूचना मिलते ही गठित की गई पुलिस टीमें

बच्ची के लापता होने की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल उसकी तलाश के लिए टीमें गठित कीं। पुलिसकर्मियों ने आसपास के क्षेत्रों में तेजी से तलाश शुरू की। लगातार प्रयास के बाद पुलिस टीम ने करीब 30 मिनट के भीतर बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया।

पुलिस ने बच्ची को उसके पिता के सुपुर्द कर दिया। बच्ची के सकुशल मिलने के बाद परिजनों ने पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

हिंडन डूब क्षेत्र में बिजली चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 19 के खिलाफ एफआईआर

छजारसी कॉलोनी में 3 हजार अवैध कनेक्शन काटे, 300 मीटर 11 केवी लाइन और 10 ट्रांसफार्मर जब्त

प्रवर्तन दल-द्वितीय, रेड टीम तथा तकनीकी एवं वाणिज्यिक टीम ने संयुक्त रूप से हाई-लॉस फीडर पर चेकिंग अभियान चलाया।

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में बिजली चोरी और अवैध विद्युत वितरण के खिलाफ विद्युत विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रवर्तन दल ने शनिवार को हिंडन नदी के डूब क्षेत्र स्थित छजारसी कॉलोनी, सेक्टर-63 में सघन अभियान चलाकर करीब 3 हजार अनधिकृत विद्युत कनेक्शन काट दिए। इस दौरान अवैध विद्युत नेटवर्क को भी ध्वस्त किया गया।

मुख्य अभियंता वितरण, नोएडा क्षेत्र के निर्देशन और अधीक्षण अभियंता के पर्यवेक्षण में प्रवर्तन दल-प्रथम, प्रवर्तन दल-द्वितीय, रेड टीम तथा तकनीकी एवं वाणिज्यिक टीम ने संयुक्त रूप से हाई-लॉस फीडर पर चेकिंग अभियान चलाया।

300 मीटर अवैध 11 केवी लाइन जब्त

अभियान के दौरान करीब 300 मीटर अवैध 11 केवी प्राइमरी कंडक्टर जब्त किया गया। विभाग के मुताबिक इसी नेटवर्क के जरिए क्षेत्र में अनधिकृत रूप से बिजली का वितरण किया जा रहा था। इसके अलावा बिना विभागीय स्वीकृति लगाए गए 10 अनधिकृत वितरण ट्रांसफार्मर भी विभागीय कब्जे में लिए गए।

19 के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा

जांच के दौरान 19 परिसरों और व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रूप से अवैध विद्युत उपभोग एवं अनधिकृत विद्युत वितरण में संलिप्त पाया गया। सभी के खिलाफ भारतीय विद्युत अधिनियम-2003 की धारा 135 के तहत एंटी पावर थेफ्ट थाना, सेक्टर-63 में एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है।

बिजली देने के नाम पर अवैध वसूली का मामला

अभियान के दौरान कुछ अराजक तत्वों द्वारा स्थानीय निवासियों से बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने के नाम पर कथित रूप से अवैध धन वसूली किए जाने की जानकारी भी सामने आई। विभाग की ओर से इस संबंध में संबंधित थाने में अलग से तहरीर दी गई है।

विद्युत विभाग के अनुसार अभियान का उद्देश्य हाई-लॉस फीडर पर तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियों को कम करना और अवैध विद्युत नेटवर्क से होने वाले जन-सुरक्षा के खतरे को समाप्त करना है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिजली चोरी के खिलाफ औचक प्रवर्तन अभियान आगे भी जारी रहेगा।

विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे केवल वैध विद्युत कनेक्शन और अपने परिसर में स्थापित मीटर के माध्यम से ही बिजली का उपयोग करें। बिजली चोरी और अवैध वितरण दंडनीय अपराध है। अधिशा-सी अभियंता नगरीय विद्युत वितरण खंड, नोएडा

जन्माष्टमी को लेकर इस्कॉन मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

एडीसीपी नोएडा ने मंदिर पदाधिकारियों संग की बैठक, भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था पर दिए निर्देश

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मद्देनजर पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में एडीसीपी नोएडा श्रीमती मनीषा सिंह ने एसीपी-2 नोएडा मयंक तिवारी और एसीपी यातायात सौरभ सिंह के साथ थाना सेक्टर-24 क्षेत्र स्थित इस्कॉन मंदिर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एडीसीपी ने मंदिर पदाधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन को लेकर विस्तृत चर्चा की। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए मंदिर परिसर में भीड़ प्रबंधन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

प्रवेश-निकास से पार्किंग तक समीक्षा

अधिकारियों ने मंदिर के प्रवेश एवं निकास मार्ग, पुलिस ड्यूटी प्वाइंट, यातायात व्यवस्था, पार्किंग, सीसीटीवी निगरानी और बैरिकेडिंग सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया गया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं। आयोजन के दौरान पुलिसकर्मी पूरी सतर्कता और आपसी समन्वय के साथ ड्यूटी निभाएं, ताकि जन्माष्टमी का पर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न हो सके। मीडिया सेल पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर अंडर-14 बालक हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर खेल निदेशालय, उत्तर प्रदेश, खेल भवन, लखनऊ के तत्वावधान में जिला खेल कार्यालय, बिजनौर द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर अंडर-14 बालक हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन आज दिनांक 29 अगस्त 2026 को नेहरू स्पोर्ट्स स्टेडियम, बिजनौर में किया गया। प्रतियोगिता में अंडर-14 आयु वर्ग के बालक खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल एवं खेल भावना का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला आरजेपी इंटर कॉलेज, बिजनौर एवं जीआईसी, बिजनौर के मध्य खेला गया। रोमांचक मुकाबले में आरजेपी इंटर कॉलेज, बिजनौर की टीम ने जीआईसी, बिजनौर को 2-1 से पराजित कर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया।

प्रतियोगिता के समापन समारोह की मुख्य अतिथि माननीय अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद बिजनौर, श्रीमती इंद्रा सिंह रहीं। मुख्य अतिथि द्वारा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेलों में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करने तथा अनुशासन एवं खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर राजकुमार जिला क्रीड़ा अधिकारी बिजनौर एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा उपस्थित अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। प्रतियोगिता के दोरान वे सभी उपस्थित रहे जिला क्रीड़ा अधिकारी राजकुमार, कनिष्ट सहायक हिमांशु, चित्र चौहान हॉकी कोच नेहरू स्टेडियम, सीनियर खिलाड़ी खालिद इसरार, विकल महर्ष अध्यक्ष हॉकी एसोसिएशन, रजत शर्मा सचिव, ओमप्रकाश कोशल बरिस्ट खिलाड़ी, विकास अग्रवाल, कपिल सैनी, राजेश कुमार, विजय कुमार, अभिमन्यु, प्रवुद्धराज, वरुण आदि उपस्थित रहे।

जन्माष्टमी पर खलल डालने वालों की खैर नहीं, सीओ ने दी सख्त चेतावनी

जन्माष्टमी को लेकर पुलिस अलर्ट, अफवाह फैलाने वालों पर रहेगी पैनी नजर।

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर अफजलगढ़। आगामी जन्माष्टमी समेत अन्य त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को कोतवाली परिसर में जन्माष्टमी को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने आयोजकों, जनप्रतिनिधियों तथा क्षेत्र के जिम्मेदार लोगों से त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की। बैठक को संबोधित करते हुए सीओ आलोक कुमार सिंह ने कहा कि त्योहारों के दौरान माहौल खराब करने का प्रयास करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। सभी आयोजक कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखें। किसी भी प्रकार का गैर परंपरागत कार्य नहीं किया जाएगा। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध सूचना की तत्काल पुलिस को जानकारी देने की अपील की। तहसीलदार विपिन कुमार चौधरी ने सभी लोगों को आगामी त्योहारों की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि त्योहार आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं। पुलिस-प्रशासन का सहयोग करें। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल संबंधित पुलिस अधिकारी या 112 पर सूचना दें। प्रभारी निरीक्षक मृदुल कुमार ने भी लोगों से त्योहारों के दौरान पुलिस प्रशासन का सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शांति व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आयोजक अपने कार्यक्रमों के दौरान निर्धारित नियमों का पालन करें और किसी भी स्थिति में कानून व्यवस्था प्रभावित न होने दें। बैठक में चेयरपर्सन पति जावेद विकार, भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष खेल सिंह राजपूत, तेजपाल सिंह चौहान, चेयरमैन अनूज जोशी, भाजपा मंडल अध्यक्ष जयप्रकाश बंजारा,सभासद मुकेश शर्मा,सभासद भीम सिंह रावत,प्रधान अनील त्यागी,संदीप कर्णवाल समेत अन्य लोगों ने पुलिस-प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर नायाब तहसीलदार संजीव कुमार,समाजसेवी अतुल अग्रवाल,शरद कर्णवाल,पूर्व सभासद विकास कुमार जैन, सभासद पति अजहर अहमद, प्रधान चौधरी गितेन्द्र, समाजसेवी विकास गुर्जर, प्रधान कैलाशचंद्र चौधरी, प्रधान संजय कुमार,प्रधान विपिन कुमार, प्रधान पति वकील अहमद, पूर्व प्रधान रामनाथ सिंह चौहान, प्रधान पति रईस वकील, मोहित त्यागी,प्रधान रजी अहमद, प्रधान रिजवान अहमद, प्रधान उमर अहमद, प्रधान जाकिर हुसैन,पूर्व प्रधान श्याम लाल भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

स्योहारा पुलिस का वारंटियों पर शिकंजा, वांछित वारंटी गिरफ्तार

आबकारी अधिनियम के मुकदमे में न्यायालय से वांछित चल रहे अभियुक्त को पुलिस ने दबोचा, विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में किया पेश

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर स्योहारा। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत स्योहारा पुलिस ने एक और प्रभावी कार्रवाई करते हुए न्यायालय से वांछित चल रहे एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है।

पुलिस के मुताबिक दिनांक 29 अगस्त 2026 को स्योहारा पुलिस ने न्यायालय से संबंधित एक मामले में वांछित वारंटी बलवीर पुत्र हरदेव सिंह, निवासी ग्राम कासमाबाद, स्योहारा, थाना जनपद बिजनौर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध वाद संख्या 1701745/20, धारा 60(1) आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मामला न्यायालय सिविल जज (जूनियर डिवीजन)/एफटीसी कोर्ट संख्या-01, बिजनौर में विचाराधीन है। अभियुक्त न्यायालय से जारी वारंट के चलते पुलिस की निगरानी में था, जिसके बाद पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

अपराधियों के विरुद्ध लगातार जारी है अभियान

जनपद बिजनौर में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के क्रम में स्योहारा पुलिस द्वारा वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की धरपकड़ के लिए विशेष कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और न्यायालय के आदेशों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए ऐसे अभियुक्तों के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पुलिस टीम ने गिरफ्तार वारंटी अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किए जाने हेतु भेज दिया स्योहारा पुलिस की इस कार्रवाई को अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों और न्यायालय से वांछित चल रहे अभियुक्तों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

हॉकी के जादूगर की गौरवगाथा से गूंजा विद्यालय, मेजर ध्यानचंद को नमन कर मनाया खेल दिवस

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर अफजलगढ़। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज अफजलगढ़ में मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के अवसर पर खेल दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को खेलों के महत्व और हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जीवन एवं उपलब्धियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य जितेंद्र कुमार वत्सल एवं खुशीराम सिंह ने मेजर ध्यानचंद के चित्र के समक्ष पुष्पार्चन कर किया। इस दौरान खुशीराम सिंह ने छात्र-छात्राओं को खेलों का महत्व बताते हुए कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और भाईचारे की भावना को भी बढ़ावा मिलता है। आचार्य ओमकार सिंह ने छात्र-छात्राओं को मेजर ध्यानचंद के जीवनवृत्त से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि मेजर ध्यानचंद ने वर्ष 1928,1932 और 1936 के ओलंपिक खेलों में भारतीय हॉकी टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने मेजर ध्यानचंद के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन और देश के लिए उनके योगदान की जानकारी भी दी। इस अवसर पर प्राची चौहान छवि, अल्फैज, अक्षय प्रताप,मानवी आदि छात्र-छात्राओं ने खेल दिवस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में मनोज कुमार,अनिल कुमार, रमाकांत तिवारी,अखिलेश सिंह आदि का सहयोग रहा।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को जयंती पर समति ने किया याद

समाज जागरण

चन्दौसी। महापुरुष स्मारक समिति एवं सर्व समाज जागरूकता अभियान के संयुक्त तत्वावधान में तीन बार भारत को ओलंपिक में स्वर्ण पदक दिलाने वाले, भारत एवं विश्व के प्रसिद्ध हाकी के जादूगर, पद्मभूषण मेजर ध्यानचंद जी की जयंती छोटेलाल कॉलोनी स्थित शिव शान्ति आदर्श जूनियर हाइस्कूल में धूमधाम से मनाई गई।सर्वप्रथम मुख्य वक्ता अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कवि माधव मिश्र ने चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।मुख्य वक्ता अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कवि माधव मिश्र ने जंयती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मेजर ध्यानचंद जी को हाकी का जादूगर कहा जाता है। मेजर ध्यानचंद जी की जयंती को भारत सरकार "राष्ट्रीय खेल दिवस"के रूप में मनाकर प्रतिभावान खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार आदि देती है जिससे हमारे देश के खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन हो। मेजर ध्यानचंद जी ने अपनी करिश्माई हॉकी से जर्मन तानाशाह रुडोल्फ हिटलर को एवम महान क्रिकेटर डॉन ब्रैडमैन को भी अपना मुरीद बना दिया था। मेजर ध्यानचंद जी को फुटबॉल के पेले और क्रिकेट में डॉन ब्रैडमैन के समतुल्य माना जाता है। उन्होंने जीवन में 1000 से अधिक गोल दागे, जिसमें 400अन्तर्राष्ट्रीय मैच में किए हैं। मुलाकात के दौरान डॉन ब्रैडमैन ने कहा था कि ध्यानचंद जी आप क्रिकेट के रनो की तरह गोल करते हैं। ओलंपिक 1936मे जब भारत ने जर्मन को हराकर स्वर्ण पदक जीता तब हिटलर ने मेजर ध्यानचंद जी से प्रभावित होकर जर्मनी की ओर से खेलने का प्रस्ताव देते हुए फील्ड मार्शल पद और अकूत दौलत देने का लालच दिया जिसे मेजर ध्यानचंद जी ने यह कहते हुए ठुकरा दिया कि मैं अपनी मातृ भूमि भारत से प्यार करता हूं और हमेशा अपने देश के लिए ही खेलूंगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष कवि माधव मिश्र ने आगे कहा कि मेजर ध्यानचंद जी का जन्म 29अगस्त 1905को प्रयागराज (इलाहाबाद) में हुआ था। आपके पिता सूबेदार समेश्वर दत्त सिंह तथा माता श्रद्धा सिंह थीं। आपका वास्तविक नाम ध्यान सिंह था। आपके दो भाई और तीन बहिनें थीं। दोनों भाई भी हॉकी के प्लेयर थे। 1922मे सेना में भर्ती हुए। 1926में न्यूजीलैंड में पहली बार भारत की टीम की तरफ से हॉकी मैच खेले। जिसमें सभी मैच जीते। उनके प्रदर्शन के कारण उन्हें हॉकी बिजार्ड कहा जाता है। जब ध्यानसिंह सेना में सिपाही थे तब वहां सूबेदार मेजर तिवारी ने इन्हें हॉकी खेलने को प्रेरित किया। ध्यानचंद जी के कोच पंकज गुप्ता थे। यह चंद्रमा की रोशनी में रात को प्रेक्टिस करते थे जिससे नाम हो गया ध्यानचंद। तीन बार भारत की टीम को स्वर्ण पदक विजेता बनाने के कारण प्रमोशन होते गए और सिपाही से पदोन्नति पाकर मेजर ध्यानचंद हो गए। हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद जी ने तीन दिसंबर 1979को एम्स अस्पताल दिल्ली में अन्तिम सांस ली। इस दौरान राजेश कुमार प्रधानाचार्य, संचालक ममता मौर्य, विशिष्ट अतिथि अल्का सक्सैना, हर्ष रस्तोगी, आरती श्री वास्तव, वानी वार्ष्णेय,रेनू शर्मा, भूमिका वार्ष्णेय, राधिका वार्ष्णेय, प्रियंका, निधि, ममता गुप्ता, सलोनी मौर्य, तनिष्का रानी, किरन आदि मौजूद रहे।

कैला देवी क्षेत्र में दो दिन में चार चोरी, लाखों का माल पार

सकरपुर में 20 लाख से अधिक का बिजली तार चोरी, चौकीदार को 20 किमी दूर छोड़ा; दो गांवों में नकबजनी से दहशत

समाज जागरण

संभल। थाना कैला देवी क्षेत्र में चोरों ने पुलिस को चुनौती देते हुए दो दिनों में चार चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। सकरपुर में चोर 20 लाख रुपये से अधिक कीमत का बिजली का तार चोरी कर चौकीदार को भी अपने साथ ले गए और करीब 20 किलोमीटर दूर छोड़ दिया। वहीं सारंगपुर और रुदायन में मकानों को निशाना बनाकर नकदी और लाखों रुपये के आभूषण चोरी कर लिए। लगातार घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत और आक्रोश है।

गुरुवार रात सकरपुर में चोरों ने बिजली का तार चोरी किया। वारदात के दौरान चौकीदार को भी चोर अपने साथ ले गए और करीब 20 किलोमीटर दूर छोड़कर फरार हो गए। शुक्रवार रात सारंगपुर में दो मकानों में चोरी हुई। जमुना सिंह के मुताबिक रक्षाबंधन के चलते परिवार रिश्तेदारी में गया था। घर पर उनके भाई हरपाल सो रहे थे। चोर पीछे की दीवार काटकर घर में घुसे और एक किलो से अधिक चांदी, सोने की चेन तथा आठ हजार रुपये की नकदी चोरी कर ले गए।

दूसरे पीड़ित रग्घू सिंह के घर से दो चांदी की चेन, सोने की चेन और नकदी चोरी हुई। सुबह करीब चार बजे जागने पर कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। छत पर जाकर देखने पर पीछे की दीवार कटी मिली। ग्रामीणों ने एक संदिग्ध को पकड़कर पुलिस के हवाले किया, जबकि पुलिस ने एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लिया है। रुदायन में जसपाल सिंह के घर को चोरों ने निशाना बनाया। जसपाल के मुताबिक वह रक्षाबंधन पर ससुराल गए थे। घर पर उनकी मां, भाभी और भतीजा सो रहे थे। मकान के पीछे मंदिर में निर्माण कार्य के लिए लगी सीढ़ी के सहारे चोर घर में दाखिल हुए और दो जोड़ी चांदी की पाजेब व 36 हजार रुपये चोरी कर ले गए।

जसपाल सिंह का आरोप है कि शिकायत लेकर खिरनी पुलिस चौकी पहुंचने पर दरोगा ने उन्हें एक घंटे बाद आने को कहा। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में पुलिस के प्रति नाराजगी है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने और चोरियों का जल्द खुलासा करने की मांग की है।

इतिहास संकलन समिति की जिला कार्यकारिणी का विस्तार

समाज जागरण

संभल।इतिहास संकलन समिति की जिला बैठक में संरक्षक डॉ. अरविंद कुमार गुप्ता ने वैभव गुप्ता और अंकुश त्यागी को जिला उपाध्यक्ष तथा उमेश श्रीमाली को लेखक प्रमुख मनोनीत किया। सूरज प्लाजा में संपन्न हुई इतिहास संकलन समिति की बैठक में जिला कार्यकारिणी का विस्तार करने की आवश्यकता बताई गई। बौद्धिक प्रमुख अतुल कुमार शर्मा ने वैभव गुप्ता और अंकुश त्यागी का नाम उपाध्यक्ष के लिए तथा उमेश श्रीमाली का नाम लेखक प्रमुख के लिए प्रस्तावित किया। जिलाध्यक्ष अजय कुमार शर्मा ने तीनों प्रस्तावित समाजसेवियों का विस्तार से परिचय देते हुए समाज हित समर्पित समाज सेवी बताकर इतिहास संकलन समिति का जिला संभल का दायित्व सौंपने का समर्थन किया। संरक्षक मंडल के वरिष्ठ सदस्य डॉ. अरविंद कुमार गुप्ता ने वैभव गुप्ता और अंकुश त्यागी को उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया जबकि उमेश श्रीमाली को लेखक प्रमुख का दायित्व सौंपा। मनोनयन के पश्चात तीनो पदाधिकारियो ने तन मन धन समय और हर प्रकार की ऊर्जा के साथ इतिहास संकलन समिति के माध्यम से शिक्षा समाज एवं राष्ट्र सेवा में प्रांत के निदेर्शानुसार कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में पंकज सांख्यधर, अत्यंत त्यागी, रूप किशोर शर्मा, कमल शर्मा, नेहा मलय,ज्ञान प्रकाश उपाध्याय, विकास कुमार वर्मा, सत्यवीर सिंह पाल, सुबोध पाल, दुर्वेश सैनी आदि ने तीनों मनोनीत पदाधिकारियो का माल्यार्पण करके स्वागत किया।

बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष मनीष चौधरी ने की संचालन जिला महामंत्री सुबोध कुमार गुप्ता ने किया।

दतावली में 407 बीघा जमीन पर प्रशासन का बुलडोजर एक्शन

PAC के लिए खरीदी गई भूमि में ग्राम समाज की जमीन पर निर्माण मिला, प्रशासन ने कराया ध्वस्त

समाज जागरण

संभल। अवैध कब्जों के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। शनिवार को हयातनगर थाना क्षेत्र के दतावली गांव में PAC के लिए खरीदी गई करीब 407 बीघा जमीन के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। जांच के दौरान जमीन के एक हिस्से में खेती किए जाने और ग्राम समाज की भूमि पर मजार का निर्माण होने की बात सामने आई। इसके बाद तहसील प्रशासन ने बुलडोजर चलवाकर ग्राम समाज की जमीन पर बने निर्माण को ध्वस्त करा दिया। तहसीलदार धीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम और लेखपाल मौके पर पहुंचे। ढअउ के जवान भी मौके पर मौजूद रहे। टीम ने जमीन का निरीक्षण करने के साथ ही मौके की स्थिति और संबंधित अभिलेखों की जानकारी जुटाई। बताया गया कि संभल जिला बनने के बाद ढअउ के लिए दतावली गांव में करीब 407 बीघा जमीन खरीदी गई थी। इसमें करीब 15 बीघा भूमि ग्राम समाज की बताई जा रही है। आरोप है कि ग्राम समाज की भूमि के एक हिस्से पर कब्जा कर खेती की जा रही थी। इसी भूमि पर मजार का निर्माण किए जाने की बात भी सामने आई।

जांच के बाद प्रशासन ने बुलडोजर मंगवाया। तहसीलदार के निर्देश पर ग्राम समाज की जमीन पर बने निर्माण को ध्वस्त करा दिया गया। कार्रवाई के दौरान मौके पर काफी देर तक अफरा-तफरी और हलचल का माहौल रहा। प्रशासन की कार्रवाई के बाद अवैध कब्जे के आरोपों को लेकर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने सरकारी भूमि पर किसी भी तरह के अवैध कब्जे के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की बात कही है।

अखियारपुर चौबे में गूंजा संस्कृत का स्वर, सरल संस्कृत सम्भाषण शिविर का हुआ भव्य समापन

समाज जागरण

पंवासा/संभल। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ के तत्वावधान में आयोजित सरल संस्कृत सम्भाषण शिविर का समापन समारोह शनिवार को प्राथमिक विद्यालय अखियारपुर चौबे में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके उपरांत संस्कृत प्रशिक्षिका उर्वशी आर्य ने संस्कृत भाषा के प्रति प्रेरणा एवं जागरूकता उत्पन्न करने वाला प्रेरणागीत प्रस्तुत किया, जिससे कार्यक्रम स्थल संस्कृतमय हो गया।

समारोह में मुख्य अतिथि कुलदीप सिंह एवं विशिष्ट अतिथि पूनम भारती का उपस्थित लोगों द्वारा स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं शिविरार्थी उपस्थित रहे। शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई संस्कृत भाषा में संवाद प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

मुख्य अतिथि कुलदीप सिंह ने कहा कि संस्कृत भारत की गौरवशाली ज्ञान, संस्कृति और परम्परा की भाषा है। हमारे प्राचीन ऋषियों ने इसी भाषा के माध्यम से ज्ञान-विज्ञान, दर्शन, साहित्य एवं जीवन-मूल्यों को समाज तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि संस्कृत को केवल पुस्तकों और विद्यालयों तक सीमित रखने के बजाय इसे दैनिक जीवन के व्यवहार में लाने की आवश्यकता है। सरल संस्कृत सम्भाषण शिविर इसी दिशा में एक सराहनीय प्रयास है, जिसके माध्यम से सामान्य व्यक्ति भी संस्कृत में बोलने का आत्मविश्वास प्राप्त कर सकता है। उन्होंने शिविरार्थियों से आह्वान किया कि शिविर के समापन के बाद भी संस्कृत का अभ्यास जारी रखें और अपने घर-परिवार तथा समाज में संस्कृत के सरल शब्दों एवं वाक्यों का प्रयोग करें।

विशिष्ट अतिथि पूनम भारती ने कहा कि संस्कृत हमारी सांस्कृतिक पहचान और समृद्ध ज्ञान परम्परा की महत्वपूर्ण भाषा है। संस्कृत भाषा में संस्कार, संस्कृति और जीवन के उच्च मूल्यों का समावेश है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि संस्कृत को केवल पढ़ने की भाषा न मानकर बोलचाल और व्यवहार की भाषा बनाया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के सम्भाषण शिविर संस्कृत को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने शिविरार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए प्रशिक्षिका उर्वशी आर्य के प्रयासों की सराहना की।

संस्कृत प्रशिक्षिका उर्वशी आर्य ने कहा कि संस्कृत को कठिन भाषा समझने की आवश्यकता नहीं है। नियमित अभ्यास एवं बोलने के प्रयास से संस्कृत को सहज रूप से सीखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान प्रतिभागियों को दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाले सरल संस्कृत शब्दों एवं वाक्यों के माध्यम से सम्भाषण का अभ्यास कराया गया। परिचय, अभिवादन, परिवार, दैनिक दिनचर्या तथा सामान्य बातचीत से संबंधित विषयों पर प्रतिभागियों को संस्कृत में संवाद करना सिखाया गया। उन्होंने कहा कि संस्कृत सीखने की वास्तविक सफलता तभी है, जब शिविरार्थी शिविर समाप्त होने के बाद भी अपने दैनिक जीवन में संस्कृत का प्रयोग करते रहें।

शिविर का ऑनलाइन निरीक्षण अनिल गौतम द्वारा किया गया। उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से शिविर की गतिविधियों एवं प्रशिक्षण कार्य का अवलोकन किया तथा प्रशिक्षिका एवं शिविरार्थियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए इस प्रकार के शिविर अत्यंत उपयोगी हैं और इनके माध्यम से लोगों में संस्कृत के प्रति रुचि एवं आत्मविश्वास बढ़ रहा है।

समापन समारोह में ग्रामीणों ने भी संस्कृत सम्भाषण शिविर की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में संस्कृत भाषा के प्रति जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परम्परा से जोड़ने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित शिविरार्थियों एवं ग्रामीणों ने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार तथा नियमित रूप से संस्कृत के सरल वाक्यों का प्रयोग करने का संकल्प लिया।

अंत में संस्कृत प्रशिक्षिका उर्वशी आर्य ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, ग्राम प्रधान, विद्यालय परिवार, ऑनलाइन निरीक्षणकर्ता अनिल गौतम, ग्रामीणजनों एवं सभी शिविरार्थियों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्र एवं समाज में संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार की भावना के साथ समारोह का समापन हुआ।

गणेश चौथ मेले की सुरक्षा व्यवस्था परखी

समाज जागरण

चन्दौसी/संभल। पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी द्वारा आगामी गणेश चतुर्थी पर्व के अवसर पर कस्बा चन्दौसी में आयोजित होने वाले गणेश चौथ मेले के दृष्टिगत मेला स्थल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मेला कमेटी के सदस्यों से वार्ता कर मेले की तैयारियों, भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली गई।

पुलिस अधीक्षक द्वारा मेला स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, प्रवेश एवं निकास मार्गों तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों का जायजा लेते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही मेले के दौरान पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, प्रभावी पेट्रोलिंग एवं संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखने हेतु निर्देशित किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने मेला कमेटी के सदस्यों से पुलिस/प्रशासन का सहयोग करते हुए मेले को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने की अपील की गयी।

नरोरा बैराज पर बड़ा जलस्तर हुसैनपुर और बिचपुरी सैलाब के खेतों में भरा पानी बाजार गन्ना व सब्जी की फैसले बर्बाद

समाज जागरण

गुन्नौर।क्षेत्र के गंगा नदी के बड़े जलस्तर और नरोरा बैराज से पानी जो छोड़े जाने के कारण तटीय इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है निचले इलाकों में स्थित कृषि योग भूमि जलमग्न हो चुकी है जिससे हुसैनपुर एवं बिचपुरी सैलाब क्षेत्र के किसानों के खेतों में बड़े पैमाने पर पानी भर गया है कई दिनों से खेतों में पानी भरे रहने की वजह से फासले पूरी तरह से जलमग्न हो गई है और सड़ने सूखने की कगार पर पहुंच गई है विशेष रूप से बाजार गन्ना और सब्जी भारी नुकसान पहुंचा है पानी के लंबे जमाव के कारण फसलों की जड़े गलने लगी है जिससे क्षेत्र के किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिर गया हैं खेतों में पहले पानी और बर्बाद होती फसलों देखकर स्थानीय किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा सकती हैं किसानों का कहना है कि उन्होंने कर्ज लेकर भारी लागत लगाकर फसलों की बुवाई की थी लेकिन अचानक जल स्तर बढ़ने और पानी के लगातार भराव से पूरी फसल चौपट हो गई है यदि यही स्थिति कुछ दिन और बनी रही तो भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा पीड़ित किसानों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित क्षेत्र का जल्द से जल्द मौका मुहयना कराया जाए ताकि उन्हें प्राकृतिक आपदा के कारण होने वाले भारी नुकसान से कुछ राहत मिल सके

नाले की पाइपलाइन के लिए पेड़ हटाने पर हंगामा, दुकानदारों ने किया विरोध

समाज जागरण

बबराला। नगर पंचायत बबराला के चंदौसी रोड पर नाले की पाइपलाइन डालने के कार्य के दौरान एक पेड़ हटाए जाने को लेकर स्थानीय दुकानदारों ने हंगामा कर विरोध जताया। दुकानदारों ने पेड़ को हटाने का विरोध करते हुए नाराजगी जाहिर की। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और कुछ समय तक हंगामे की स्थिति बनी रही। बताया जा रहा है कि नाले की पाइपलाइन डालने के कार्य के लिए पेड़ को हटा दिया गया है। पेड़ हटने के बाद स्थानीय दुकानदारों ने नाराजगी जताते हुए विरोध प्रदर्शन किया। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा बनी हुई है।

सबकी समस्या का समाधान सरकार की प्रतिबद्धता: मुख्यमंत्री

जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

समाज जागरण

गोरखपुर, 29 अगस्त। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिना भेदभाव, हर व्यक्ति की समस्या का समाधान कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता और शीघ्रता से किया जाए। उन्होंने हर पात्र व्यक्ति को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था करने और जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करीब 200 लोगों से मिले। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक वह खुद गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को ध्यान से सुना। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि हर पीड़ित की समस्या का पारदर्शी समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। जनता दर्शन में हर बार की तरह कुछ लोग गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। इन लोगों से मुख्यमंत्री ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का एस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए, सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। सीएम ने राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में कुछ लोग पारिवारिक विवादों के मामले भी लेकर आए थे। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पारिवारिक विवादों में सर्वप्रथम सबंधित पक्षों के बीच संवाद कराने की पहल की जाए।

मुख्यमंत्री ने की गोसेवा, गोवंश को खिलाया गुड़

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। मुख्यमंत्री ने गायों और गोवंश को स्नेहिल भाव से पूड़ी-गुड़ खिलाया।

आजीविका मिशन की सहायता से सालाना ढाई लाख कमा रहीं मजदूर रहीं सोनभद्र की निर्मला

समाज जागरण

लखनऊ, 29 अगस्त। प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए योगी सरकार राज्यव्यापी स्तर पर आजीविका मिशन को मजबूती से लागू कर रही है। इन प्रयासों का ही नतीजा है कि अब आदिवासी और पिछड़े अंचल की महिलाएं उद्यमी बन रही हैं। सोनभद्र जिले के राबर्ट्सगंज ब्लॉक के बिचपई गांव की अनुसूचित जाति की निर्मला इसकी एक जीवंत मिसाल हैं। कभी परिवार का खर्च चलाने के लिए मजदूरी करने वाली निर्मला अब सफल उद्यमी बन चुकी हैं। स्वयं सहायता समूह से जुड़कर उन्होंने हुनर सीखा और योगी सरकार से मिली आर्थिक मदद ने उन्हें अपने पैरों पर खड़ा कर दिया। रंग-बिरंगी डिजाइनर मोमबत्तियों से शुरू हुआ उनका सफर अब जूस, पॉपकॉर्न, गुलाब का गुलकंद, शर्बत और गाजर के मुरब्बे तक पहुंच चुका है। उनकी सालाना कमाई करीब ढाई लाख रुपये हो गई है। उनकी सफलता से प्रेरित होकर गांव की 12 से 15 महिलाएं भी आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ी हैं।

स्वयं सहायता समूह ने खोला नया रास्ता

राबर्ट्सगंज ब्लॉक के बिचपई गांव की निर्मला बीए तक पढ़ी हैं। पति-पत्नी, तीन बेटियों और एक बेटे वाले छह सदस्यीय परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। घर की जिम्मेदारियों के साथ उन्हें मजदूरी करनी पड़ती थी। बच्चों की बेहतर परवरिश और परिवार की आय बढ़ाने की कोशिश में वह स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं। यहीं से उनकी जिंदगी बदलने का रास्ता खुला। मोमबत्ती बनाने का प्रशिक्षण लिया और अपने हुनर को कारोबार में बदलने का निर्णय लिया।

60 हजार की सीड मनी से शुरू हुआ उद्यम, बढ़ती गई आमदनी

उद्यमिता विकास परियोजना की टीम ने निर्मला के प्रयास को देखते हुए 60 हजार रुपये की सीड मनी (प्रारंभिक सहायता राशि) उपलब्ध कराई। इससे उन्होंने अलग-अलग डिजाइन की मोमबत्तियों के सांचे खरीदे। दीपावली और अन्य त्योहारों पर मोमबत्तियां बनाकर उनकी बिक्री शुरू की। मांग बढ़ने पर इसे नियमित कारोबार बना लिया। खादी ग्रामोद्योग विभाग के सहयोग से पॉपकॉर्न मशीन मिली तो आमदनी का एक और जरिया जुड़ गया। इसके बाद खाद्य सुरक्षा एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग से दो माह का प्रशिक्षण लेकर उन्होंने गुलाब से गुलकंद, शर्बत और गाजर का मुरब्बा बनाना भी सीख लिया। अब मौसम के अनुसार इनका उत्पादन करती हैं। फूल, पेड़ और दूसरी सजावटी आकृतियों वाली उनकी रंगीन मोमबत्तियां बाजार में अपनी जगह बना रही हैं। उनका अगला लक्ष्य उत्पादों को ऑनलाइन बाजार तक पहुंचाना है।

गांव की महिलाओं में भी जाग रहा आत्मविश्वास

निर्मला की सफलता का असर गांव की दूसरी महिलाओं पर भी पड़ा है। उनके उद्यम से प्रेरित होकर गांव की 15 महिलाएं काम से जुड़ने और अपना रोजगार शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ी हैं। पिछड़े और आदिवासी बहुल बिचपई में यह बदलाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जिन महिलाओं की आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी सीमित थी, वे अब स्वयं सहायता समूहों के जरिए कारोबार की ओर कदम बढ़ा रही हैं। निर्मला बताती हैं कि पहले महिलाएं घर और घूंघट तक सीमित रहती थीं। अब वे बाहर निकलकर काम कर रही हैं। आमदनी बढ़ने से बच्चों को अच्छे स्कूलों में पढ़ाने का रास्ता खुला है। कभी लोगों से बात करने में झिझकने वाली निर्मला अब आत्मविश्वास से अपने कारोबार की बात करती हैं। उनके पति भी उद्यम को आगे बढ़ाने में साथ दे रहे हैं।

पूरे प्रदेश में महिलाओं को सशक्त बना रहा आजीविका मिशन

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से पूरे प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। स्वयं सहायता समूहों और विभिन्न परियोजनाओं से जुड़कर महिलाएं प्रशिक्षण और आर्थिक सहयोग के सहारे अपने उद्यम खड़े कर रही हैं। निर्मला की कहानी इसी व्यापक बदलाव की एक तस्वीर है, जहां कभी मजदूरी परिवार की मजबूरी थी और आज अपना कारोबार उसकी आर्थिक ताकत बन गया है।

पत्रकारों के सवालों पर गाली-गलौच व हाथापाई पर उतारू हो जाते हैं अखिलेश: सीएम योगी

- मुख्यमंत्री ने सलेमपुर व भाटपाररानी विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 305 करोड़ की 80 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण/शिलान्यास

- सुना है कि एक बार सच्चाई बताने पर पत्रकार के गले पर तलवार रख दी थी अखिलेश यादव ने: मुख्यमंत्री

- नौकरियों की कमी नहीं, यूपीटीईटी की भर्ती का अधियाचन जा चुका, जल्द जारी होने वाला है विज्ञापन

- पूर्वी उत्तर प्रदेश में 40 साल में 50 हजार बच्चों की मौत हुई, पर सपा का मुख्यमंत्री या कांग्रेस का प्रधानमंत्री झांकने नहीं आया

- जनता का पैसा पानी की तरफ बहाता था सैफई सिंडिकेट, लूटखसोट का पर्याय और डकैतों का गिरोह है सपा

- प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनाकर सरकारी खजाने पर डकैती डाल रहे थे अखिलेश-डिंपल और धर्मेंद्र यादव

समाज जागरण

देवरिया, 29 अगस्त। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया अखिलेश यादव की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा कि सपा के 'बबुआ' 12 बजे सोकर उठते हैं। इससे उनका दिमाग भारी रहता है और वह झुंझलाते हैं। पत्रकारों के सवाल पर वह गाली-गलौच व हाथापाई करने पर उतारू हो जाते हैं। मैंने सुना कि अखिलेश यादव ने एक बार पत्रकार के गले पर तलवार रख दी थी। मीडिया लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में काम करता है। यदि कोई सरकार-प्रशासन गलत करता है तो मीडिया उस ओर ध्यानाकर्षण कराती है, लेकिन जब मीडिया ने बबुआ की सच्चाई उजागर की तो उन्होंने पत्रकार के गले पर तलवार रख दी!

मुख्यमंत्री शनिवार को सलेमपुर व भाटपाररानी विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 305 करोड़ की 80 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बाबा दुग्धेश्वर नाथ की धरा पर उमड़े जनसमुद्र का अभिनंदन किया और 2017 के पहले की दुर्दशा और इसके बाद आए सकारात्मक बदलावों को भी बताया। सीएम ने कहा कि तब स्कूलों की जर्जर हालत तत्कालीन सरकारों की जर्जरता का प्रमाण ही प्रस्तुत करती थी।

जो हाल जनता दल का हुआ था, वही सपा का होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी दरअसल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है, जिसमें एक ही परिवार के सब लोग मिलेंगे। सपा मुखिया कहते हैं कि एक ही परिवार के पांच सांसद हैं, इसीलिए पार्टी बची है। उन्हें खैर मनानी चाहिए कि सपा बची है, वर्ना वही हाल होगा जो जनता दल का हुआ था।

जनता का पैसा पानी की तरफ बहाता था सैफई सिंडिकेट

सीएम ने सपा के भ्रष्टाचार को उजागर करते हुए कहा कि लखनऊ में बने जेपीएनआईसी (जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर) की प्रारंभिक लागत मात्र 200 करोड़ थी। सपा ने इस पर 864 करोड़ खर्च कर दिए, तब भी यह अधूरा रहा। यह पैसा 'सैफई सिंडिकेट' का नहीं, बल्कि प्रदेश की जनता का पैसा था। ये लोग जनता का पैसा पानी की तरफ बहाते थे। यदि अब सरकार उस पर पैसा लगाएगी तो कम से कम 150-200 करोड़ रुपये और खर्च होंगे। ये लोग सरकार के खजाने से 900-1000 करोड़ खर्च करके इसे प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को देना चाहते थे।

पाप करने वाले सपा मुखिया जनता से मांगें माफी

सीएम ने कहा कि सपा की मंशा थी कि सरकार के पैसे से बने जेपीएनआईसी को प्राइवेट कंपनी चलाएगी। इसमें होटल, क्लब, जिम आदि रहेगा और कमाई भी घर में ही जाएगी। अखिलेश यादव, डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव व इनके शागिर्द प्राइवेट कंपनी बनाकर प्रदेश के खजाने पर डकैती डाल रहे थे। 2017 में हमारी सरकार आई तो हमने इसे लखनऊ विकास प्राधिकरण को दे दिया, उसने जांच कराई। रिपोर्ट आने के बाद विज्ञापन निकाला। हम इस प्रोजेक्ट पर और पैसा खर्च करने को तैयार नहीं थे, बल्कि जो पैसा खर्च हुआ है वह भी सरकारी खजाने में आए, इसके लिए सरकार ने व्यवस्था प्रारंभ की है। जिस पैसे से युवाओं को रोजगार मिलता, फ्लाईओवर, इनोवेशन सेंटर, विश्वविद्यालय आदि बनते, अपनी अय्याशी के लिए प्रदेश के खजाने में डकैती डालने का पाप करने वाले सपा मुखिया को जनता से माफी मांगनी चाहिए।

एक लाख युवाओं को जल्द सरकारी नौकरी

मुख्यमंत्री ने युवाओं को आश्वस्त किया कि नौकरियों की कमी नहीं है। जल्द ही एक लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी मिलेगी। इसमें 45 हजार होमगार्ड, 36 हजार पुलिस कार्मिकों (4 हजार सब इंस्पेक्टर भी) की भर्ती होगी। उप्र पब्लिक सर्विस कमीशन के तहत अलग-अलग विभागों में 30 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र देने जा रहे हैं। जल्द ही शिक्षकों की भर्ती भी करेंगे। यूपीटीईटी की परीक्षा में 13 लाख नौजवान उत्तीर्ण हुए हैं। इस भर्ती का अधियाचन जा चुका है, विज्ञापन जारी होने वाला है। इन नौजवानों के लिए भी जल्द ही नौकरी का खजाना निकलने वाला है। सरकार दो करोड़ नौजवानों को टैबलेट देगी। 50 लाख से अधिक नौजवान यह पा चुके हैं, 25 लाख का फिर से ऑर्डर दिया गया है। स्नातक अंतिम वर्ष के बच्चों को टैबलेट देंगे। अब कोई नौकरी में सेंध नहीं लगा पाता, सपा मुखिया को इसी बात की चिढ़ है। अब हर जनपद के नौजवानों को नौकरी मिलती है। नौजवान के लिए हर जगह नौकरी, रोजगार व स्वरोजगार है। हर न्याय पंचायत स्तर पर डिजिटल एंटरप्रेन्योर के रूप में नौजवान को कार्य दिया जाएगा।

40 वर्ष में 50 हजार मासूमों की जान गई

सीएम ने कहा कि 15 जुलाई से 15 नवंबर गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, कुशीनगर, संतकबीरनगर, बस्ती व सिद्धार्थनगर के लिए भय व दहशत का माहौल लेकर आता था कि इंसेफेलाइटिस न जाने किस बच्चे को निगल ले। माता-पिता भय के साये में जीने को मजबूर थे। यह सपा व कांग्रेस सरकारों की बीमार मानसिकता थी, जो मासूमों को निगलती थी, लेकिन इनकी संवेदना मर चुकी थी। 40 वर्ष में 50 हजार मासूमों की जान गई, लेकिन सपा का मुख्यमंत्री या कांग्रेस का मुख्यमंत्री/प्रधानमंत्री एक बार भी देखने या गरीब का हालचाल लेने नहीं आया। 2017 से पहले बच्चा नंगे पैर स्कूल जाता था, भवन जर्जर थे, बेटी स्कूल छोड़ देती थी, शिक्षक नहीं थे, गरीबों का राशन हड़प लिया जाता था। मुसहर, गरीब, वंचित, दलित भूख से दम तोड़ता था, लेकिन तत्कालीन सरकारें उसका हाल नहीं लेती थीं, बल्कि गरीबों का राशन बेचकर अपनी पार्टी को माफिया के हवाले कर चुकी थीं। माफिया समानांतर सत्ता चलाते थे।

अब किसी माता-पिता को मासूम की चिंता नहीं करनी

सीएम ने कहा कि डबल इंजन सरकार हर बच्चे की फिक्र करती है। जुलाई हो या नवंबर, अब किसी माता-पिता को मासूम की चिंता नहीं करनी है। हमने इंसेफेलाइटिस (नवकी बीमारी) को सदैव के लिए समाप्त कर दिया है। सुशासन का परिणाम है कि गरीब को बिना मांगे राशन, बिजली, आवास, शौचालय और नौजवान को रोजगार व सरकारी नौकरी मिल रही है। हमने साढ़े 9 साल में साढ़े 9 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी हैं। लगभग तीन करोड़ युवा रोजगार प्राप्त कर रहा है। अब यहां उत्सव से पहले उपद्रव, दंगा-फसाद भी नहीं हो सकता।

तुष्टिकरण नीति का विरोध करते थे कांग्रेस विधायक राघव बाबा

सीएम ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार आने के बाद देवरिया में विकास कार्य नए प्रतिमान स्थापित कर रहे हैं। महर्षि देवरहा बाबा के नाम पर अब देवरिया में मेडिकल कॉलेज है। स्वाधीनता संग्राम सेनानी राघव बाबा कांग्रेस के विधायक थे, लेकिन कांग्रेस सरकार के विरोध के बावजूद उन्होंने दो-टूक कहा था कि राम आन-बान-शान के प्रतीक हैं। यदि कांग्रेस सरकार राम मंदिर के मार्ग में बाधा बनेगी तो वह स्वीकार नहीं करेंगे। वह रामजन्मभूमि आंदोलन में कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति का खुलकर विरोध करते थे।

देश-दुनिया वाले कहते हैं- काश, मेरा भी जन्म यूपी में हुआ होता

सीएम ने कहा कि अब यूपी को कोई बीमारू नहीं कहता। अब देश-दुनिया वालों के चेहरे की चमक बताती है कि वे यूपी के नाम पर खुश हैं। वे कहते हैं कि काश, मेरा भी जन्म यूपी में हुआ होता, हम भी रामराज्य का अनुभव करते। माफिया मिट्टी में मिल गए। व्यापारी व बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों की एकमात्र जगह जेल है या जहन्नुम।

लाखों महिलाओं ने की निःशुल्क बस यात्रा

सीएम ने कहा कि परिवहन निगम की बसों में तीन दिन (27 से 29 अगस्त) तक सहयात्री के साथ निशुल्क बस यात्रा की सुविधा दी गई। पिछले दो दिनों में लाखों महिलाओं ने निशुल्क यात्रा का लाभ उठाया। आज भी निशुल्क बस सेवा जारी है। कल से 60 वर्ष से ऊपर की माताओं को निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। सरकार जनता के टैक्स का पैसा रिटर्न कर रही है। 16 करोड़ गरीबों को निशुल्क राशन मिल रहा है। अब कोई इनके राशन पर डाका नहीं डाल सकता।

मंदिरों का पैसा कब्रिस्तान पर बहाती थी सपा

सीएम ने जिनकी इच्छाशक्ति मर चुकी है, उनसे क्या ही उम्मीद रखना। जब कोई मुख्यमंत्री 16-18 घंटे मेहनत करेगा, तब सुरक्षा और परिवर्तन ला पाएगा। विधायकों से मांगे गए प्रस्तावों को हम तत्काल स्वीकृति देते हैं। सभाकुंवर जी के प्रस्ताव पर फ्लाईओवर को स्वीकृति दी। दुग्धेश्वर नाथ मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए धनराशि उपलब्ध कराई है। सपा मंदिरों के सौंदर्यीकरण का पैसा कब्रिस्तानों पर बहाती थी।

लूटखसोट का पर्याय और डकैतों का गिरोह है सपा

सीएम ने सपा को लूटखसोट का पर्याय और डकैतों का गिरोह बताया, कहा कि 2017 के पहले 'देख सपाई-बिटिया घबराई' का नारा चलता था। बेटी की सुरक्षा को लेकर माता-पिता और भाइयों को चिंता रहती थी। जब हम 26 अगस्त को निशुल्क बस सेवा का शुभारंभ करने जा रहे थे, तब सपा के बबुआ की नींद टूटी और उन्होंने जल्दी-जल्दी ने प्रेसवार्ता बुलाई। उनको पता ही नहीं था कि क्या बोलना है, उन्होंने कहा कि लोगों से 40 हजार रुपये लेंगे। उन्हें पता ही नहीं था कि यह लेने के लिए नहीं, बल्कि देने के लिए कार्यक्रम है।

इस अवसर पर कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, ग्राम्य विकास राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, विधायक सभाकुंवर कुशवाहा, डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी, सुरेंद्र चौरसिया, दीपक कुमार मिश्र शाका, जिला पंचायत प्रशासक गिरीश चंद्र तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष काली प्रसाद, पूर्व सांसद रविंद्र कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

जेपीएनआईसी के लिए प्राइवेट कंपनी बनाकर सरकारी खजाने पर डकैती डाल रहे थे अखिलेश-डिंपल: मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने सलेमपुर व भाटपाररानी विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 305 करोड़ की 80 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण/शिलान्यास

- पत्रकारों के सवालों पर गाली-गलौच व हाथापाई पर उतारू हो जाते हैं अखिलेश, सुना है पत्रकार के गले पर तलवार रख दी थी: सीएम

- जनता का पैसा पानी की तरफ बहाता था 'सैफई सिंडिकेट', लूटखसोट का पर्याय और डकैतों का गिरोह है सपा

- रक्षाबंधन पर दो दिन में लाखों महिलाओं ने उठाया परिवहन निगम की बसों में निशुल्क यात्रा का लाभ

- नौकरियों की कमी नहीं, यूपीटीईटी की भर्ती का अधियाचन जा चुका, जल्द जारी होने वाला है विज्ञापन

- पूर्वी उत्तर प्रदेश में 40 साल में 50 हजार बच्चों की मौत हुई, पर सपा का मुख्यमंत्री या कांग्रेस का प्रधानमंत्री झांकने नहीं आया

समाज जागरण

देवरिया, 29 अगस्त। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के भ्रष्टाचार को उजागर करते हुए कहा कि लखनऊ में बने जेपीएनआईसी (जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर) की प्रारंभिक लागत मात्र 200 करोड़ थी। सपा ने इस पर 864 करोड़ खर्च कर दिए, तब भी यह अधूरा रहा। यह पैसा सैफई सिंडिकेट का नहीं, बल्कि प्रदेश की जनता का पैसा था। ये लोग जनता का पैसा पानी की तरफ बहाते थे। यदि अब सरकार उस पर पैसा लगाएगी तो कम से कम 150-200 करोड़ रुपये और खर्च होंगे। ये लोग सरकार के खजाने से 900-1000 करोड़ खर्च करके इसे प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को देना चाहते थे, जिसमें अखिलेश, डिंपल व धर्मेंद्र यादव शामिल थे। मुख्यमंत्री शनिवार को सलेमपुर व भाटपाररानी विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 305 करोड़ की 80 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बाबा दुग्धेश्वर नाथ की धरा पर उमड़े जनसमुद्र का अभिनंदन किया और 2017 के पहले की दुर्दशा और इसके बाद आए सकारात्मक बदलावों को भी बताया।

पाप करने वाले सपा मुखिया जनता से मांगें माफी

सीएम ने कहा कि सपा की मंशा थी कि सरकार के पैसे से बने जेपीएनआईसी को प्राइवेट कंपनी चलाएगी। इसमें होटल, क्लब, जिम आदि रहेगा और कमाई भी घर में ही जाएगी। अखिलेश यादव, डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव व इनके शागिर्द प्राइवेट कंपनी बनाकर प्रदेश के खजाने पर डकैती डाल रहे थे। 2017 में हमारी सरकार आई तो हमने इसे लखनऊ विकास प्राधिकरण को दे दिया, उसने जांच कराई। रिपोर्ट आने के बाद विज्ञापन निकाला। हम इस प्रोजेक्ट पर और पैसा खर्च करने को तैयार नहीं थे, बल्कि जो पैसा खर्च हुआ है वह भी सरकारी खजाने में आए, इसके लिए सरकार ने व्यवस्था प्रारंभ की है। जिस पैसे से युवाओं को रोजगार मिलता, फ्लाईओवर, इनोवेशन सेंटर, विश्वविद्यालय आदि बनते, अपनी अय्याशी के लिए प्रदेश के खजाने में डकैती डालने का पाप करने वाले सपा मुखिया को जनता से माफी मांगनी चाहिए।

लूटखसोट का पर्याय और डकैतों का गिरोह है सपा

सीएम ने सपा को लूटखसोट का पर्याय और डकैतों का गिरोह बताया, कहा कि 2017 के पहले 'देख सपाई-बिटिया घबराई' का नारा चलता था। बेटी की सुरक्षा को लेकर माता-पिता और भाइयों को चिंता रहती थी। जब हम 26 अगस्त को निशुल्क बस सेवा का शुभारंभ करने जा रहे थे, तब सपा के बबुआ की नींद टूटी और उन्होंने जल्दी-जल्दी ने प्रेसवार्ता बुलाई। उनको पता ही नहीं था कि क्या बोलना है, उन्होंने कहा कि लोगों से 40 हजार रुपये लेंगे। उन्हें पता ही नहीं था कि यह लेने के लिए नहीं, बल्कि देने के लिए कार्यक्रम है।

पत्रकारों से गाली-गलौच व हाथापाई पर उतर आते हैं अखिलेश

समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया अखिलेश यादव की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा कि सपा के बबुआ 12 बजे सोकर उठते हैं। इससे उनका दिमाग भारी रहता है और वह झुंझलाते हैं। पत्रकारों के सवाल पर वह गाली-गलौच व हाथापाई करने पर उतारू हो जाते हैं। मैंने सुना कि अखिलेश यादव ने एक बार पत्रकार के गले पर तलवार रख दी थी। मीडिया लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में काम करता है। यदि कोई सरकार-प्रशासन गलत करता है तो मीडिया उस ओर ध्यानाकर्षण कराती है, लेकिन जब मीडिया ने बबुआ की सच्चाई उजागर की तो उन्होंने पत्रकार के गले पर तलवार रख दी!

लाखों महिलाओं ने की निःशुल्क बस यात्रा

सीएम ने कहा कि परिवहन निगम की बसों में तीन दिन (27 से 29 अगस्त) तक सहयात्री के साथ निशुल्क बस यात्रा की सुविधा दी गई। पिछले दो दिनों में लाखों महिलाओं ने निशुल्क यात्रा का लाभ उठाया। आज भी निशुल्क बस सेवा जारी है। कल से 60 वर्ष से ऊपर की माताओं को निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। सरकार जनता के टैक्स का पैसा रिटर्न कर रही है। 16 करोड़ गरीबों को निशुल्क राशन मिल रहा है। अब कोई इनके राशन पर डाका नहीं डाल सकता।

जो हाल जनता दल का हुआ था, वही सपा का होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी दरअसल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है, जिसमें एक ही परिवार के सब लोग मिलेंगे। सपा मुखिया कहते हैं कि एक ही परिवार के पांच सांसद हैं, इसीलिए पार्टी बची है। उन्हें खैर मनानी चाहिए कि सपा बची है, वर्ना वही हाल होगा जो जनता दल का हुआ था।

एक लाख युवाओं को जल्द सरकारी नौकरी

मुख्यमंत्री ने युवाओं को आश्वस्त किया कि नौकरियों की कमी नहीं है। जल्द ही एक लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी मिलेगी। इसमें 45 हजार होमगार्ड, 36 हजार पुलिस कार्मिकों (4 हजार सब इंस्पेक्टर भी) की भर्ती होगी। उप्र पब्लिक सर्विस कमीशन के तहत अलग-अलग विभागों में 30 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र देने जा रहे हैं। जल्द ही शिक्षकों की भर्ती भी करेंगे। यूपीटीईटी की परीक्षा में 13 लाख नौजवान उत्तीर्ण हुए हैं। इस भर्ती का अधियाचन जा चुका है, विज्ञापन जारी होने वाला है। इन नौजवानों के लिए भी जल्द ही नौकरी का खजाना निकलने वाला है। सरकार दो करोड़ नौजवानों को टैबलेट देगी। 50 लाख से अधिक नौजवान यह पा चुके हैं, 25 लाख का फिर से ऑर्डर दिया गया है। स्नातक अंतिम वर्ष के बच्चों को टैबलेट देंगे। अब कोई नौकरी में सेंध नहीं लगा पाता, सपा मुखिया को इसी बात की चिढ़ है। अब हर जनपद के नौजवानों को नौकरी मिलती है। नौजवान के लिए हर जगह नौकरी, रोजगार व स्वरोजगार है। हर न्याय पंचायत स्तर पर डिजिटल एंटरप्रेन्योर के रूप में नौजवान को कार्य दिया जाएगा।

40 वर्ष में 50 हजार मासूमों की जान गई

सीएम ने कहा कि 15 जुलाई से 15 नवंबर गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, कुशीनगर, संतकबीरनगर, बस्ती व सिद्धार्थनगर के लिए भय व दहशत का माहौल लेकर आता था कि इंसेफेलाइटिस न जाने किस बच्चे को निगल ले। माता-पिता भय के साये में जीने को मजबूर थे। यह सपा व कांग्रेस सरकारों की बीमार मानसिकता थी, जो मासूमों को निगलती थी, लेकिन इनकी संवेदना मर चुकी थी। 40 वर्ष में 50 हजार मासूमों की जान गई, लेकिन सपा का मुख्यमंत्री या कांग्रेस का मुख्यमंत्री/प्रधानमंत्री एक बार भी देखने या गरीब का हालचाल लेने नहीं आया। 2017 से पहले बच्चा नंगे पैर स्कूल जाता था, भवन जर्जर थे, बेटी स्कूल छोड़ देती थी, शिक्षक नहीं थे, गरीबों का राशन हड़प लिया जाता था। मुसहर, गरीब, वंचित, दलित भूख से दम तोड़ता था, लेकिन तत्कालीन सरकारें उसका हाल नहीं लेती थीं, बल्कि गरीबों का राशन बेचकर अपनी पार्टी को माफिया के हवाले कर चुकी थीं। माफिया समानांतर सत्ता चलाते थे।

अब किसी माता-पिता को मासूम की चिंता नहीं करनी

सीएम ने कहा कि डबल इंजन सरकार हर बच्चे की फिक्र करती है। जुलाई हो या नवंबर, अब किसी माता-पिता को मासूम की चिंता नहीं करनी है। हमने इंसेफेलाइटिस (नवकी बीमारी) को सदैव के लिए समाप्त कर दिया है। सुशासन का परिणाम है कि गरीब को बिना मांगे राशन, बिजली, आवास, शौचालय और नौजवान को रोजगार व सरकारी नौकरी मिल रही है। हमने साढ़े 9 साल में साढ़े 9 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी हैं। लगभग तीन करोड़ युवा रोजगार प्राप्त कर रहा है। अब यहां उत्सव से पहले उपद्रव, दंगा-फसाद भी नहीं हो सकता।

तुष्टिकरण नीति का विरोध करते थे कांग्रेस विधायक राघव बाबा

सीएम ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार आने के बाद देवरिया में विकास कार्य नए प्रतिमान स्थापित कर रहे हैं। महर्षि देवरहा बाबा के नाम पर अब देवरिया में मेडिकल कॉलेज है। स्वाधीनता संग्राम सेनानी राघव बाबा कांग्रेस के विधायक थे, लेकिन कांग्रेस सरकार के विरोध के बावजूद उन्होंने दो-टूक कहा था कि राम आन-बान-शान के प्रतीक हैं। यदि कांग्रेस सरकार राम मंदिर के मार्ग में बाधा बनेगी तो वह स्वीकार नहीं करेंगे। वह रामजन्मभूमि आंदोलन में कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति का खुलकर विरोध करते थे।

देश-दुनिया वाले कहते हैं- काश, मेरा भी जन्म यूपी में हुआ होता

सीएम ने कहा कि अब यूपी को कोई बीमारू नहीं कहता। अब देश-दुनिया वालों के चेहरे की चमक बताती है कि वे यूपी के नाम पर खुश हैं। वे कहते हैं कि काश, मेरा भी जन्म यूपी में हुआ होता, हम भी रामराज्य का अनुभव करते। माफिया मिट्टी में मिल गए। व्यापारी व बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों की एकमात्र जगह जेल है या जहन्नुम।

मंदिरों का पैसा कब्रिस्तान पर बहाती थी सपा

सीएम ने जिनकी इच्छाशक्ति मर चुकी है, उनसे क्या ही उम्मीद रखना। जब कोई मुख्यमंत्री 16-18 घंटे मेहनत करेगा, तब सुरक्षा और परिवर्तन ला पाएगा। विधायकों से मांगे गए प्रस्तावों को हम तत्काल स्वीकृति देते हैं। सभाकुंवर जी के प्रस्ताव पर फ्लाईओवर को स्वीकृति दी। दुग्धेश्वर नाथ मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए धनराशि उपलब्ध कराई है। सपा मंदिरों के सौंदर्यीकरण का पैसा कब्रिस्तानों पर बहाती थी।

इस अवसर पर कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, ग्राम्य विकास राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, विधायक सभाकुंवर कुशवाहा, डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी, सुरेंद्र चौरसिया, दीपक कुमार मिश्र शाका, जिला पंचायत प्रशासक गिरीश चंद्र तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष काली प्रसाद, पूर्व सांसद रविंद्र कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

50-50 किलो राहत सामग्री दे रही सरकार, 500 ग्राम राहत नहीं पहुंचा पाती थी सपा: मुख्यमंत्री

बलिया, 29 अगस्त। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार बाढ़ पीड़ितों को करीब 50-50 किलो राहत सामग्री के पैकेट उपलब्ध करा रही है, जबकि सपा सरकार में 500 ग्राम राहत सामग्री भी नहीं पहुंच पाती थी। गरीबों के हक की राहत सपा से जुड़े लोग हड़प लेते थे। आज हर आपदा में आवास समेत तत्काल राहत उपलब्ध कराई जाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार गरीब, नौजवान, माता-बहनों और अन्नदाता किसानों के हक में संवेदनशीलता व ईमानदारी से काम कर रही है। अतिवृष्टि के कारण पिछले कुछ दिनों में करीब 26 जनपद बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। सरकार लगातार व तेजी से राहत व बचाव कार्य में जुटी है। बाढ़ से 1.71 लाख से अधिक लोग और 251 गांव प्रभावित हुए हैं। एक हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित शरणालयों में पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को बलिया में तीन विधानसभा क्षेत्रों में बाढ़ प्रभावित गांवों का हवाई निरीक्षण करने के उपरांत 1500 बाढ़ पीड़ित परिवारो को राहत सामग्री और चिकित्सकीय किट वितरित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने आयोजन स्थल पर मौजूद बाढ़ पीड़ितों से बातचीत की, उनका दुख साझा किया और सबको आश्वस्त किया कि किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं, सरकार हर पीड़ित व्यक्ति के साथ खड़ी है।

जेपीएनआईसी को लूट-खसोट का अड्डा बनाने की कोशिश

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस कांग्रेस ने लोकतंत्र का गला घोंटने का काम किया था, सपा उसी की पिछलग्गू बन गई। जिन लोगों ने जयप्रकाश नारायण के सपनों को तार-तार किया, सपा उन्हीं के साथ खड़ी है। इन्होंने जयप्रकाश जी के नाम को किस तरह लूट-खसोट का माध्यम बनाया था, लखनऊ में बना जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएआईसी) उसका उदाहरण है। इस केंद्र की लागत मात्र 200 करोड़ थी। लेकिन, लुटेरी सपा सरकार ने उस पर 864 करोड़ रुपये खर्च किए, और तब भी यह अधूरा रहा। उनकी मंशा जनता-जनार्दन के पैसे से बने इस केंद्र को लूट-खसोट व अय्याशी का अड्डा बनाना थी। ऐसी कोशिश भी की गई।

जेपीएनआईसी सेंटर के लिए बनाई परिवार की कमेटी

सीएम ने कहा कि जेपीएआईसी के संचालन से जुड़ी कमेटी में अखिलेश यादव, धर्मेंद्र यादव, डिंपल यादव और राजेंद्र चौधरी समेत कई लोगों को शामिल किया गया था। इस तरह केंद्र को व्यक्तिगत संपत्ति के तौर पर इस्तेमाल करने की कोशिश हुई। अखिलेश को इसके लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए। यूपी में संसाधनों व प्रतिभा की कमी कभी नहीं थी। प्रदेश का युवा प्रतिभाशाली और ऊर्जावान था, किसान मेहनती था तथा व्यापारी और उद्यमी बनने की क्षमता रखता था। इसके बावजूद पिछली सरकारों की नीतियों और भ्रष्टाचार के कारण प्रदेश पिछड़ गया।

सीएम ने किया बाढ़ग्रस्त गांवों का हवाई निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण करते हुए आए हैं। बांसडीह, बलिया और बैरिया विधानसभा क्षेत्रों में कटान और जलप्लावन से प्रभावित गांवों का निरीक्षण करने के बाद वह लोगों के बीच पहुंचे हैं। राहत कार्यों को लेकर वह लगातार जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के संपर्क में रहे तथा कई बार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी स्थिति की समीक्षा की। उद्देश्य यही रहा कि बाढ़ से प्रभावित किसी भी व्यक्ति को परेशानी न हो।

राहत किट में आटा-चावल से लेकर टॉर्च और छतरी तक

सीएम ने कहा कि बाढ़ पीड़ित परिवारों को राहत किट उपलब्ध कराई जा रही है। इसमें 10 किलो आटा, 10 किलो चावल, दो किलो

रेडक्रॉस बागपत की ओर से छात्राओं को ओआरएस वितरित

समाज जागरण

अग्रवाल मंडी टटीरी। भीषण गर्मी और उमस से बचाव के लिए भारतीय रेडक्रॉस समिति बागपत की ओर से वैदिक कन्या इंटर कॉलेज अग्रवाल मंडी टटीरी में 1000 से अधिक छात्राओं को दो-दो पैकेट ओआरएस वितरित किए गए। यह कार्यक्रम भारतीय रेडक्रॉस समिति बागपत की अध्यक्ष और जिलाधिकारी अस्मिता लाल के निर्देश पर आयोजित किया गया।रेडक्रॉस समिति के जिला महासचिव अभिमन्यु गुप्ता ने बताया कि भीषण गर्मी और उमस के कारण शरीर में पानी और आवश्यक लवणों की कमी हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए छात्राओं को ओआरएस वितरित किया गया। उन्होंने बताया कि एक ओआरएस पैकेट को एक लीटर स्वच्छ पानी में घोलकर सेवन किया जा सकता है। छात्राओं को ओआरएस के सही उपयोग की जानकारी भी दी गई।जिला समिति के कोषाध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि गर्मी और उमस से बचाव तथा शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को पूरा करने में ओआरएस अत्यंत उपयोगी है। भारत सरकार का स्वास्थ्य विभाग भी ओआरएस के उपयोग को लेकर जन-जागरूकता बढ़ा रहा है। कार्यक्रम में प्रबंध समिति की ओर से कमला अग्रवाल, दीपक गोयल, मंजू लता, प्रतिभा सिंह, पूजा, मिथिलेश कुमारी, सचिन कुमार और बाला देवी सहित अन्य सदस्यों ने छात्राओं को ओआरएस पैकेट वितरित किए।

स्विमिंग प्रतियोगिता में स्मार्टी पंडित ने किया दूसरा स्थान प्राप्त

समाज जागरण बागपत।

ओपन टैलेंट सर्च स्विमिंग प्रतियोगिता 2026 में तैराक स्मार्टी पंडित ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का दमदार परिचय दिया। 23 अगस्त 2026 को डॉ एसपीएम स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स (तालकटोरा स्विमिंग पूल), नई दिल्ली में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में स्मार्टी पंडित ने गर्ल्स ग्रुप की 50 मीटर बटरफ्लाई स्ट्रोक और 50 मीटर फ्रीस्टाइल स्ट्रोक दोनों स्पधाओं में दूसरा स्थान हासिल किया। इसको लेकर बागपत के लोगों ने स्मार्टी पंडित को बधाई दी है। प्रतियोगिता में स्मार्टी पंडित का प्रदर्शन विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा। दोनों ही स्पधाओं में उन्होंने बेहतरीन गति, तकनीक और आत्मविश्वास के साथ मुकाबला किया। कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच दोनों इवेंट में दूसरा स्थान हासिल करना उनकी मेहनत, लगन और तैराकी के प्रति समर्पण को दशार्ता है। स्विम फॉर इंडिया एकेडमी द्वारा आयोजित दिल्ली ओपन टैलेंट सर्च स्विमिंग प्रतियोगिता में बटरफ्लाई और फ्रीस्टाइल स्ट्रोक समेत तैराकी की विभिन्न प्रमुख स्पधाओं का आयोजन किया गया।

50 मीटर फ्रीस्टाइल स्ट्रोक में तैराकों के बीच गति और टाइमिंग की कड़ी परीक्षा हुई, जबकि 50 मीटर बटरफ्लाई स्ट्रोक को तकनीक और शारीरिक क्षमता की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण स्पर्धा माना गया। इन दोनों स्पधाओं में स्मार्टी पंडित का दूसरा स्थान प्राप्त करना उनके शानदार प्रदर्शन को दशार्ता है। प्रतियोगिता के आयोजक डॉ जितेंद्र टोकस और स्विम फॉर इंडिया एकेडमी रहे।

ओआरसी सैनिक अकादमी ढकोली परिसर में हर्षोल्लास से मनाया रक्षाबंधन पर्व

समाज जागरण बागपत।

ओआरसी सैनिक अकादमी ढकोली परिसर में रक्षाबंधन का पर्व पूरे हर्षोल्लास एवं पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अकादमी के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय परंपरा तथा भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान राखी मेकिंग प्रतियोगिता 2026 का आयोजन किया गया।

इसमें विद्यार्थियों ने रचनात्मकता एवं देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत आकर्षक राखियां तैयार कीं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अकादमी की छात्राओं ने पूजा थाल सजाकर अपने साथी छात्रों को तिलक लगाया और राखी बांधकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अकादमी के निदेशक रणजीत रंजन झा एवं निदेशिका ऋचा झा ने कहा कि रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति एवं परंपरा का प्रतीक है, जो भाई-बहन के प्रेम, विश्वास एवं सुरक्षा के संकल्प को दशार्ता है।ओआरसी सैनिक अकादमी केवल सैनिक बनने की शिक्षा ही नहीं देती, बल्कि अच्छे नागरिक के निर्माण के लिए संस्कार एवं चरित्र निर्माण पर भी विशेष बल देती है। कार्यक्रम का समापन मिष्ठान वितरण के साथ हुआ।

मीरा मोहन सी प्रीत लिख देना, सबके अधरों पे गीत लिख देना

- सोनभद्र शहर में पावस उमा महेश्वर काव्य संध्या में एक से बढ़कर एक गीत सुनाए गए

- सोन संगीत फाउंडेशन के तत्वावधान में हुआ भव्य आयोजन

समाज जागरण/ डॉ अरूण पांडेय "गुरूजी"

सोनभद्र। सोन संगीत फाउंडेशन के तत्वावधान में पावस उमा माहेश्वर काव्य संध्या का आयोजन शनिवार शाम शहर में किया गया, जिसमें एक से बढ़कर एक गीत सुनाया गया। अध्यक्षता वरिष्ठ कवि अजय चतुर्वेदी कक्का ने किया। मुख्य अतिथि समाजसेवी सरदार कमलेश सिंह खांबे रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि कवि दिवाकर द्विवेदी मेघ रहे। वाणी वंदना पश्चात निदेशक शहीद स्थल प्रबंध समिति करारी प्रदुम्न त्रिपाठी ने मीरा मोहन सी प्रीत लिख देना सबके अधरों पे गीत लिख देना, श्रृंगार की रचना सुनाकर वाहवाही लूटी। सुशील मिश्रा ने भोले बाबा को समर्पित पूर्वी सुनाकर गतिज उर्जा दिये सराहे गये। सुधाकर पांडेय स्वदेशप्रेम ने, जनाजा जब मेरा निकले वतन के वास्ते निकले सुनाया। कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने आपस में नफरत आपस में तकरार, मानव जीवन की है, सबसे बड़ी हार सुनाया। कवयित्री दिव्या राय ने, भर आती है आंख माँ की उदासी देखकर सुनाकर पीड़ा को स्वर दिया। दयानंद दयालू ने पावस को समर्पित कजली सुनाया। धर्मेश चौहान ने बड़ा ही सुंदर बड़ा ही मनहर अपना हिंदुस्तान सुनाया। अशोक तिवारी ने संचालन करते हुए, लानत है ऐसे रहनुमाओं पर जिसने लिया सिर्फ लिया दिया कुछ नहीं सुनाकर तंज कसा। अध्यक्षता करते अजय चतुर्वेदी कक्का ने अपनी रचना हुए स्वार्थ की बलि वेदिका पर देश को चढ़ने न देगें जाति धर्म मजहब में देश को बंटने न देगें सुनाकर राष्ट्र आराधना किये। विशिष्ट अतिथि दिवाकर दिवेदी मेघ ने,घुमंतू कुत्ता घर का न घाट का, जहाँ जो मिल जाय पत्तल वहीं चाटे सुनाकर देर तक हंसाते रहे। मुख्य अतिथि कमलेश खांबे ने देश की दशा, दिशा व समाज, घर ,परिवार की संवेदना को बचाने की वकालत किये।विवेक चतुर्वेदी ने शायरी से शमां रौशन की। आभार अध्यक्ष सोन संगीत फाउंडेशन सुशील मिश्रा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर जयशंकर त्रिपाठी, त्रिपुरारी मिश्रा, लालता प्रसाद मिश्र, ठाकुर कुशवाहा, फारुख अली आदि रहे।

सलखन में गंदगी का शिकार हुआ सार्वजनिक तालाब, ग्रामीणों ने उठायी सफाई की मांग

समाज जागरण तहसील संवाददाता अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। ग्राम पंचायत सलखन का सार्वजनिक तालाब इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। तालाब के चारों ओर उगी घनी झाड़ियां, बेकाबू घास और पसरी गंदगी ने न केवल क्षेत्र की सुंदरता को ग्रहण लगा दिया है, बल्कि स्थानीय निवासियों के लिए भी बड़ी समस्या खड़ी कर दी है। इस गंभीर मुद्दे को लेकर ग्रामीणों ने एकजुट होकर शासन-प्रशासन और संबंधित विभाग से तत्काल कार्रवाई की अपील की है। ग्राम प्रधान प्रत्याशी राघवेंद्र कुमार ने ग्रामीणों की आवाज बुलंद करते हुए कहा कि तालाब गांव की धरोहर और सार्वजनिक स्वच्छता का प्रतीक होता है। इसकीअनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रमुख मांगें : - तालाब के किनारों पर उगी जंगली झाड़ियों और घास की तुरंत छंटाई की जाए।ग्राम पंचायत और संबंधित विभाग द्वारा तालाब की नियमित सफाई के लिए एक स्थायी रूपरेखा तैयार हो।स्वच्छता से न केवल गांव का स्वरूप निखरेगा, बल्कि संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी कम होगा।

इस मौके पर दीपचंद, सुरेंद्र, जितेंद्र, महेंद्र समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में चेताया है कि यदि जल्द ही सफाई अभियान शुरू नहीं किया गया, तो वे अपनी मांग को लेकर आगे कदम उठाने को मजबूर होंगे। अब देखना यह है कि प्रशासन इस अपील पर कितनी जल्दी संज्ञान लेता है।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हुआ भव्य बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन

समाज जागरण बागपत।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की स्मृति में युवा कल्याण एवं प्रादे शिक विकास दल विभाग बागपत द्वारा मितली मल्टी पर्पज हॉल स्टेडियम, युवा कल्याण विभाग, बागपत में भव्य बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में ठाकुर प्रदीप सिंह चेयरमैन सहकारी गन्ना विकास समिति बागपत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने ध्यानचंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें आशीर्वचन प्रदान किए। इस अवसर पर ग्राम प्रधान मीतली इंद्रपाल सिंह द्वारा मुख्य अतिथि का फूलमाला पहनाकर एवं बैज लगाकर स्वागत किया गया। बैडमिंटन प्रतियोगिता में श्री सुधीर धामा एवं जितेंद्र धामा ने निर्णायक (जज) की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता का आयोजन जूनियर एवं सीनियर वर्ग में किया गया, जिसमें आसपास की विभिन्न ग्राम पंचायतों के युवक मंगल दल के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के सफल एवं सकारात्मक आयोजन के उपरांत विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया तथा सभी विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया। पुरुष सीनियर वर्ग युगल में हर्षित धामा व दीपू प्रथम और स्वास्तिक शर्मा व हर्षित शर्मा द्वितीय स्थान पर रहे। वही सब जूनियर वर्ग में शिवम व सरस की जोड़ी प्रथम और शांतनु व रूपेश की जोड़ी द्वितीय स्थान पर रही। संपूर्ण आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी सोनू कुमार एवं शिप्रा सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर जितेंद्र गिरी ,सनी कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना तथा ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना रहा।

पुलिस मुठभेड़ में ट्रांसफार्मर चोर घायल, गिरफ्तार

समाज जागरण

खेकड़ा। थाना खेकड़ा पुलिस ने चेकिंग के दौरान ट्रांसफार्मर चोरी में संलिप्त एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। उसके पास से अवैध तमंचा, कारतूस, बाइक और तार कटर बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार चेकिंग के दौरान संदिग्ध बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर आरोपी ने भागने का प्रयास किया और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी गोली लगने से घायल हो गया और मौके पर ही पकड़ा गया।गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल और एक तार कटर बरामद किया गया है। घारेडक्रॉस बागपत की ओर से छात्राओं को ओआरएस वितरित

अग्रवाल मंडी टटीरी। भीषण गर्मी और उमस से बचाव के लिए भारतीय रेडक्रॉस समिति बागपत की ओर से वैदिक कन्या इंटर कॉलेज अग्रवाल मंडी टटीरी में 1000 से अधिक छात्राओं को दो-दो पैकेट ओआरएस वितरित किए गए। यह कार्यक्रम भारतीय रेडक्रॉस समिति बागपत की अध्यक्ष और जिलाधिकारी अस्मिता लाल के निर्देश पर आयोजित किया गया।रेडक्रॉस समिति के जिला महासचिव अभिमन्यु गुप्ता ने बताया कि भीषण गर्मी और उमस के कारण शरीर में पानी और आवश्यक लवणों की कमी हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए छात्राओं को ओआरएस वितरित किया गया। उन्होंने बताया कि एक ओआरएस पैकेट को एक लीटर स्वच्छ पानी में घोलकर सेवन किया जा सकता है। छात्राओं को ओआरएस के सही उपयोग की जानकारी भी दी गई।जिला समिति के कोषाध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि गर्मी और उमस से बचाव तथा शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को पूरा करने में ओआरएस अत्यंत उपयोगी है। भारत सरकार का स्वास्थ्य विभाग भी ओआरएस के उपयोग को लेकर जन-जागरूकता बढ़ा रहा है। कार्यक्रम में प्रबंध समिति की ओर से कमला अग्रवाल, दीपक गोयल, मंजू लता, प्रतिभा सिंह, पूजा, मिथिलेश कुमारी, सचिन कुमार और बाला देवी सहित अन्य सदस्यों ने छात्राओं को ओआरएस पैकेट वितरित किए।

ओआरसी सैनिक अकादमी ढकोली परिसर में हर्षोल्लास से मनाया रक्षाबंधन पर्व

समाज जागरण बागपत।

ओआरसी सैनिक अकादमी ढकोली परिसर में रक्षाबंधन का पर्व पूरे हर्षोल्लास एवं पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अकादमी के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय परंपरा तथा भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान राखी मेकिंग प्रतियोगिता 2026 का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने रचनात्मकता एवं देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत आकर्षक राखियां तैयार कीं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अकादमी की छात्राओं ने पूजा थाल सजाकर अपने साथी छात्रों को तिलक लगाया और राखी बांधकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर अकादमी के निदेशक रणजीत रंजन झा एवं निदेशिका ऋचा झा ने कहा कि रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति एवं परंपरा का प्रतीक है, जो भाई-बहन के प्रेम, विश्वास एवं सुरक्षा के संकल्प को दशार्ता है। ओआरसी सैनिक अकादमी केवल सैनिक बनने की शिक्षा ही नहीं देती, बल्कि अच्छे नागरिक के निर्माण के लिए संस्कार एवं चरित्र निर्माण पर भी विशेष बल देती है। कार्यक्रम का समापन मिष्ठान वितरण के साथ हुआ।

बाबू बनारसी दास गुप्ता की पुण्यतिथि पर निशुल्क नेत्र शिविर, 108 मरीजों की जांच

समाज जागरण

अग्रवाल मंडी टटीरी। स्वतंत्रता सेनानी और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री बाबू बनारसी दास गुप्ता की पुण्यतिथि पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन बागपत की ओर से लायंस नेत्र चिकित्सा केंद्र अग्रवाल मंडी टटीरी में निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर में 108 नेत्र रोगियों की जांच की गई और 12 मरीजों के मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए। इस अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि बाबू बनारसी दास गुप्ता राष्ट्र और समाज के लिए प्रेरक व्यक्तित्व थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन सादगी, ईमानदारी और जनकल्याण के लिए समर्पित किया। वैश्य समाज की कुरीतियों को दूर करने और समाज को संगठित करने में उनका अतुलनीय योगदान रहा। उन्होंने कहा कि पुण्यतिथि पर आयोजित यह शिविर उनके सेवा भाव को आगे बढ़ाने का प्रयास है। समाज के सक्षम लोगों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर जरूरतमंदों की सेवा के लिए आगे आना चाहिए। शिविर में दीपक गोयल, मयंक गोयल, मनोज मित्तल, अमन गोयल, सचिन सिंघल, अंकित जिंदल, संजय जिंदल, पंकज गुप्ता, संजय गोयल, प्रवीण गुप्ता और हंसराज सहित अनेक कार्यकताओं का सहयोग रहा।

बागपत में भीम आर्मी अध्यक्ष विनय रतन सिंह का आगमन, संगठन मजबूती पर हुई चर्चा

समाज जागरण

बागपत। भीम आर्मी भारत एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन सिंह बागपत पहुंचे। उन्होंने प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जिशान हयात के आवास पर कार्यकताओं के साथ बैठक की। बैठक में संगठन की मजबूती, कार्यकताओं की जिम्मेदारियों और आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। संगठन को गांव-गांव और बूथ स्तर तक मजबूत करने, अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने और समाज के हक-अधिकार की लड़ाई को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। इस अवसर पर जिशान हयात ने कहा कि विनय रतन सिंह के मार्गदर्शन से नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है। संगठन को मजबूत करने और बहुजन समाज की आवाज को बुलंद करने के लिए पूरी मजबूती से कार्य किया जाएगा।

बागपत में भीम आर्मी अध्यक्ष विनय रतन सिंह का आगमन, संगठन मजबूती पर हुई चर्चा

समाज जागरण

बागपत। भीम आर्मी भारत एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन सिंह बागपत पहुंचे। उन्होंने प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जिशान हयात के आवास पर कार्यकताओं के साथ बैठक की। बैठक में संगठन की मजबूती, कार्यकताओं की जिम्मेदारियों और आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। संगठन को गांव-गांव और बूथ स्तर तक मजबूत करने, अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने और समाज के हक-अधिकार की लड़ाई को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। इस अवसर पर जिशान हयात ने कहा कि विनय रतन सिंह के मार्गदर्शन से नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है। संगठन को मजबूत करने और बहुजन समाज की आवाज को बुलंद करने के लिए पूरी मजबूती से कार्य किया जाएगा।

पुण्यतिथि पर निशुल्क नेत्र शिविर, 108 मरीजों की जांच

समाज जागरण

अग्रवाल मंडी टटीरी। स्वतंत्रता सेनानी और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री बाबू बनारसी दास गुप्ता की पुण्यतिथि पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन बागपत की ओर से लायंस नेत्र चिकित्सा केंद्र अग्रवाल मंडी टटीरी में निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर में 108 नेत्र रोगियों की जांच की गई और 12 मरीजों के मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए। इस अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि बाबू बनारसी दास गुप्ता राष्ट्र और समाज के लिए प्रेरक व्यक्तित्व थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन सादगी, ईमानदारी और जनकल्याण के लिए समर्पित किया। वैश्य समाज की कुरीतियों को दूर करने और समाज को संगठित करने में उनका अतुलनीय योगदान रहा। उन्होंने कहा कि पुण्यतिथि पर आयोजित यह शिविर उनके सेवा भाव को आगे बढ़ाने का प्रयास है। समाज के सक्षम लोगों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर जरूरतमंदों की सेवा के लिए आगे आना चाहिए। शिविर में दीपक गोयल, मयंक गोयल, मनोज मित्तल, अमन गोयल, सचिन सिंघल, अंकित जिंदल, संजय जिंदल, पंकज गुप्ता, संजय गोयल, प्रवीण गुप्ता और हंसराज सहित अनेक कार्यकताओं का सहयोग रहा।

बिट्टू के तीसरे जन्मदिन पर परिवार ने बांटी खुशियां, विद्यालय को भेंट किया सीलिंग फैन

समाज जागरण/ सन्तोष कुमार

बीजपुर/ सोनभद्र। बीजपुर में बिट्टू के तीसरे जन्मदिन पर उनके परिवार ने समाजसेवा की मिसाल पेश की। इस अवसर पर गांधी धाम स्थित समृद्धि ज्ञान ज्योति विद्यालय के बच्चों को टॉफी बांटी गई और विद्यालय को एक सीलिंग फैन भी भेंट किया गया। टॉफी और सीलिंग फैन का वितरण बिट्टू की दादी उर्मिला देवी और पूजा चंद्रवंशी ने किया। बच्चों में टॉफी पाकर उत्साह देखा गया। परिवार की इस पहल की समृद्धि जन कल्याण संस्थान के पदाधिकारियों और विद्यालय से जुड़े लोगों ने सराहना की। बिट्टू के परिवार ने इस अवसर पर कहा कि जन्मदिन जैसे विशेष अवसरों को व्यक्तिगत खुशी तक सीमित न रखकर जरूरतमंद बच्चों के साथ खुशियां बांटनी चाहिए। उन्होंने समाज के विकास और जरूरतमंदों की मदद के लिए सभी से अपनी क्षमता अनुसार आगे आने की अपील की। परिवार ने भविष्य में भी सामाजिक कार्यों में सहयोग जारी रखने का आश्वासन दिया। समृद्धि जन कल्याण संस्थान के अध्यक्ष सिद्धार्थ गुप्ता ने परिवार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाजसेवा में छोटे-छोटे प्रयास भी जरूरतमंद बच्चों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। गुप्ता ने लोगों से अपील की कि वे अपने विशेष अवसरों को सामाजिक सरोकारों से जोड़कर जरूरतमंदों के साथ खुशियां साझा करें। इस कार्यक्रम में संस्था के उपाध्यक्ष जावेद अहमद, राकेश, शशि, प्रदीप कुमार, संतोष कुमार, सोमनाथ, करण सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने बिट्टू को तीसरे जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्विमिंग प्रतियोगिता में स्मार्टी पंडित ने किया दूसरा स्थान प्राप्त

समाज जागरण बागपत।

ओपन टैलेंट सर्च स्विमिंग प्रतियोगिता 2026 में तैराक स्मार्टी पंडित ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का दमदार परिचय दिया। 23 अगस्त 2026 को डॉ एसपीएम स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स (तालकटोरा स्विमिंग पूल), नई दिल्ली में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में स्मार्टी पंडित ने गर्ल्स ग्रुप की 50 मीटर बटरफ्लाई स्ट्रोक और 50 मीटर फ्रीस्टाइल स्ट्रोक दोनों स्पधाओं में दूसरा स्थान हासिल किया। इसको लेकर बागपत के लोगों ने स्मार्टी पंडित को बधाई दी है। प्रतियोगिता में स्मार्टी पंडित का प्रदर्शन विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा। दोनों ही स्पधाओं में उन्होंने बेहतरीन गति, तकनीक और आत्मविश्वास के साथ मुकाबला किया। कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच दोनों इवेंट में दूसरा स्थान हासिल करना उनकी मेहनत, लगन और तैराकी के प्रति समर्पण को दशार्ता है। स्विम फॉर इंडिया एकेडमी द्वारा आयोजित दिल्ली ओपन टैलेंट सर्च स्विमिंग प्रतियोगिता में बटरफ्लाई और फ्रीस्टाइल स्ट्रोक समेत तैराकी की विभिन्न प्रमुख स्पधाओं का आयोजन किया गया। 50 मीटर फ्रीस्टाइल स्ट्रोक में तैराकों के बीच गति और टाइमिंग की कड़ी परीक्षा हुई, जबकि 50 मीटर बटरफ्लाई स्ट्रोक को तकनीक और शारीरिक क्षमता की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण स्पर्धा माना गया। इन दोनों स्पधाओं में स्मार्टी पंडित का दूसरा स्थान प्राप्त करना उनके शानदार प्रदर्शन को दशार्ता है। प्रतियोगिता के आयोजक डॉ जितेंद्र टोकस और स्विम फॉर इंडिया एकेडमी रहे।

अनपरा पुलिस की त्वरित कार्रवाई, पॉक्सो एक्ट के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

समाज जागरण/ अकबर अली

अनपरा/ सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के कुशल निर्देशन में थाना अनपरा पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। थाना अनपरा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-179/2026 धारा 137(2), 87, 65(1) BNS व 3/4(2) पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अनिल कुमार पुत्र सुरज राम, निवासी कोलगेट झुलनटाली रेनूसागर, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 23 वर्ष को दिनांक 28.08.2026 को समय 20:11 बजे मुखबिर खास की सूचना पर कहुआनाला रेलवे पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को आज दिनांक 29.08.2026 को मा0 न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

पुलिस मुठभेड़ में ट्रांसफार्मर चोर घायल , गिरफ्तार

समाज जागरण

खेकड़ा। थाना खेकड़ा पुलिस ने चेकिंग के दौरान ट्रांसफार्मर चोरी में संलिप्त एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। उसके पास से अवैध तमंचा, कारतूस, बाइक और तार कटर बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार चेकिंग के दौरान संदिग्ध बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर आरोपी ने भागने का प्रयास किया और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी गोली लगने से घायल हो गया और मौके पर ही पकड़ा गया।गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल और एक तार कटर बरामद किया गया है।घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है और आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। यल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है और आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर विद्यार्थियों ने दिखाया खेल प्रतिभा का हुनर

दैनिक समाज जागरण,
जिला संवाददाता।
(महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी। सामाजिक संस्था नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृति सेवा समिति एवं सदाचारी शिक्षा समिति द्वारा विवेकानंद हाई स्कूल के विद्यार्थियों के साथ स्थानीय सैनी धर्मशाला मैदान में राष्ट्रीय खेल दिवस उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कनिष्ठ एवं वरिष्ठ कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता में छह प्रकार की खेल स्पधाएं आयोजित की गईं। विभिन्न स्पधाओं में विद्यार्थियों ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर

अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेता खिलाड़ियों को विद्यालय की निदेशक सावित्री यादव एवं भारत सरकार के राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज ने सम्मानित किया।

इस अवसर पर सावित्री यादव एवं अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर प्रत्येक वर्ष 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करना तथा खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के जीवन में खेलों का भी महत्वपूर्ण स्थान है। आज विद्यार्थी खेलों के माध्यम से प्रदेश, देश और विदेश स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भिवानी के खिलाड़ियों ने भी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से ही प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिलता है। यही प्रतिभाएं भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए पदक जीतने का काम करती हैं। इसलिए विद्यालयों एवं सामाजिक संस्थाओं को समय-समय पर ऐसी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करते रहना चाहिए।

क्रिकेट मुकाबला रहा रोमांचक

क्रिकेट मुकाबले में कक्षा 9वीं और 10वीं के खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। निर्धारित मुकाबले में दोनों टीमें बराबरी पर रहीं। इसके बाद हुए सुपर ओवर में भी दोनों टीमें बराबरी पर रहीं, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक बना रहा। रोप जंप प्रतियोगिता में राशि ने प्रथम तथा आरोही ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जंप प्रतियोगिता में निधि प्रथम और सारिका द्वितीय रही। दौड़ प्रतियोगिता में निधि ने प्रथम, सारिका ने द्वितीय तथा खुशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयोजकों ने बताया कि तीन अन्य खेल स्पधाओं के परिणाम 1 सितंबर को घोषित किए जाएंगे। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ के साथ सैकड़ों विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों ने भाग लिया।

डाबर धाम में एक माह से चल रहे अखंड रुद्राभिषेक व महामृत्युंजय यज्ञ का पूणार्हुति के साथ समापन

दैनिक समाज जागरण,
जिला संवाददाता।
(महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी। डाबर धाम श्री बाबा मेहूंनाथ आश्रम में चल रहे एक माह से चल रहे अखंड रुद्राभिषेक एवं महामृत्युंजय हवन-यज्ञ का विधि-विधान के साथ शनिवार को पूणाहुति के साथ समापन किया गया। धार्मिक आयोजन के अंतिम दिन आश्रम परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। संत-महात्माओं की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ की पूणार्हुति कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की गई।

इस दौरान आश्रम परिसर में सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्त नाथ, सिद्धयोगी गोपीचंद, भृतहरि नाथ तथा सिद्ध बाबा रणपत मान धाता की मूर्तियों का विधिवत अनावरण किया गया। मूर्ति अनावरण के समय श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाए और संत-महात्माओं का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मूर्तियों की स्थापना को धार्मिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए उपस्थित संतों ने कहा कि इन महापुरुषों का जीवन समाज को साधना, त्याग, सेवा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर रमतो के महंत कृष्ण नाथ, रमतो के महंत समुंद्र नाथ, पंच ढाणा जोगी महंत केशव नाथ महाराज, पीर जताई नाथ कौथ, महंत श्याम नाथ हालुवास, महंत वेदनाथ महाराज, समुंद्र नाथ, योगेंद्र नाथ, पुजारी लक्ष्मण नाथ अस्थल बोहर, रामनाथ, कपिल नाथ, प्रदीप नाथ, गोपाल नाथ, जति नाथ सहित अनेक संत-महात्मा व श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

बॉक्सः भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

हवन-यज्ञ की पूणार्हुति के पश्चात आश्रम परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें सर्वप्रथम संत-महात्माओं ने प्रसाद ग्रहण किया जिन्हें चद्दर व चिपी देकर मान-सम्मान किया। विभिन्न स्थानों से पहुंचें संत, महात्माओं के अलावा सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धालुओं ने धार्मिक आयोजन में भाग लेकर पुण्य लाभ कमाया। पूरे आयोजन के दौरान आश्रम परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। कार्यक्रम के दौरान महंत वेदनाथ महाराज के शिष्य कपिल नाथ ने कहा कि भविष्य में भी आश्रम में धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों का आयोजन निरंतर किया जाता रहेगा। वहीं अलग अलग स्थानों से पहुंचे मंचीय व बीन कलाकारों ने इस उत्सव में आध्यात्मिक कला का जोश भर दिया। इस अवसर पर अलग अलग झांकियां भी श्रद्धालुओं को भाव विभोर करती रही।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर भीम स्टेडियम में हुआ हाकी प्रतियोगिता का आयोजन

- लड़कों और लड़कियों ने दिखाया दमखम
- भीम स्टेडियम की टीम बनी विजेता

दैनिक समाज जागरण,
जिला संवाददाता।
(महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी, 29 अगस्त। राष्ट्रीय खेल दिवस एवं हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार को डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में खेल विभाग के तत्वाधान में स्थानीय भीम स्टेडियम के हॉकी ग्राउंड में हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से आई हॉकी टीमों ने भाग लिया। खिलाड़ियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ मैच खेलते हुए अपनी प्रतिभा एवं दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। लड़कों और लड़कियों की प्रतियोगिता में भी स्टेडियम की टीम विजेता बनी।

प्रतियोगिता में उद्योगपति अनिल कालूवाला मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए तथा खेल विभाग से सेवानिवृत्त डिप्टी डायरेक्टर छाजू राम गोयत, सूबेदार मेजर सेल्वराज एवं सेवानिवृत्त डीएसओ बीरेंद्र सभरवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। जिला खेल अधिकारी विद्यानंद यादव ने सभी का स्वागत किया। खेल अधिकारियों ने मेजर ध्यानचंद के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर उनको नमन किया। जिला खेल अधिकारी विद्यानंद यादव ने बताया कि मुख्य अतिथि अनिल कालूवाला ने खिलाड़ियों एवं खेल नर्सरियों के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने बापोड़ा की हॉकी बालिका खेल नर्सरी में चेंजिंग रूम एवं बाथरूम का निर्माण करवाने, भिवानी की सभी हॉकी खेल नर्सरियों में खेल सामग्री उपलब्ध करवाने तथा बापोड़ा गांव स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर भवन में ई-लाइब्रेरी एवं कुंगड़ गांव में ई-लाइब्रेरी का निर्माण करवाने की घोषणा की। इन घोषणाओं का खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल प्रेमियों ने स्वागत किया और इसे क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं एवं विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया।

इस अवसर पर धनाना गांव के हैंडबॉल खिलाड़ियों को खेल किट वितरित की गई। वहीं मैच समाप्त होने के बाद सभी खिलाड़ियों को रिफ्रेशमेंट भी प्रदान की गई।

जिला खेल अधिकारी विद्यानंद ने कहा कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना, खेल प्रतिभाओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए उचित अवसर प्रदान करना रहा।

इस प्रकार के खेल आयोजन खिलाड़ियों में नई ऊर्जा, आत्म विश्वास और प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करते हैं। साथ ही, खेल प्रतिभाओं को उचित मंच एवं सुविधाएं उपलब्ध करवाकर उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

बॉक्स

प्रतियोगिता में लड़कों में भीम स्टेडियम, प्रेम नगर, बापोड़ा और तिगड़ाना की टीम में पहुंची, वहीं लड़कियों में भीम स्टेडियम, बापोड़ा खरक और प्रेम नगर की टीम पहुंची। लड़कों की प्रतियोगिता में भीम स्टेडियम की टीम ने बापोड़ा की टीम को दो के मुकाबले चार गोल से पराजित किया, वहीं लड़कियों की प्रतियोगिता में भी स्टेडियम ने बापोड़ा की टीम को दो के मुकाबले तीन गोल से पराजित किया।

इस अवसर पर हॉकी कोच नीरज, बास्केटबॉल कोच सुमित, हैंडबॉल कोच हरिस्वरूप, कुश्ती कोच सुरेश, कबड्डी कोच संजय, वुशू कोच राजेश तथा नर्सरी कोच मोहित भापोड़ा सहित अन्य खेल प्रशिक्षक एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष रेणु शर्मा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन पर्व

समाज जागरण

डबवाली/कालांवली (सुरेश जोरा सिया) रक्षाबंधन के पावन अवसर पर डबवाली भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती रेणु शर्मा ने आज हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को राखी बांधकर रक्षाबंधन पर्व मनाया। इस अवसर पर रेणु शर्मा ने मुख्यमंत्री जी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास एवं स्नेह के प्रतीक इस पर्व की महत्ता पर प्रकाश डाला। रेणु शर्मा ने कहा कि रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के अटूट रिश्ते और आपसी विश्वास का प्रतीक है। यह पर्व हमें परिवार एवं समाज में प्रेम, भाईचारे और आपसी सौहार्द को मजबूत

करने का संदेश देता है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने भी रक्षाबंधन के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं और सभी के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

ठेकेदारों से नेताओं और अधिकारियों की कमाई के लालच से भ्रष्टाचार का पर्याय बना कानपुर नगर निगम

समाज जागरण सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां का नगर निगम भ्रष्टाचार का पर्याय बना हुआ है। जिसकी वजह है ठेकेदारों के माध्यम से नेताओं और अधिकारियों की कमाई का लालच' यह खेल करोड़ों रुपये के टेंडरों के माध्यम से चल रहा था, लेकिन रंग में भंग तब हो गया जब इस खेल की जानकारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हो गई अधिकारियों के पेंच कस दिए। कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती के बाद नगर निगम की ठेकेदारी व्यवस्था की परतें खुलने लगी हैं। जहां तक अब तक की गई कार्रवाई का सवाल है शुरूआती जांच में करीब 100 करोड़ रुपये से अधिक के टेंडर निरस्त किए जा चुके हैं। सात फर्मों को ब्लैकलिस्ट किया गया है और छह मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। दो ठेकेदार गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जबकि पूरे सिंडिकेट का कथित सरगना गोविंद शर्मा फरार है।

जांच में टेंडर हासिल करने के तरीके को लेकर भी चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं । पुलिस के मुताबिक, ठेकेदारों का एक सिंडिकेट सक्रिय था । आरोप है कि इसी सिंडिकेट के जरिए तय किया जाता था कि किस काम का टेंडर कौन डालेगा और किस फर्म को काम मिलेगा. कई मामलों में करीब 15 फीसदी कम रेट पर टेंडर डलवाने और फिर तय फर्म को काम दिलाने का खेल होने की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार, कुछ ठेकेदारों पर दबाव बनाया जाता था और दूसरे लोगों को टेंडर प्रक्रिया से दूर रखने की कोशिश होती थी. जांच में लकी ड्रॉ के नाम पर टेंडर मैनेज किए जाने की बात भी सामने आई है। हालांकि इन आरोपों की पूरी सच्चाई एसआईटी की जांच के बाद ही साफ होगी। मामला सामने आने के बाद नगर निगम ने करीब 100 करोड़ रुपये के टेंडर निरस्त कर दिए हैं.

विकास कार्यों से जुड़े भुगतान पर भी रोक लगाई गई है। नई फर्मों के पंजीकरण की प्रक्रिया पर भी रोक लगा दी गई है। इस दौरान पुलिस ने दिलीप बाजपेई, अजय इंटरप्राइजेज, पार सनाथ बिल्डर्स, कैला इंटर प्राइजेज, तिरुपति ट्रेडर्स और जगदंबा इंटरप्राइजेज समेत फर्मों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए हैं. जगदंबा इंटरप्राइजेज के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज हुए हैं। एसआईटी अब सिर्फ ठेकेदारों तक सीमित नहीं है. नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका भी जांची जा रही है।

टीम ने टेंडर, भुगतान, फर्म पंजीकरण और विकास कार्यों से जुड़ी फाइलें मांगी हैं। नगर निगम में अधिकारियों से पूछताछ कर यह जानने की कोशिश की जा रही है कि अगर टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी हो रही थी तो जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी जानकारी क्यों नहीं हुई। इस सवाल के जवाब मेंअधिकारियों की भी मिली भगत मानी जा रही है।

सात दिन बाद पंजाब में मिले आश्रयालय से लापता दो नाबालिग बच्चे

विवेक कुमार दैनिक
समाज जागरण संवाददाता

मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के अतरौली स्थित डॉन बॉस्को आश्रयालय से बिना बताए निकले 14 और 13 वर्षीय दो नाबालिगों को मोहन लालगंज पुलिस ने सात दिन के भीतर पंजाब से सकुशल बरामद कर लिया। दोनों किशोर 18 अगस्त की रात आश्रयालय से निकले थे और वापस नहीं लौटे थे। नाबालिगों के लापता होने की सूचना मिलते ही पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और मैनुअल जांच के जरिए दोनों की लोकेशन का पता लगाया और पंजाब पहुंचकर उन्हें सकुशल बरामद कर लिया।जानकारी के मुताबिक अतरौली स्थित डॉन बॉस्को आश्रयालय के डायरेक्टर बिमल क्रेकेटा ने दोनों नाबालिगों के बिना बताए आश्रयालय से चले जाने और काफी समय तक वापस नहीं लौटने पर मोहनलालगंज कोतवाली में प्रार्थना पत्र दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू की।प्रभारी निरीक्षक राम बाबू सिंह ने नाबालिगों की बरामदगी के लिए पुलिस की दो टीमें गठित कीं। टीमों में मुख्य रूप से हुलास खेड़ा चौकी इंचार्ज रामसागर गुप्ता व सत्येंद्र पुलिस कर्मी ने अस्त्रालय के पास आसपास लगे

सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही दोनों के आने-जाने वाले संभावित रास्तों की जानकारी जुटाई। इसके अलावा तकनीकी साक्ष्यों और मैनुअल जांच के जरिए पुलिस ने उनकी गतिविधियों का सुराग तलाशना शुरू किया।जांच के दौरान पुलिस को दोनों नाबालिगों के पंजाब के सासनगर क्षेत्र में होने की जानकारी मिली। इसके बाद मोहन लालगंज पुलिस की टीम पंजाब के थाना सिटी खरार पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से दोनों की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने सासनगर में बताए गए स्थान पर पहुंचकर छानबीन की तो दोनों नाबालिग अपनी बुआ के घर पर सकुशल मिल गए। पुलिस ने दोनों को अपनी अभिरक्षा में लेकर आवश्यक पूछताछ की और इसके बाद उन्हें सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ में दोनों नाबालिगों ने बताया कि उन्हें डॉन बॉस्को आश्रयालय में अच्छा नहीं लगता था। इसी कारण उन्होंने 18 अगस्त की रात मौका देखकर आश्रयालय से बाहर निकलने का फैसला किया और वहां से निकलकर पंजाब में रहने वाली अपनी बुआ के घर पहुंच गए। हुलास खेड़ा चौकी इचार्ज रामसागर गुप्ता व सत्येंद्र पुलिसकर्मी के मुताबिक दोनों नाबालिगों को सकुशल बरामद कर लिया गया है। मामले में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की तत्परता और तकनीकी जांच के चलते दोनों नाबालिगों को सात दिन के भीतर दूसरे राज्य से सकुशल बरामद किया जा सका।

पुरहिया गांव की बेटी शांभवी दीक्षित को मिला गोल्ड मेडल

(BBAU)में बढ़ाया क्षेत्र का मान

समाज जागरण संवाददाता लखनऊ

लखनऊ निगोहां क्षेत्र के पुरहिया गांव की बेटी शांभवी दीक्षित ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर गांव व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। समाजशास्त्र विभाग में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए शांभवी को वर्ष 2026 का गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। शनिवार को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्व विद्यालय (BBAU), लखनऊ में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया। पुरहिया गांव निवासी शांभवी के पिता पंकज दीक्षित अरविंद हैं,

जबकि माता रीता दीक्षित गृहिणी हैं। साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाली शांभवी ने मेहनत और लगन के दम पर यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले उन्होंने इंटरमीडिएट परीक्षा में 82 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। समाजशास्त्र विभाग में शानदार शैक्षणिक प्रदर्शन के चलते विश्वविद्यालय की ओर से शांभवी का गोल्ड मेडल के लिए चयन किया गया था। सम्मान समारोह में पदक मिलने के बाद परिवार में खुशी का माहौल है। माता-पिता ने बेटी की सफलता पर खुशी जताते हुए इसे अपने लिए गर्व का क्षण बताया। शांभवी की इस उपलब्धि से पुरहिया गांव सहित पूरे निगोहां क्षेत्र में खुशी की लहर है। ग्रामीणों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि शांभवी ने अपनी मेहनत से गांव का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता क्षेत्र की अन्य बेटियों और विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है।

निगोहां क्षेत्र के पुरहिया गांव की बेटी शांभवी दीक्षित को मिला गोल्ड मेडल, BBAU में बढ़ाया क्षेत्र का मान

दैनिक समाज जागरण संवाददाता*

निगोहां क्षेत्र के पुरहिया गांव की बेटी शांभवी दीक्षित ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। समाजशास्त्र विभाग में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए शांभवी को वर्ष 2026 का गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। शनिवार को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (BBAU), लखनऊ में आयोजित समारोह में उन्हें गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया।

पुरहिया गांव निवासी शांभवी के पिता पंकज दीक्षित "अरविंद" हैं, जबकि माता रीता दीक्षित गृहिणी हैं। साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाली शांभवी ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले उन्होंने इंटरमीडिएट की परीक्षा में 82 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। समाजशास्त्र विभाग में शानदार प्रदर्शन के चलते शांभवी को विश्वविद्यालय की ओर से गोल्ड

मेडल के लिए चयनित किया गया था। आज सम्मान समारोह में गोल्ड मेडल मिलने के बाद परिवार में खुशी का माहौल है। माता-पिता ने बेटी की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए इसे अपने लिए गर्व का पल बताया। शांभवी की इस उपलब्धि की खबर से पुरहिया गांव और निगोहां क्षेत्र में भी खुशी की लहर है। ग्रामीणों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि शांभवी ने अपनी मेहनत से गांव का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता क्षेत्र की अन्य बेटियों और विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा बनी है।

अनाथ बच्चों की मदद को पहुंचे सांसद व पूर्व विधायक

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

गोसाईगंज के कस्बा अमेठी के अब्बासी वार्ड में अनाथ हुए दो मासूमों की मदद के लिए सांसद आर के चौधरी और पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर शनिवार को पहुंचे 12 वर्षीय आकाश और 7 वर्षीय विकास के पिता परीदीन की मृत्यु एक साल पहले और माता की मृत्यु दो माह पूर्व हो गई थी। इसकी सूचना पूर्व चेयरमैन राजेश रावत से मिलने पर दोनों नेता बच्चों के घर पहुंचे।

सांसद आर के चौधरी ने आर्थिक सहयोग दिया, जबकि पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने बच्चों को कपड़े, राशन और गृहस्थी का सामान उपलब्ध कराया। पूर्व विधायक ने स्थानीय सभासद से बच्चों की पढ़ाई जारी रखने और समय-समय पर उनकी स्थिति की जानकारी देते रहने को कहा। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष/सांसद प्रतिनिधि उमाशंकर वर्मा, अम्बेडकर वाहिनी राष्ट्रीय सचिव संतोष रावत, गंगादीन रावत, उदयभान यादव, वारसून खातून, विनोद कुमार रावत, अशर्फी लाल धीमान, हरी शंकर रावत, अनीद अहमद, शुभम रावत, धर्मेंद्र यादव, मोहन प्रधान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

उतरावां ग्राम पंचायत में रक्षा बंधन के अवसर पर वर्षों से पुरानी कुश्ती परंपरा का पुनरुद्धार हुआ।

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

ग्राम पंचायत उतरावा में पूर्व प्रधान गिरजा शंकर मिश्रा 'गुड्डन मिश्रा' द्वारा आयोजित विशाल दंगल में लगभग 30 कुश्तियां हुईं। इनमें अयोध्या से आईं महिला पहलवान माही ने पुरुष पहलवानों के साथ तीन मुकाबले लड़े और दो में जीत हासिल कर दर्शकों को प्रभावित किया इस दंगल में अयोध्या, मलिहाबाद, लखनऊ और भावाखेड़ा सहित आसपास के कई गांवों से पहलवानों ने हिस्सा लिया। देशी अखाड़े में पहलवानों ने अपने दांव-पेंच और शारीरिक बल का शानदार प्रदर्शन किया। करीब 30 मुकाबलों में एक-दूसरे को पटखनी देने के लिए पहलवानों ने जमकर जोर आजमाइश की, जिसका बड़ी संख्या में जुटे दर्शकों ने खूब आनंद लिया दंगल का मुख्य आकर्षण अयोध्या की महिला पहलवान माही रहीं। उन्होंने पुरुष पहलवानों के खिलाफ तीन मुकाबले लड़े। पहले मुकाबले में माही ने

लखनऊ के शिवा को हराया। दूसरे मुकाबले में उन्हें लखनऊ के सूर्या से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे और निर्णायक मुकाबले में माही ने देवा कल्ली को पराजित कर अपनी दूसरी जीत दर्ज की। पुरुष पहलवानों के विरुद्ध माही के इस प्रदर्शन पर दर्शकों ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया दंगल में पहलवानों के बीच 500 रुपये से लेकर 3000 रुपये तक की कुश्तियां आयोजित की गईं। प्रत्येक विजेता पहलवान को निर्धारित पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। मुकाबलों के दौरान अखाड़े में दर्शकों का जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था। आयोजक एवं पूर्व प्रधान गिरजा शंकर मिश्रा ने बताया कि उतरावां में दंगल की यह परंपरा लगभग 50 वर्षों से चली आ रही है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से इसका आयोजन बंद हो गया था। इस वर्ष इसे दोबारा भव्य रूप में शुरू किया गया है। उन्होंने भविष्य में दंगल को और बड़े स्तर पर आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने यह भी बताया कि अगले वर्ष दंगल में 15 से 20 महिला पहलवानों के साथ क्षेत्र के नामचीन पहलवानों को भी आमंत्रित किया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने में संदीप पांडे, कुलदीप सिंह, बुद्धि लाल लोधी, अनिल सैनी, शिव प्रकाश शुक्ला, बहादुर लोधी, बबलू सिंह, गुजारी लोधी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सक्रिय सहयोग दिया।

वरुणा नदी में डूबने से अधेड़ की मौत

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। थाना क्षेत्र के बेदौली गांव निवासी 50 वर्षीय विक्रम पाल, जो शुक्रवार को वरुणा नदी में स्नान करते समय डूब गए थे, उनका शव आज वरुणा नदी के इमलिया घाट फुलवरिया में उतराया हुआ मिला।

शव दिखते ही ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही लोहता पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को नदी से बाहर निकलवाया।

बताया जा रहा है कि शुक्रवार को उनके घर रुद्राभिषेक पूजन था, जिसके लिए वह वरुणा नदी में स्नान करने गए थे और गहरे पानी में चले जाने से लापता हो गए थे। एनडीआरएफ टीम द्वारा कल से ही तलाश की जा रही थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है

महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को यादकर दी गई श्रद्धांजलि

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। महाराज बलवंत सिंह पीजी कॉलेज, गंगापुर में महाराज डॉ. विभूति नारायण सिंह स्मृति अन्तर्जनपदीय हॉकी प्रतियोगिता में विभिन्न कॉलेजों की टीमों ने प्रतिभाग किया । फाइनल मैच महाराज बलवंत सिंह पीजी कालेज गंगापुर वाराणसी की टीम और गंगापुर इंटर कालेज के बीच खेला गया।

जिसमें महाराज बलवंत सिंह पीजी कालेज की टीम ने 2-1 से गंगापुर इंटर कालेज की टीम को संघर्षपूर्ण मुकाबले में पराजित किया।कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करना रहा। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन एवं खेल उपलब्धियों को याद किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने विगत वर्षों में विभिन्न प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. पुरुषोत्तम सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, सहयोग एवं नेतृत्व क्षमता का विकास होता है।कार्यक्रम का आयोजन शारीरिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में किया गया।

महाविद्यालय के प्रो0 शैलेन्द्र सिंह, डॉ अर्चना सिंह, डॉ आशा सिंह, डॉ अखिलानंद सिंह, डॉ ममता, डॉ सत्यप्रकाश, डॉ उमेश तिवारी और घनश्याम जी पूरे समय महाविद्यालय क्रीड़ांगन में उपस्थित रह करखिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। क्रीड़ा प्रभारी अंगद प्रसाद यादव ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी खिलाड़ियों, शिक्षकों एवं महाविद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया।

रविवार को खुले रहेंगे बिजली विभाग के कार्यालय

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। समस्त बिजली उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि 30 अगस्त रविवार को प्रत्येक कार्य दिवस की तरह समस्त राजस्व सँग्रह केंद्र व उपखण्डीय/खण्डीय कार्यालय खुले रहेंगे। राजस्व सम्बंधित समस्त कार्य सम्पादित किये जायेंगे। उपभोक्ता सम्बंधित खण्डीय अथवा उप खण्डीय कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का निस्तारण करा सकते हैं एवं बकाया बिल का भुगतान कर सकते हैं। उक्त आशय की जानकारी अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खण्ड चिरईगांव वाराणसी ने दी है।

ट्रेन की चपेट में आने से किसान की मौत

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी।बड़ागांव थाना क्षेत्र के बेदी गांव निवासी 55 वर्षीय किसान दीनानाथ यादव पुत्र मकलू यादव की शनिवार की सुबह लगभग साढ़े नौ बजे ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसा खानपट्टी के पास डाउन रेलवे लाइन टाटा अमृतसर ट्रेन की चपेट में आने से हुआ। सूचना पर पहुंची जीआरपी और बड़ागांव पुलिस ने शव की पहचान कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि दीनानाथ किसी जरूरी काम से घर से निकले थे। इसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन शव देखकर दहाड़ें मारकर रोने लगे। दीनानाथ खेती- किसानी के साथ प्लंबर का काम भी करते थे। उनकी अचानक मौत से गांव में शोक की लहर फैल गई।

थाना प्रभारी प्रवीण सिंह ने बताया कि मृतक के चार पुत्र है।एक बेटे को ब्रेन ट्यूमर है वही पत्नी कैंसर से पीड़ित हैं, जबकि दीनानाथ यादव मानसिक रूप से कमजोर थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

यूपी चुनाव से पहले अखिलेश ने फिर बदली पीडीए की परिभाषा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने चर्चित पीडीए को लेकर एक बार फिर नया राजनीतिक संदेश दिया है। अखिलेश यादव ने पीडीए की नई व्याख्या करते हुए इसे ह्यखेलो, विकास करो और उपलब्धि हासिल करोह्न से जोड़ा है। उनके इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में पीडीए को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

आपदा में मदद का हाथ लेकर पहुंचे संदीप दुबे, पीड़ित परिवार को दिया हरसंभव सहयोग का भरोसा

समाज जागरण शिव तिवारी

बड़ागांव वाराणसी भिखारीपुर। आपदा की घड़ी में जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने की मिसाल पेश करते हुए भाजपा जिला मंत्री युवा मोर्चा एवं समाजसेवी संदीप दुबे (विक्की) आज बड़ागांव ब्लाक के खरावन वह भिखारीपुर की हरिजन बस्ती में पीड़ित परिवार के बीच पहुंचे। उन्होंने शिवबली के घर जाकर परिवार की स्थिति देखी और उनकी परेशानियों को गंभीरता से समझा।

संदीप दुबे ने पीड़ित परिवार को जरूरी सामान एवं खाद्य सामग्री उपलब्ध कराते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में परिवार खुद को अकेला न समझे, वह हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि जरूरत पड़ने पर हरसंभव मदद और सहयोग किया जाएगा।

संदीप दुबे की इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की। लोगों का कहना है कि संकट के समय पीड़ित परिवार के बीच पहुंचकर उनकी जरूरतों को समझना और तत्काल सहायता उपलब्ध कराना समाजसेवा की सच्ची भावना को दशार्ता है। संदीप दुबे द्वारा किए गए इस मानवीय प्रयास से पीड़ित परिवार को न केवल जरूरी सामग्री मिली, बल्कि मुश्किल समय में हौसला और भरोसा भी मिला।

आदिवासी भोजली महोत्सव एवं जात्रा चक्का में सोमवार को, जुटेंगे गोंड़ जनजातीय समाज के लोग

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। उत्तर प्रदेश राज्य की अति प्राचीन आदिवासी भोजली महोत्सव एवं जात्रा 2026 कार्यक्रम आदिवासी बाहुल्य ग्राम सभा चक्का में गोंड़ वीरांगना महारानी दुर्गावती स्मृति भवन न्यास पर 31 अगस्त सोमवार को आयोजित किया जाएगा जिसमें विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे।

दिनेश कुमार मसराम अध्यक्ष दुर्गावती स्मृति न्यास ,चक्का।

बृजभान मरावी सचिव /प्रबन्धक जनजाति शोध एवं विकास संस्थान वाराणसी।

तिरु0 दिनेश कुमार मसराम पूर्व प्रधान व अध्यक्ष गोंड़ वीरांगना दुर्गावती स्मृति भवन न्यास चक्का ,वाराणसी व डॉ0 बृजभान मरावी सचिव/ प्रबन्धक जनजाति शोध एवं विकास संस्थान ,वाराणसी के अनुसार कोयतुर समाज की सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के अंतर्गत विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी भोजली दाईंना जात्रा दुर्गावती स्मृति भवन न्यास परिसर से भोजली दाई पेनठाना पर गोगो पूजा उपरांत भोजली जात्रा प्रारम्भ होकर शहीद स्मारक चक्का गेट से पंचक्रोशी रोड होते हुए बड़ादेव पेनठाना पर गोगो पूजा करने के बाद वरुणा नदी तट के भोजली घाट पर विसर्जन किया जाएगा। उसके बाद भोजली दाई पेनठाना स्थल पर महाभण्डारा होगा। यह सम्पूर्ण कार्यक्रम गोंडवाना संस्कृति के विकास को केंद्रित कर किया जा रहा है। जिनमें हजारों गोंड़ आदिवासी जन शामिल होंगे।

बाबा सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर महादेवा को मिला जनरेटर

बिकास राय ब्यूरो चीफ
गाजीपुर समाज जागरण

गाजीपुर जनपद के मुहम्मदाबाद तहसील क्षेत्र के बैजलपुर में विराजमान बाबा सोमेश्वर नाथ महादेव के मंदिर में पूर्व सांसद घोसी अतुल राय ने सावन मास में दर्शन पूजन किया था।उसी समय मंदिर के लिए एक जनरेटर की व्यवस्था के लिए आचार्य पंडित अभिषेक तिवारी ने ध्यान आकृष्ट कराया था। पूर्व सांसद अतुल राय ने सहर्ष उसी समय घोषणा कर दी थी।सावन माह के आखिरी दिन

रक्षाबंधन के अवसर पर पूर्व सांसद के प्रतिनिधि गोपाल राय,विनीत राय एवं अन्य सहयोगी दल की उपस्थिति में महादेवा मंदिर पर पूजन कर जनरेटर बाबा सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर को समर्पित कर दिया गया।

पंखे की कुंडी में साड़ी का फंदा लगाकर विवाहिता ने दी जान, मायके वालों की सूचना पर पहुंची पुलिस

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। क्षेत्र के नरायनपुर गांव में शनिवार की सुबह दो बच्चों की मां विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में घर के कमरे में पंखे की कुंडी में साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होने पर मायके वालों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मौके पर विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम ने भी पहुंचकर जांच-पड़ताल की।

नरायनपुर गांव निवासी ठेकेदार जय श्री चौहान के पुत्र विकास की पत्नी पूजा (25) ने शनिवार की सुबह घर में पंखे की कुंडी में साड़ी का फंदा लगाकर जान दे दी। बताया गया कि पूजा की करीब पांच वर्ष पूर्व गाजीपुर जनपद में शादी हुई थी। करीब दो वर्ष पूर्व उसने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया था। दोनों बच्चे अभी छोटे हैं।

घटना के समय घर में उसकी सास और ननद मौजूद थीं, जबकि पति विकास किसी काम से बाहर गया हुआ था। बताया गया कि विकास घर पर ही काम करता है। पूजा का मायका गाजीपुर के रामपुर सिधौना गांव में है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मायके वालों ने पुलिस को फोन कर सूचना दी।

सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए।

विवाहिता ने आत्महत्या क्यों की, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

शर्मीला इंटर कालेज पुआरी खुर्द में ध्यानचंद को नमन कर मैदान पर दिखी हाकी की नई पौध।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। राष्ट्रीय खेल दिवस पर शनिवार को शर्मीला इंटरमीडिएट कालेज पुआरी खुर्द,हरहुआ में हॉकी का माहौल कुछ अलग नजर आया। सुबह मैदान में उतरने से पहले युवा खिलाड़ियों ने हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को याद कर श्रद्धांजलि दी। वरिष्ठ हाकी खिलाड़ियों की मौजूदगी में खिलाड़ियों ने उनकी खेल विरासत को नमन किया और इसके बाद मैदान पर हॉकी की नई पौध ने अपना दमखम दिखाना शुरू किया।

खिलाड़ीयों में राज राजभर ,युग प्रजापति,वर्ष, सूर्यांश,सागर सिंह, आस्था पाण्डेय,मन चौधरी, आयुषी, गीतांजलि,दिव्यांशु प्रजापति ने हाकी का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

उक्त अवसर पर प्रबन्धक शर्मीला देवी,प्रधानाचार्य श्रीनाथ पटेल ,मैनेजिंग डायरेक्टर रामानंद प्रजापति, ग्राम प्रधान विजय कुमारटीम कोच हेमंत नारायण, ओलंपियन लखन शर्मा, प्यारे लाल प्रजापति, प्रवक्ता शिवशंकर प्रजापति एवं अन्य खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

कच्चा मकान में दबकर 7 पशु घायल, एक की मौत

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। जंसा थाना क्षेत्र के पतेरवा गांव में शनिवार दोपहर कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे के समय मकान में बंधे पशुओं में से सात घायल हो गए, जबकि एक पशु की मलबे में दबने से मौत हो गई। घटना के बाद पीड़ित परिवार में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार पतेरवा गांव निवासी सत्यम कुमार मिश्रा पुत्र स्व. अरुण मिश्रा पशुपालन का कार्य कर अपनी आजीविका चलाते हैं। शनिवार को अचानक उनका कच्चा घर गिर गया, जिसके मलबे में कई पशु दब गए। आसपास के लोगों की मदद से मलबा हटाकर पशुओं को बाहर निकाला गया। हादसे में सात पशु घायल मिले, जबकि एक पशु की मौत हो गई।

पीड़ित ने घटना की जानकारी तत्काल पशु चिकित्सा अधिकारी, सेवापुरी को दी। सूचना मिलने के बाद राजस्व टीम भी मौके पर पहुंची और घटना का जायजा लेकर आवश्यक कार्रवाई में जुट गई।

पीड़ित के अनुसार, वह पिछले करीब छह वर्षों से पशुपालन का कार्य कर रहे हैं और इसी के माध्यम से अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। पशुओं के घायल होने और एक की मौत से उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ है।

इस संबंध में पशु चिकित्सा अधिकारी सेवापुरी धर्मेंद्र कन्नौजिया ने बताया कि पशुओं के उपचार और स्थिति का जायजा लेने के लिए पशु चिकित्सा अधिकारी अल्तमेश रजी को मौके पर भेजा गया है।

गाजीपुर में डीआईजी वैभव कृष्ण ने पेश की मिसाल

साइकिल पंचर बनाने वाले राजकुमार से कराया शिलापट्ट का अनावरण

बिकास राय, ब्यूरो चीफ
गाजीपुर, समाज जागरण

गाजीपुर पुलिस विभाग के एक सरकारी कार्यक्रम में 28 अगस्त को एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने आम नागरिक और पुलिस के बीच सम्मान के रिश्ते को नई मिसाल दे दी। विशेश्वरगंज पुलिस चौकी के सामने प्रस्तावित एएसपी सिटी एवं डीएसपी ट्रैफिक कार्यालय भवन के शिलान्यास समारोह में डीआईजी वाराणसी वैभव कृष्ण ने एक सामान्य नागरिक को विशेष सम्मान देकर सबका ध्यान आकर्षित किया।

कार्यक्रम के दौरान डीआईजी वैभव कृष्ण ने विधि-विधान के साथ भूमि पूजन किया। इसके बाद जब शिलापट्टिका के अनावरण की बारी आई तो उन्होंने किसी ऐसे सामान्य नागरिक को बुलाने की इच्छा जताई, जिसका चरित्र और व्यवहार बेदाग हो। पुलिस अधिकारियों की नजर इलाके में साइकिल का पंचर बनाने वाले राजकुमार पर पड़ी। राजकुमार को कार्यक्रम स्थल पर बुलाया गया और डीआईजी ने उसी के हाथों शिलापट्टिका का अनावरण कराया।

इसके बाद डीआईजी ने राजकुमार के साथ तस्वीर भी खिंचवाई।

यह दृश्य समारोह में मौजूद लोगों के लिए खास रहा। जिस आम नागरिक की रोजमर्रा की जिंदगी पुलिस और प्रशासन की बड़ी-बड़ी बैठकों से दूर रहती है, उसी नागरिक को सरकारी कार्यक्रम में सम्मानित भूमिका देकर डीआईजी ने यह संदेश दिया कि सम्मान केवल पद और प्रतिष्ठा का मोहताज नहीं, बल्कि ईमानदार और स्वच्छ छवि वाले हर नागरिक का अधिकार है।

डीआईजी ने बताया कि प्रस्तावित नए कार्यालय भवन का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्यस्थल उपलब्ध कराने के साथ-साथ आम जनता की जनसुनवाई और पुलिस सेवाओं को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ना है।

शिलान्यास समारोह में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला, पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा, डाक्टर राकेश कुमार मिश्र अपर पुलिस अधीक्षक नगर, अतुल कुमार सोनकर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण,राम कृष्ण तिवारी सी ओ भुडकुडा,अनिल कुमार सी ओ सीटी, उमाकांत त्रिपाठी प्रतिसार निरिक्षक, प्रमोद सिंह कोतवाल गाजीपुर सहित पुलिस विभाग के तमाम अधिकारी और जागरूक नागरिक मौजूद रहे।

समारोह की सबसे यादगार तस्वीर हालांकि यही रही–एक ओर पुलिस की वर्दी और दूसरी ओर साइकिल का पंचर बनाने वाला आम नागरिक, लेकिन दोनों के बीच बराबरी और सम्मान का रिश्ता। डीआईजी के इस कदम की मौजूद लोगों के बीच चर्चा रही।

पूजन का कार्य मां कष्टहरणी धाम करीमुद्दीन पुर के पुजारी राजकुमार पाण्डेय के द्वारा सम्पन्न कराया गया। निर्माण कार्य युवा उद्यमी आशीष राय के द्वारा कराया जाएगा

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से हरा-भरा हुआ राजीव गांधी दक्षिणी परिसरकाशी हिंदू

विश्वविद्यालय एवं जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से 8 हजार पौधों का वृहद रोपण

समाज जागरण

मीरजापुर / पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार तथा प्रकृति के प्रति जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से काशी हिंदू विश्वविद्यालय के राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृहद पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन की संयुक्त पहल के तहत परिसर के विभिन्न क्षेत्रों में

लगभग 8 हजार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रोफेसर डॉ बी.एम.एन. कुमार, परिसर प्रभारी, राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, काशी हिंदू विश्वविद्यालय तथा डॉ अमित राज गुप्ता, अधिष्ठाता, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय तथा जिला प्रशासन के सहयोग से किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, तथा अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 विनोद कुमार सिंह द्वारा पौधरोपण कर किया गया। इस अवसर पर जितेंद्र सिंह, जिला खनन अधिकारी अभिषेक राय, उप प्रभागीय वनाधिकारी, वन विभाग तथा शेख मुअज्जम, उप प्रभागीय वनाधिकारी, वन विभाग सहित जिला प्रशासन एवं वन विभाग के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन की ओर से कार्यक्रम के लिए आवश्यक पौधों एवं अन्य संसाधनों की व्यवस्था की गई। विश्वविद्यालय परिसर को हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रजातियों के पौधे परिसर के उपयुक्त स्थानों पर लगाए गए। कार्यक्रम के सफल समन्वय एवं संचालन में राष्ट्रीय सेवा योजना, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ सौरभ करुणामय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों, एनएसएस स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पौधरोपण किया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।वृहद पौधरोपण अभियान से परिसर में जैव विविधता के संरक्षण, कार्बन उत्सर्जन में कमी, मृदा एवं जल संरक्षण तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति काशी हिंदू विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करने के साथ-साथ विश्वविद्यालय एवं जिला प्रशासन के बीच सार्थक समन्वय और संस्थागत सहयोग की एक अनुकरणीय मिसाल प्रस्तुत की। इस अवसर पर डॉ बी.एम.एन. कुमार, आचार्य प्रभारी, राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, डॉ अमित राज गुप्ता, अधिष्ठाता, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, डॉ सौरभ करुणामय, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, डॉ राहुल कदम, डॉ धनंजय कुमार, डॉ दिपान्विता भट्टाचार्य, डॉ अर्चना महापात्रा, डॉ अभिषेक कुमार, डॉ मुकेश भारती, डॉ पवन यादव, डॉ मनीष कुमार, डॉ अंशुमान, डॉ तुलसीरमन, डॉ कृति मंडल एवं डॉ विपिन मौर्य पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय की ओर से कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

सीएमआईएस पोर्टल पर एक करोड़ से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की जिलाधिकारी ने की सख्त समीक्षा

- निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता से नहीं होगा कोई समझौता
- जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, पैक्स फेड के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने की स्पष्टीकरण की मांग
- सीएमआईएस पोर्टल पर एक करोड़ से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की जिलाधिकारी ने की सख्त समीक्षानिर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता से नहीं होगा कोई समझौता - पवन कुमार गंगवार
- जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, पैक्स फेड के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने की स्पष्टीकरण की मांग

समाज जागरण

मीरजापुर / जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएमआईएस पोर्टल पर प्रदर्शित एक करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली निमार्णाधीन एवं पूर्ण परियोजनाओं, क्रिटिकल गैप्स तथा पूर्वांचल निधि योजना के अंतर्गत कराए जा रहे विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की परियोजनाओं की प्रगति का बिंदुवार मूल्यांकन करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी ढंग से कार्य पूर्ण कराने के कड़े निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली विकास परियोजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विभाग सीएमआईएस पोर्टल पर परियोजनाओं की अद्यतन एवं सही जानकारी नियमित रूप से अपलोड करें, ताकि प्रगति की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा सके। बैठक में एक-एक विभाग की परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति, वित्तीय प्रगति, भौतिक प्रगति तथा अवशेष कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जिन परियोजनाओं में कार्य अपेक्षित गति से नहीं चल रहा है, वहां संबंधित अधिकारियों से विलंब के कारण पूछे और उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराने की कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। क्रिटिकल गैप्स के अंतर्गत लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं का त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने भूमि उपलब्धता, तकनीकी स्वीकृति, उपयोगिता स्थानांतरण तथा अन्य प्रशासनिक अड़चनों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि परियोजनाओं की गति प्रभावित न हो। पूर्वांचल निधि योजना के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि यह योजना क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि स्वीकृत कार्यों को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप समय से पूरा कराया जाए और प्रत्येक परियोजना की नियमित निगरानी की जाए। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को चेतावनी देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। यदि निरीक्षण के दौरान किसी परियोजना में मानकविहीन कार्य पाया गया तो संबंधित संस्था एवं उत्तरदायी अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, उनका समय से उपयोगिता प्रमाणपत्र एवं अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण की जाएं, ताकि उनका लाभ आमजन को शीघ्र प्राप्त हो सके। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक परियोजना की नियमित फील्ड मॉनिटरिंग की जाए तथा निरीक्षण के दौरान प्राप्त कमियों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की वास्तविक प्रगति धरातल पर दिखाई देनी चाहिए और जनता को योजनाओं का लाभ समय पर मिलना चाहिए। जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जिले में विकास परियोजनाओं को गति देना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ करें, ताकि मीरजापुर विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हो सके। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुए कहा कि जो भी निमार्णाधीन परियोजनाएं हैं उन परियोजनाओं को 10 सितम्बर 2026 तक पूर्ण कराएं, यदि पूर्ण नहीं हो सकता तो शासन में पत्राचार कर इसकी अवधि बढ़वाते हुए पोर्टल पर अपलोड कराएं। बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, पैक्स फेड के अनुपस्थित रहने पर स्पष्टीकरण की मांग की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी बाबू लाल सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एनएच-43 पर घोड़छत्र नदी के तटों में अवैध मुरूम खुदाई, जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठे सवाल

पठारी रेलवे फाटक से ग्राम सस्तरा के बीच नदी के दोनों किनारों पर चल रही खतरनाक खुदाई से पर्यावरण और सड़क सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा

समाज जागरण

शहडोल। नेशनल हाईवे-43 पर पठारी रेलवे फाटक और ग्राम सस्तरा के बीच स्थित घोड़छत्र नदी के दोनों किनारों पर मुरूम की कथित अवैध एवं खतरनाक खुदाई किए जाने का मामला सामने आया है। नदी के तटों पर बड़े पैमाने पर की जा रही खुदाई ने न केवल प्राकृतिक संरचना को प्रभावित किया है, बल्कि आने वाले समय में नदी के किनारों पर कटाव और भूमि क्षरण का खतरा भी बढ़ा दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी के दोनों किनारों से जिस तरह मुरूम निकाली जा रही है, उससे नदी के प्राकृतिक तट कमजोर हो रहे हैं। बारिश के दौरान तेज बहाव की स्थिति में यह कमजोर तट तेजी से कट सकते हैं, जिससे आसपास की भूमि को नुकसान पहुंचने के साथ-साथ जल प्रवाह की दिशा और प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र भी प्रभावित हो सकता है। नियमों की अनदेखी या संरक्षण का खेल? सवाल यह उठ रहा है कि यदि उक्त क्षेत्र में मुरूम की खुदाई की अनुमति नहीं है, तो आखिर किसके संरक्षण में यह कार्य चल रहा है? वहीं यदि किसी प्रकार की अनुमति जारी की गई है, तो क्या उसके तहत नदी के दोनों किनारों की इस तरह खुदाई करने की अनुमति है? इन सवालों का जवाब संबंधित खनिज, राजस्व और प्रशासनिक अधिकारियों को देना चाहिए। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि क्षेत्र में खुले तौर पर गतिविधियां चलने के बावजूद जिम्मेदार विभाग प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। पर्यावरण और नदी तटों को नुकसान पहुंचाने वालों के साथ-साथ सब कुछ देखकर भी अनदेखी करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। अधिकारी और जनप्रतिनिधि गुजरते हैं, फिर भी कार्रवाई क्यों नहीं? सबसे हैरानी की बात यह बताई जा रही है कि नेशनल हाईवे-43 का यह मार्ग जिले के वरिष्ठ अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के आवागमन का प्रमुख रास्ता है। कलेक्टर, कमिश्नर, विधायक और मंत्री सहित अनेक जिम्मेदार लोग इस मार्ग से होकर गुजरते हैं। इसके बावजूद नदी के दोनों किनारों पर हो रही खुदाई पर किसी की नजर क्यों नहीं पड़ रही, यह अपने आप में बड़ा सवाल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि घोड़छत्र नदी के दोनों किनारों पर तत्काल जांच कराई जाए, खुदाई की वैधता और अनुमति की जांच की जाए तथा यदि अवैध खनन पाया जाता है तो संबंधित ठेकेदार अथवा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

प्राकृतिक तंत्र से खिलवाड़ भविष्य में पड़ सकता है भारी नदी केवल पानी के बहाव का माध्यम नहीं होती, बल्कि उसके तट और आसपास का क्षेत्र एक महत्वपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र का हिस्सा होते हैं। बिना वैज्ञानिक अध्ययन और नियमों के नदी तटों से मुरूम निकालना भविष्य में गंभीर पर्यावरणीय संकट को जन्म दे सकता है। लगातार होने वाली खुदाई से तटों की मजबूती कम होने पर बारिश के मौसम में कटाव और भूमि क्षरण की समस्या बढ़ सकती है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके का निरीक्षण कराता है या फिर घोड़छत्र नदी के तटों पर चल रही कथित अवैध खुदाई इसी तरह जिम्मेदारों की आंखों के सामने जारी रहती है।

केशवाही मंडी में ठेकेदार के छर्रों की दबंगई: पिकअप चालकों से ₹ 400 की अतिरिक्त वसूली, व्यापारियों में भारी आक्रोश

समाज जागरण केशवाही:

क्षेत्र के प्रसिद्ध केशवाही मवेशी व बकरी बाजार में इन दिनों ठेकेदार के कर्मचारियों की मनमानी से व्यापारी और वाहन चालक बेहद परेशान हैं। ग्राम पंचायत द्वारा जारी एक साल के ठेके की आड़ में ठेकेदार के छर्रे (गुर्गे) दूर-दराज से आने वाले हर पिकअप वाहन से ₹400 का अतिरिक्त शुल्क वसूल रहे हैं। दूर-दराज से आने वाले चालकों को बनाया जा रहा निशाना पेंड्रा, कोतमा, पाली, नौरोजाबाद और रस्मोंहनी जैसे इलाकों से मवेशी व बकरियां लेकर आने वाले पिकअप चालकों को मंडी में आते ही रोक लिया जाता है। स्थानीय रसूखदारों की शह पर ठेकेदार के करिंदे चालकों से जबरन ₹400 की मांग करते हैं। जब कोई चालक इस अतिरिक्त शुल्क का विरोध करता है या रसीद मांगता है, तो उसके साथ दबंगई की जाती है। बाजार प्रभावित होने की संभावना ठेकेदार के कारिंदों की इस मनमानी से मंडी में आने वाले व्यापारियों और चालकों में गहरा असंतोष है। चालकों का स्पष्ट कहना है कि यदि यह अनधिकृत वसूली इसी तरह जारी रही, तो वे केशवाही बाजार आना बंद कर देंगे। इससे स्थानीय व्यापार और बाजार की व्यवस्था पर सीधा असर पड़ेगा। पिकअप चालकों का कहना: "हम दूर-दूर से भाड़ा लेकर आते हैं। यहां पहुंचते ही ठेकेदार के लोग ₹400 अतिरिक्त मांगते हैं। बिना वजह अतिरिक्त पैसे वसूलने से हमें भारी नुकसान हो रहा है।" प्रशासनिक कार्रवाई की मांग: क्षेत्र के व्यापारियों और वाहन चालकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ठेके की आड़ में हो रही इस अतिरिक्त वसूली पर तुरंत रोक लगाई जाए और दोषी लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियों ने ऐतिहासिक गोदवाल धाम ब्यौहारी का किया भ्रमण

समाज जागरण विजय तिवारी

शहडोल।सासद संसदीय क्षेत्र सीधी डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक शरद कोल, कलेक्टर पार्थ जायसवाल एवं पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने बीते दिवस जनपद पंचायत ब्यौहारी के प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण एवं

ऐतिहासिक गोदवाल धाम का भ्रमण किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने गोदवाल धाम में स्थापित मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर नागरिकों की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। भ्रमण के दौरान गोदवाल धाम को और अधिक विकसित करने के संबंध में चर्चा की गई। कलेक्टर को अवगत कराया गया कि गोदवाल धाम में प्रत्येक वर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर मेले का आयोजन किया जाता है, ट्रस्ट समिति गठित की गई है, सहित अन्य गोदवाल धाम के बारे में जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री अर्चना मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

किराना दुकान की आड़ में 'पेट्रोल' का अवैध कारोबार! केशवाही चौकी से सख्त कार्रवाई की उम्मीद

समाज जागरण

केशवाही: केशवाही क्षेत्र में किराना दुकान के लाइसेंस की आड़ में खुलेआम अवैध रूप से पेट्रोल बेचने का काला कारोबार धड़ल्ले से जारी है। रिहाइशी इलाके की दुकानों में बिना किसी सुरक्षा और लाइसेंस के बोतलों में अत्यंत ज्वलनशील पेट्रोल बेचना किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहा है। सुरक्षा से खिलवाड़: दुकानों में न तो अग्निशमन यंत्र (Fire Extinguisher) हैं और न सुरक्षा के कोई इंतजाम। एक छोटी सी चिंगारी भी पूरे बाजार को अपनी चपेट में ले सकती है। अवैध मुनाफा: ग्रामीणों की मजबूरी का फायदा उठाकर किराना व्यवसायी मनमाने दामों पर पेट्रोल बेचकर अवैध मुनाफा कमा रहे हैं। केशवाही चौकी से अपेक्षा: क्षेत्रवासियों ने स्थानीय केशवाही पुलिस चौकी से मांग की है कि संदिग्ध किराना दुकानों का लाइसेंस और स्टॉक तुरंत चेक किया जाए। *सघन चेकिंग अभियान चलाकर अवैध पेट्रोल जब्त किया जाए और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि कोई बड़ा हादसा होने से रोका जा सके।

80 हजार मेधावी छात्रों के लिए बड़ी सौगात, 1 सितंबर को खाते में आएंगे 25 हजार, सीएम मोहन यादव करेंगे ट्रांसफर

भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम, 80,197 छात्रों को मिलेगा लैपटॉप योजना का लाभ

समाज जागरण

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले मेधावी छात्रों के लिए सितंबर की शुरूआत बड़ी खुशखबरी लेकर आ रही है। 12वीं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले 80 हजार से अधिक विद्यार्थियों के बैंक खातों में लैपटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रुपये की राशि भेजी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 1 सितंबर को इसका सीधा अंतरण करेंगे।

भोपाल में होगा बड़ा कार्यक्रम

यह कार्यक्रम भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में दोपहर 3 बजे आयोजित होगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने योजना की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पात्र विद्यार्थियों की सूची भी फाइनल हो चुकी है। इस वर्ष कुल 80,197 विद्यार्थी लैपटॉप की राशि पाने के लिए पात्र पाए गए हैं।

सीधे खाते में आएगी राशि, लैपटॉप नहीं देगी सरकार

सरकार इस योजना के तहत छात्रों को लैपटॉप खरीदकर नहीं देती है। बल्कि पात्र छात्रों के बैंक खातों में 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता ट्रांसफर की जाती है। राशि मिलने के बाद विद्यार्थी अपनी जरूरत और पसंद के अनुसार लैपटॉप खरीद सकते हैं। इसका उद्देश्य छात्रों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना है।

कौन होगा पात्र, क्या है शर्त

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना का लाभ लेने के लिए कुछ शर्तें तय हैं। विद्यार्थी ने 12वीं की परीक्षा पहले प्रयास में पास की हो और कम से कम 75 प्रतिशत अंक हासिल किए हों। दूसरे प्रयास में 12वीं पास करने वाले छात्रों को योजना का लाभ नहीं मिलेगा। साथ ही छात्र मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूल का नियमित विद्यार्थी होना चाहिए।

2009 में शुरू हुई थी योजना

मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस योजना की शुरूआत वर्ष 2009-10 में की गई थी। शुरूआत में लैपटॉप सहायता के लिए 85 प्रतिशत अंक लाना जरूरी था। बाद में सरकार ने इसे घटाकर 75 प्रतिशत कर दिया, जिसके बाद योजना के दायरे में आने वाले छात्रों की संख्या में बड़ी बढ़ोतरी हुई।

पिछले साल 94 हजार छात्रों को मिला था लाभ

आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले वर्ष करीब 94 हजार विद्यार्थियों को इस योजना में शामिल किया गया था। इस बार पात्र विद्यार्थियों की संख्या 80,197 है। सरकार का मानना है कि डिजिटल शिक्षा के दौर में लैपटॉप जैसे तकनीकी संसाधन छात्रों की पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में काफी मददगार साबित होंगे।

ददरी में कजलियां पर्व की धूम, परंपरा और भाईचारे का दिखा अनूठा संगम

समाज जागरण

उमरिया। जिला मुख्यालय से महज 5 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम ददरी में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कजलियां पर्व हर्षोल्लास एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जा रहा है। पर्व को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। गांव में सुबह से ही पर्व की तैयारियां शुरू हो गई थीं और बड़ी संख्या में ग्रामीण कार्यक्रम में शामिल हुए। जय मां काली ददरी के प्रधान पुजारी भाईयालाल जी ने जानकारी देते हुए बतायें कि कजलियां पर्व ग्रामीण अंचलों की पुरानी परंपरा और आपसी प्रेम एवं भाईचारे का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर ग्रामीणों ने एक-दूसरे को कजलियां भेंट कर पर्व की शुभकामनाएं दीं। महिलाओं और बच्चों में भी पर्व को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। ग्राम ददरी में कजलियां पर्व के दौरान पारंपरिक गीत-संगीत और मेल-मिलाप का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने अपनी संस्कृति और परंपरा को जीवंत रखते हुए पूरे उत्साह के साथ पर्व मनाया। समाजसेवी सुरेश सिंह का कहना है कि आधुनिक दौर में भी ददरी में वर्षों पुरानी कजलियां पर्व की परंपरा लगातार जारी है। यह पर्व नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और लोक परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम भी बन रहा है। पर्व के दौरान गांव में आपसी सौहार्द, प्रेम और भाईचारे की भावना देखने को मिली।

मुख्यमंत्री जन विश्वास कार्यक्रम सम्पन्न

सांसद विधायक नवागत जिलाधिकारी पार्थ जैसवाल ने जमीन में बैठकर आम लोगों की सुनी समस्याएं और किया समाधान

समाज जागरण

शहडोल मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार पूरे मध्य प्रदेश में जन विश्वास कार्यक्रम का आयोजन किए जा रहे इसी क्रम में जिले के अंतर्गत ब्योहारी में सांसद डॉ राजेश मिश्रा, विधायक शरद जुगलाल कोल, एवं कलेक्टर पार्थ

जैसवाल, पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल ने विनायक मैरिज गार्डन में गांव गांव से आए ग्रामीण जनों की समस्याओं को सुना और तुरंत समाधान किए जाने के निर्देश दिए इस शिविर में आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, राज्स्व पक रण, जंगल की जमीन से जुड़े प्रकरण, बिजली की समस्या, अस्पताल में डाक्टर की कमी, कटनी से सिंगरौली रेल खंड में दोहरीकरण में आ रही समस्याओं पर पर चर्चा कर जल्द से जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए गए। इस कार्यक्रम में नगर पालिका श्री कृष्ण राजन गुप्ता, पुष्पेंद्र पटेल मंडल अध्यक्ष विनय गुप्ता उर्फ मोनू, जिला मंत्री नीरज गुप्ता विक्रमादित्य गुप्ता, सहित कई समाजसेवी एवं सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे

बांधवाधीश मेले पर प्रशासन की कड़ी नजर, चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेंगे दंडाधिकारी

समाज जागरण उमरिया

उमरिया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 4 सितंबर को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के अंदर स्थित ऐतिहासिक बांधवाधीश मंदिर में लगने वाले वार्षिक मेले को लेकर जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने अधि कारियों और कार्यपालिक दंडा धिकारियों की तैनाती कर दी है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने मेला क्षेत्र को अलग-अलग हिस्सों में बांटकर अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है, ताकि भीड़ नियंत्रण से लेकर कानून-व्यवस्था तक किसी भी स्थिति से तत्काल निपटा जा सके।

इन अधिकारियों के जिम्मे रहेगी व्यवस्था

संपूर्ण मेला क्षेत्र की जिम्मेदारी अनुविभागीय अधिकारी एवं कार्य पालिक दंडाधिकारी मानपुर हरनीत कौर कलसी को सौंपी गई है। वहीं ताला मेन गेट एवं मेला क्षेत्र में डिप्टी कलेक्टर प्रत्युष श्रीवास्तव की ड्यूटी लगाई गई है। बांधवाधीश मंदिर क्षेत्र में डिप्टी कलेक्टर एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट प्रिया अग्रवाल व्यवस्था संभालेंगी, जबकि शेष शैया क्षेत्र में प्रभारी तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडा धिकारी पंकज नयन तिवारी सहित राजस्व अमले की तैनाती की गई है।

एक दिन पहले ही पहुंचेगा प्रशासनिक अमला

कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मेला शुरू होने से एक दिन पहले ही मेला स्थल का निरीक्षण किया जाए। अधिकारी बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक से समन्वय कर सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे। 4 सितंबर को सभी अधिकारी अपने निर्धारित ड्यूटी स्थल पर मौजूद रहेंगे और कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ मेला क्षेत्र की स्थिति पर लगातार नजर रखेंगे। किसी भी अप्रिय स्थिति की जानकारी तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को देने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन अलर्ट, श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्राथमिकता

बांधवाधीश मंदिर का वार्षिक मेला बांधवगढ़ क्षेत्र का प्रमुख धार्मिक आयोजन है। टाइगर रिजर्व क्षेत्र में आयोजन होने के कारण यहां श्रद्धालुओं की भीड़ के साथ वन्यजीव क्षेत्र की संवेदनशीलता भी प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण चुनौती रहती है। यही वजह है कि जिला प्रशासन ने मेला शुरू होने से पहले ही व्यवस्थाओं की निगरानी और अधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित कर दी है। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी पी.के. सेनगुप्ता एवं कलेक्टर को मेले की स्थिति से समय-समय पर अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

चित्रकूट में मंदाकिनी का तांडव रामघाट की 400 दुकानें डूबीं, धार्मिक स्थलों तक पहुंचा पानी, UP-MP का संपर्क टूटा

अगस्त में 8वीं बार आई बाढ़, सती अनुसुइया-गुप्त गोदावरी में आवाजाही बंद, यमुना का जलस्तर भी बढ़ा, राजापुर-मऊ में अलर्ट

समाज जागरण

चित्रकूट। शनिवार सुबह मंदाकिनी नदी ने इस साल का सबसे रौद्र रूप दिखाया। देर रात हुई भारी बारिश के बाद नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा और रामघाट समेत नदी किनारे के कई इलाकों में बाढ़ का पानी भर गया। रामघाट की करीब 400 दुकानें बाढ़ की चपेट में आ गईं। सड़कों पर पानी भरने से कई जगह नावें चलने लगीं और उत्तर प्रदेश-मध्य प्रदेश के बीच सड़क संपर्क टूट गया। रात में अचानक आई बाढ़ से रामघाट की कई दुकानों में पानी घुस गया। पानी के तेज बहाव में बड़ी संख्या में दुकानदारों का सामान बह गया। अचानक पानी बढ़ने के कारण कई दुकानदारों को सामान सुरक्षित स्थान पर ले जाने का मौका भी नहीं मिला। सुबह होते ही लोग बचे हुए सामान को ऊंचे स्थानों पर पहुंचाते नजर आए। रामघाट की कई एक मंजिला इमारतें भी पूरी तरह पानी में डूब गई हैं।

धार्मिक स्थलों तक पहुंचा बाढ़ का पानी -

मंदाकिनी के उफान का असर चित्रकूट के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर भी पड़ा

है। सती अनुसुइया और गुप्त गोदावरी क्षेत्र में भी बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए इन धार्मिक स्थलों की ओर आवाजाही रोक दी गई है। रास्तों पर पानी भरने से दर्शन और पर्यटन गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, अगस्त में मंदाकिनी नदी में यह आठवीं बार बाढ़ आई है। लगातार बारिश से जिले में बाढ़ का संकट बढ़ता जा रहा है। राजापुर और मऊ तहसील क्षेत्र में यमुना नदी का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। इससे नदी किनारे बसे गांवों के लोगों की चिंता बढ़ गई है। प्रशासन बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर नजर बनाए हुए है। वहीं स्थानीय लोग भी जलस्तर और पानी के बहाव की स्थिति पर लगातार निगरानी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत जैतहरी में आयोजित हुआ शिविर

समाज जागरण जितेंद्र शर्मा

अनूपपुर / कलेक्टर रत्नाकर झा ने कहा कि मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के साथ ही क्षेत्र में पहुंचकर नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित करना, उनकी समस्याओं को सुनना तथा शिकायतों एवं समस्याओं का प्रभावी और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना अभियान का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि विकास की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे। कलेक्टर श्री रत्नाकर झा नगर परिषद जैतहरी के ऑडिटोरियम में आयोजित मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित शिविर को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर रत्नाकर झा ने कहा कि शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ आमजन को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर अधिकारी विशेष ध्यान दें। शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। कलेक्टर झा ने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे पूरी सजगता और संवेदनशीलता के साथ आमजन की समस्याओं को सुनें तथा उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ लेने के लिए किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। कार्यक्रम को विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष श्री अनिल गुप्ता ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में राजस्व, उद्योग, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, खाद्य, नगरीय प्रशासन, कृषि, विद्युत, शिक्षा नगरी प्रशासन, श्रम, सामाजिक न्याय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास आधार एवं सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों द्वारा संचालित जन कल्या णकारी योजनाओं, नवाचारों, उपलब्धियों एवं उनके प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत

जानकारी दी। अधिकारियों ने उपस्थित नागरिकों को योजनाओं के उद्देश्य, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा योजनाओं से मिलने वाले लाभों के संबंध में विस्तार से अवगत कराया। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए जानकारी एवं सेवा स्टॉलों के माध्यम से आमजन को शासन की जनहितैषी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे शासन द्वारा संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अपने आसपास के पात्र हितग्राहियों को भी इन योजनाओं से जोड़ने में सहयोग करें। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए विभिन्न योजनाओं से संबंधित प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए, जिससे आमजन को योजनाओं की जानकारी सरल एवं सहज रूप से प्राप्त हो सकी। शिविर के दौरान विभिन्न शासकीय जनकल्याणकारी योज नाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत 10 हितग्राहियों, पीएम सुनिधि के अंतर्गत एक हितग्राही, फौजी नामांतरण, उद्यम क्रांति योजना तथा एसजी सीसीएल व भू पट्टा अधिकार के हितग्राही लाभान्वित हुए इसके साथ ही लाड़ली लक्ष्मी योजना के पात्र हितग्राहियों को भी लाभांवित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्री विक्रांत मुराब, वन मंडलाधिकारी श्री डेविड व्यंकटराव चनाप, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतहरी श्री कमलेश पुरी, विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष श्री अनिल गुप्ता, नगर परिषद जैतहरी के अध्यक्ष श्री उमंग गुप्ता, मुख्य नगर पालिका परिषद अधिकारी जैतहरी भूपेन्द्र सिंह, दिनेश राठौर, कैलाश मरावी, श्रीमती सुनीता जैन, भीकम सिंह राठौर, नरेश नापित सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी व इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के पत्रकार उपस्थित थे।

पुलिस कस्टडी से फरार हुआ निलंबित पटवारी, अस्पताल में शौच के बहाने दिया चकमा, 2 पुलिसकर्मी सस्पेंड

शासकीय जमीन में हेराफेरी के आरोप में गिरफ्तार हुआ था राजेश नामदेव, SP ने असकऔर आरक्षक को किया लाइन अटैच

समाज जागरण

सिंगरौली। जिले से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। पुलिस कस्टडी से एक आरोपी के फरार होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। शासकीय भूमि में धोखाधड़ी और कूटरचना के आरोप में गिरफ्तार निलंबित पटवारी राजेश नामदेव पुलिस को चकमा देकर जिला अस्पताल से भाग निकला। इलाज के लिए लाई थी पुलिस, सुबह होते ही हो गया फरार पुलिस आरोपी को मेडिकल परीक्षण और इलाज के लिए जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर बैढ़न लेकर पहुंची थी। बताया जा रहा है कि आरोपी रातभर अस्पताल में भर्ती रहा। अलसुबह उसने शौच जाने का बहाना बनाया और इसी दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया। कई थानों की पुलिस कर रही तलाश आरोपी के फरार होने की खबर मिलते ही पुलिस विभाग में अफरा-तफरी मच गई। कोतवाली बैढ़न और मोरवा थाने की अलग-अलग टीमें आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। हालांकि अब तक आरोपी का कोई सुराग नहीं लग पाया है। 2015 का है मामला, खसरा नंबर 356 में की थी हेराफेरी दरअसल पूरा मामला वर्ष 2015 का है। मोरवा थाना क्षेत्र के कतरिहार गांव की शासकीय भूमि आराजी खसरा नंबर 356 में रिकॉर्ड में हेराफेरी और कूटरचना करने का आरोप है। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद आरोपी राजेश नामदेव के खिलाफ धोखाधड़ी और कूटरचना की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। बाद में विवेचना के दौरान इसमें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं भी जोड़ी गईं थीं। गुरुवार को हुआ था गिरफ्तार पुलिस लंबे समय से आरोपी की तलाश कर रही थी। बीते गुरुवार को पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था और न्यायालय में पेश करने की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान उसकी तबीयत बिगड़ने की बात सामने आई, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रढ ने दिखाई सख्ती पुलिस कस्टडी से आरोपी के फरार होने पर पुलिस अधीक्षक सियाज केएम ने कड़ी कार्रवाई की है। सुरक्षा में लापरवाही बरतने पर ड्यूटी पर तैनात एएसआई गुलाब प्रसाद बहरोलिया और आरक्षक श्याम सुंदर सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर लाइन अटैच कर दिया गया है।

वहीं फरार आरोपी के खिलाफ कोतवाली बैढ़न में बीएनएस की धारा 262 के तहत नया मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस के सामने आरोपी को दोबारा पकड़ने की बड़ी चुनौती है। साथ ही इस बात की भी जांच की जा रही है कि अस्पताल जैसी सुरक्षित जगह पर पुलिस कस्टडी से आरोपी कैसे फरार हो गया।

ओवरब्रिज के बावजूद मौत की पटरियों पर सफर, चोपन स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था सवालों में

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

चोपन/सोनभद्र। चोपन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर तस्वीर सामने आई है। स्टेशन परिसर में एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म तक जाने के लिए ओवरब्रिज मौजूद है, इसके बावजूद बड़ी संख्या में यात्री जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार करते नजर आ रहे हैं। इनमें महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और भारी सामान लेकर चलने वाले यात्री भी शामिल हैं।

कई रेलवे लाइनों को पार करते यात्रियों की यह लापरवाही कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। अचानक ट्रेन आने या संतुलन बिगड़ने की स्थिति में कुछ ही सेकेंड में जान जा सकती है। ऐसे में सवाल उठता है कि ओवरब्रिज की सुविधा होने के बावजूद यात्रियों को ट्रैक पार करने से रोकने के लिए प्रभावी इंतजाम क्यों नहीं किए गए हैं।

स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी की मौजूदगी के बावजूद यात्रियों की खुलेआम ट्रैक पार करने की तस्वीरें निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करती हैं। स्थानीय लोगों ने ट्रैक की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड, नियमित उद्घोषणा और प्रभावी निगरानी की मांग की है। लोगों का कहना है कि रेलवे प्रशासन को हादसे का इंतजार करने के बजाय समय रहते ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि किसी परिवार को अनहोनी की कीमत न चुकानी पड़े।

स्वास्थ्य विभाग की खुली पोल: एक्स-रे मशीन बंद, राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मरीज परेशान

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। माँ विंध्यवासिनी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय हॉस्पिटल, सोनभद्र के बी-ब्लॉक में एक्स-रे जांच की व्यवस्था प्रभावित होने से मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों का आरोप है कि एक्स-रे मशीन खराब होने के साथ ही बिजली व्यवस्था बाधित होने के कारण जांच नहीं हो पा रही है। इसके चलते दूर-दराज से इलाज कराने पहुंचे मरीजों को बिना जांच के लौटने अथवा अन्य जगह जाने की मजबूरी बनी हुई है। बताया जा रहा है कि राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा गरीब और आदिवासी परिवार भी बड़ी संख्या में इलाज के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में अस्पताल में एक्स-रे जैसी जरूरी जांच सुविधा प्रभावित होने से मरीजों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कई मरीज डॉक्टर की सलाह के बाद एक्स-रे कराने के लिए पहुंच रहे हैं, लेकिन जांच नहीं हो पाने के कारण उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है। बाइक से गिरने के कारण पैर में चोट लगने के बाद इलाज कराने पहुंचे राजेंद्र त्यागी ने बताया कि वह हड्डी के डॉक्टर को दिखाने अस्पताल पहुंचे थे। डॉक्टर ने पैर का एक्स-रे कराने की सलाह दी। इसके बाद वह एल-2 मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां उन्हें बताया गया कि बिजली की व्यवस्था नहीं होने के कारण एक्स-रे नहीं हो पाएगा। राजेंद्र त्यागी के मुताबिक, अस्पताल में कई अन्य मरीज भी एक्स-रे कराने के लिए परेशान दिखाई दिए। इस दौरान मशीन खराब होने की बात भी सामने आई।

मरीजों का कहना है कि अस्पताल में जांच की सुविधा नहीं मिलने से उन्हें समय और पैसा दोनों खर्च करना पड़ रहा है। दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले मरीजों के लिए समस्या और गंभीर हो जाती है, क्योंकि उन्हें जांच के लिए दूसरे स्थान पर जाने की जरूरत पड़ सकती है।

राजेंद्र त्यागी ने जिला प्रशासन से मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मरीजों की परेशानी को देखते हुए एक्स-रे मशीन को जल्द से जल्द दुरुस्त कराया जाए और बिजली व्यवस्था सुचारु की जाए, ताकि मरीजों को जांच के लिए इधर-उधर न भटकना पड़े। मरीजों ने भी अस्पताल प्रशासन और जिला प्रशासन से एक्स-रे जांच की व्यवस्था तत्काल बहाल कराने की मांग की है। उनका कहना है कि सरकारी अस्पताल में आने वाले मरीजों को जरूरी जांच के लिए परेशान नहीं होना चाहिए। वहीं, एक्स-रे मशीन खराब होने और बिजली आपूर्ति बाधित रहने के आरोपों ने अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधाओं और व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

विकास योजनाओं की समीक्षा, पात्र परिवारों को मुख्यमंत्री आवास का लाभ दिलाने के निर्देश

समाज जागरण/ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। विकास भवन में शनिवार को जिला स्तरीय विकास कार्य अनुश्रवण समिति की बैठक राज्य मंत्री समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग संजीव कुमार गोड़ की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विधानमंडल क्षेत्र विकास निधि समेत विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई।

राज्य मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विकास कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएं। निर्माण कार्यों का नियमित स्थलीय निरीक्षण कर मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रत्येक पात्र परिवार तक योजना का लाभ पहुंचाने तथा पात्रता चयन में पूरी पारदर्शिता बरतने के निर्देश दिए। सम्पर्क मार्गों और विद्युतीकरण कार्यों की गुणवत्ता की तकनीकी टीम से जांच कराने को कहा गया। साथ ही निर्माण शुरू होने से पहले शिलान्यास और पूर्ण कार्यों का लोकार्पण संबंधित जन प्रतिनिधियों के माध्यम से कराने के निर्देश दिए। औषधि विभाग की समीक्षा में मेडिकल स्टोरों का नियमित निरीक्षण करने तथा बिना वैध पंजीकरण नारकोटिक और नियंत्रित श्रेणी की दवाओं की बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को क्रय-विक्रय अभिलेखों की भी जांच करने को कहा गया। बैठक में जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधि, प्रमुखगण, बीडीओ, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

दहेज हत्या मामले में तीन दोषियों को सजा, अपील भी खारिज

•~ मनोज पाठक, भगवान पाठक व विमला देवी को विभिन्न धाराओं में कारावास; अदालत ने दिया जेल भेजने का आदेश

समाज जागरण तहसील संवाददाता अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। जनपद न्यायालय सोनभद्र के एक बहुचर्चित दहेज हत्या मामले में न्यायालय ने तीन अभियुक्तों मनोज पाठक, भगवान पाठक एवं विमला देवी को दोषी ठहराते हुए विभिन्न धाराओं में कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई है। न्यायालय के निर्णय के विरुद्ध प्रस्तुत अपील को भी खारिज कर दिया गया है। न्यायालय अभिलेखों के अनुसार, मामला थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 44/2017 से संबंधित है। मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए, 304 बी तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत कार्रवाई की गई थी।अभिलेखों में दर्ज निर्णय के अनुसार न्यायालय ने तीनों अभियुक्तों को धारा 498ए के तहत तीन वर्ष के कारावास एवं 10 हजार रुपये अर्थदंड, धारा 304बी के तहत 10 वर्ष के कारावास एवं 30 हजार रुपये अर्थदंड तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 4 के तहत दो वर्ष के कारावास एवं 5 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड अदा न करने की स्थिति में अतिरिक्त कारावास का भी प्रावधान किया गया है। न्यायालय ने आदेश में यह भी उल्लेख किया है कि सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी तथा अभियुक्तों द्वारा पूर्व में जेल में बिताई गई अवधि को नियमानुसार समायोजित किया जाएगा। अपील निरस्त, न्यायालय में किया आत्म समर्पण निर्णय के विरुद्ध दोषसिद्ध अभियुक्तों द्वारा प्रस्तुत अपील पर सुनवाई के बाद न्यायालय ने अपील को निरस्त कर दिया। आदेश में अभियुक्तों को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर जेल भेजे जाने का उल्लेख किया गया है।

उक्त आदेश 29 अगस्त 2026 को अपर सत्र न्यायाधीश, कोर्ट संख्या-1, सोनभद्र द्वारा पारित किया गया।

यह समाचार उपलब्ध न्यायालयीय दस्तावेजों के आधार पर तैयार किया गया है।

एनडीपीएस एक्ट के मामले में दो वारंटी गिरफ्तार, ओबरा पुलिस की सफल कार्रवाई

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरी

ओबरा/ सोनभद्र। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट से संबंधित मामले में दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी सोनभद्र के ग्राम खैरटिया से की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान शनि पुत्र राजकुमार और रामचन्द्र पुत्र रामनाथ के रूप में हुई है। दोनों खैरटिया, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र के निवासी हैं। वे मु.न. 379/24, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट से संबंधित मामले में वारंटी थे। पुलिस टीम ने 29 अगस्त 2026 को दोपहर करीब 1:50 बजे ग्राम खैरटिया से दोनों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए कानूनी कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक नगर अनिल कुमार के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के पर्यवेक्षण में थाना ओबरा पुलिस ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक जयशंकर सिंह, कांस्टेबल अरुण कुमार यादव, कांस्टेबल धर्मेन्द्र राजभर और कांस्टेबल राहुल श्रीवास शामिल थे।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए दोनों अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश करने के लिए अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

स्कूली बच्चों से ईंट ढुलाई कराने पर प्रधानाध्यापिका को नोटिस, तीन दिन में मांगा जवाब

समाज जागरण/ डॉ अरूण पांडेय "गुरूजी"

घोरावल/ सोनभद्र। स्थानीय विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय पूरना कलां में बच्चों से ईंट ढुलवाने के मामले में बेसिक शिक्षा विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर 27 अगस्त 2026 को प्रसारित वीडियो का संज्ञान लेते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सोनभद्र ने विद्यालय की प्रधानाध्यापिका माण्डवी कुमारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो के अवलोकन के बाद विभाग के संज्ञान में आया कि विद्यालय की टूटी बाउंड्री के निर्माण कार्य के लिए विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों से ईंट ढुलाई कराई जा रही थी। वीडियो सामने आने के बाद मामले को लेकर सवाल उठे थे कि आखिर पढ़ाई करने वाले बच्चों से निर्माण कार्य में मजदूरी जैसा काम क्यों कराया जा रहा है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि विद्यालय की बाउंड्री के निर्माण के लिए राजगीर मिस्त्री और श्रमिक भी लगाए गए हैं। इसके बावजूद बच्चों से ईंट ढुलाई का कार्य कराया जाना विभागीय निर्देशों के विपरीत है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों से श्रम कराया जाना प्रतिबंधित है और इस तरह की गतिविधि बाल श्रम की श्रेणी में आती है। नोटिस में बच्चों से निर्माण कार्य कराए जाने को अत्यंत निंदनीय, शासन की मंशा के विपरीत तथा विभागीय आदेशों और निर्देशों का उल्लंघन बताया गया है। मामले में प्रधानाध्यापिका माण्डवी कुमारी को निर्देश दिया गया है कि वह पूरे प्रकरण के संबंध में युक्तिसंगत कारणों सहित अपना स्पष्टीकरण तीन दिवस के भीतर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध कराएं। विभाग ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय के भीतर स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होने अथवा दिया गया जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने की स्थिति में संबंधित प्रधानाध्यापिका के खिलाफ नियमानुसार कठोर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। नोटिस में इस कार्रवाई की पूरी जिम्मेदारी संबंधित की होने की बात कही गई है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद सामने आए मामले में अब विभागीय कार्रवाई शुरू होने से विद्यालय में बच्चों से कराए गए निर्माण कार्य को लेकर जिम्मेदारी तय होने की उम्मीद है।

प्रेम-प्रसंग में पति की हत्या का 24 घंटे में खुलासा, पत्नी और प्रेमी समेत चार गिरफ्तार

समाज जागरण/ अकबर अली

शक्तिनगर/ सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र में संदिग्ध सड़क हादसे के रूप में सामने आई हत्या की घटना का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने प्रेम-प्रसंग में पति की हत्या के आरोप में पत्नी, उसके प्रेमी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक हत्या के बाद शव को सड़क किनारे ले जाकर वाहन से चोट पहुंचाते हुए घटना को सड़क दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की गई थी। पुलिस के अनुसार 22 अगस्त 2026 को बीना स्टेडियम/जमशीला के पास बीना कॉलोनी निवासी रमाशंकर मिश्रा का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे मिला था। रमाशंकर मिश्रा एनसीएल बीना में सीनियर ओवरमैन के पद पर कार्यरत थे। शुरूआती तौर पर मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत हो रहा था, लेकिन घटनास्थल की परिस्थितियां संदिग्ध मिलने पर पुलिस ने गहराई से जांच शुरू की। मामले में थाना शक्तिनगर में मु.अ.सं. 162/2026, धारा 103(2)/238 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल के साक्ष्यों के साथ कॉल डिटेल, लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की। जांच के दौरान पुलिस के सामने घटना की कड़ियां जुड़ती चली गईं और 24 घंटे के अंदर मामले का खुलासा कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक जांच में सामने आया कि मृतक की पत्नी प्रियंका मिश्रा का विकास चौहान के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था। 22 अगस्त को रमाशंकर मिश्रा ने कथित तौर पर अपनी पत्नी प्रियंका मिश्रा और विकास चौहान को घर पर देख लिया। इसके बाद दोनों के बीच विवाद हो गया। पुलिस का दावा है कि विवाद के दौरान प्रियंका मिश्रा और विकास चौहान ने रमाशंकर मिश्रा का गला दबाया और पत्थर के फर्श पर सिर पटककर गंभीर चोट पहुंचाई, जिससे उनकी मौत हो गई। इसके बाद हत्या की घटना को छिपाने और पुलिस को गुमराह करने के लिए शव को सड़क हादसे का रूप देने की योजना बनाई गई। पुलिस के अनुसार विकास चौहान ने अपने सहयोगी अनुराग सिंह उर्फ बादल और सोनू गुप्ता की मदद से शव को चादर और गमछे में लपेटा और सड़क किनारे ले जाकर रख दिया। आरोप है कि वाहन से चोट पहुंचाकर घटना को सड़क दुर्घटना दिखाने का प्रयास भी किया गया। पुलिस ने मामले में विकास चौहान, प्रियंका मिश्रा, अनुराग सिंह उर्फ बादल और सोनू गुप्ता को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ और अब तक की विवेचना में प्रेम-प्रसंग, विवाद और हत्या के बाद घटना को दुर्घटना का रूप देने से संबंधित तथ्य सामने आए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में विकास चौहान निवासी बीना कॉलोनी, प्रियंका मिश्रा पत्नी स्वर्गीय रमाशंकर मिश्रा निवासी बीना कॉलोनी, अनुराग सिंह उर्फ बादल निवासी बीना कॉलोनी और सोनू गुप्ता निवासी जमशीला शामिल हैं। घटना के अनावरण में प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार राय, चौकी प्रभारी बीना अजय कुमार श्रीवास्तव, कांस्टेबल सत्यम सरोज, अरुण कुमार, अमन सिंह और अमृत लाल की भूमिका रही। पुलिस के मुताबिक मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

घटना के त्वरित खुलासे से एनसीएल कर्मचारियों और स्थानीय लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास और सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है।

सोनभद्र से हरिद्वार तक गूंजा सनातन का संदेश: महुआंव की नीलम द्विवेदी ने देवभूमि में मनाया अनूठा रक्षाबंधन

मां मनसा देवी के चरणों में बंधी रक्षासूत्र, भाई के साथ सनातन धर्म, मां गंगा और प्रकृति की रक्षा का लिया गया महासंकल्प

समाज जागरण/ डॉ अरूण पांडेय "गुरूजी"

सोनभद्र। जिले के घोरावल तहसील स्थित महुआंव पाण्डेय गांव की निवासी और श्री सिद्धेश्वर महादेव सेवा संस्थान की अध्यक्ष नीलम द्विवेदी ने इस वर्ष रक्षाबंधन का पावन पर्व परिवार संग देवभूमि उत्तराखंड के हरिद्वार में अत्यंत आध्यात्मिक वातावरण में मनाया। उन्होंने भाई-बहन के इस पारंपरिक पर्व को सनातन संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण की भावना से जोड़कर समाज के सामने एक अनूठी मिसाल पेश की है। माता मनसा देवी के प्रसिद्ध सिद्धपीठ मंदिर में नीलम द्विवेदी की पुत्री पूजा पाण्डेय ने अपने भाई प्रज्ज्वल धर द्विवेदी की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनकी सुख, शांति और समृद्धि की मंगल कामना की। यह रक्षाबंधन पारंपरिक रीति-रिवाज, वैदिक विधि, तिलक, आरती, फल-फूल और मिष्ठान के साथ संपन्न हुआ। पर्यावरण और धर्म रक्षा का मिला नया आयाम इस अवसर पर नीलम द्विवेदी ने समाज को प्रेरित करते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल बहन की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी जीवनदायिनी मां गंगा, प्रकृति और सनातन धर्म की रक्षा का भी संकल्प पर्व है। सनातन और प्रकृति का संकल्प: भाइयों द्वारा बहनों को दिया जाने वाला उपहार केवल प्रेम का प्रतीक न होकर प्रकृति और धर्म के प्रति नैतिक जिम्मेदारी का अहसास कराए। भावी पीढ़ी को संदेश: इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी में सनातन संस्कृति के प्रति गहरी संवेदनशीलता और पर्यावरण संरक्षण की भावना जगाना है।इस पावन और प्रेरणादायी अवसर पर उन्नति पाण्डेय भी परिवार के साथ उपस्थित रहीं। नीलम द्विवेदी के इस प्रयास की हर तरफ सराहना हो रही है।

36.5 किलो गांजा के साथ चार तस्कर गिरफ्तार, स्कॉर्पियो समेत 30 लाख की बरामदगी

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज पुलिस और एसओजी टीम ने ऑपरेशन शुद्धि के तहत अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 36.500 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है, जिसकी कीमत करीब 18 लाख रुपये बताई गई है। तस्करी में इस्तेमाल स्कॉर्पियो की कीमत करीब 12 लाख रुपये है। पुलिस के मुताबिक कुल बरामदगी करीब 30 लाख रुपये की है। पुलिस के अनुसार 28 अगस्त की रात रॉबर्ट्सगंज थाना पुलिस, एसओजी, चौकी हिन्दुआरी और चौकी चुर्क की संयुक्त टीम चन्द्रयान तिराहा, भण्डार खुर्द हाईवे पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि हिन्दुआरी की तरफ से एक सफेद स्कॉर्पियो आ रही है। पुलिस ने वाहन संख्या वढ32ल्दद1416 को रोकने का प्रयास किया तो उसमें सवार लोगों ने वाहन मोड़कर भागने की कोशिश की। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर रात करीब 10 बजे स्कॉर्पियो को पकड़ लिया। क्षेत्राधिकारी नगर की मौजूदगी में तलाशी लेने पर वाहन की पिछली सीट के नीचे और पिछले हिस्से से 37 बंडलों में कुल 36.500 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। गांजे को तीन प्लास्टिक बोरियों में रखा गया था। इसके अलावा आरोपियों के पास से पांच मोबाइल फोन और 550 रुपये नकद भी बरामद हुए।

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे मिलकर गांजा तस्करी करते हैं। उनके अनुसार उड़ीसा के सम्भलपुर के पास से गांजा लेकर उसे बलिया पहुंचाने का काम दिया गया था। इसके एवज में प्रत्येक व्यक्ति को करीब 15 हजार रुपये मिलने थे। पुलिस के मुताबिक तस्करी के दौरान आपस में संपर्क बनाए रखने और पुलिस चेकिंग से बचने के लिए व्हाट्सएप कॉल और लोकेशन का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस के अनुसार आरोपी 27 अगस्त को उड़ीसा से गांजा लेकर लौट रहे थे। रास्ते में छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के कुनकुरी थाना क्षेत्र में पुलिस चेकिंग से बचने के लिए उन्होंने रास्ता बदल दिया। इसी दौरान किया कार को मौके पर छोड़ दिया गया, जबकि उसकी चाबी आरोपियों के पास रह गई। इसके बाद आरोपी स्कॉर्पियो से आगे बढ़े और सोनभद्र में हाईवे किनारे जंगल क्षेत्र में रात में रुके। 28 अगस्त को आगे जाने के दौरान हिन्दुआरी के पास पुलिस चेकिंग देखकर आरोपियों ने स्कॉर्पियो वापस मोड़कर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर चारों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि प्रकरण में थाना रॉबर्ट्सगंज में मु.अ.सं.-721/2026, धारा 8/20/27अ/29/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विधिचन्द्र यादव निवासी मऊ, साजिद अली और रईस खान निवासी कुशीनगर तथा आदित्य जायसवाल निवासी कुशीनगर के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक बरामदगी में 36.500 किलो गांजा, स्कॉर्पियो, पांच एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 550 रुपये नकद और किया कार की एक चाबी शामिल है। सोनभद्र पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन शुद्धि के तहत अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है।

एक किलोमीटर सड़क गड्ढों में तब्दील, ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर मरम्मत की उठाई मांग

समाज जागरण/ सन्तोष कुमार

म्योरपुर विकास खंड के ग्राम पंचायत राजासरई के खिरवान टोला में एक किलोमीटर सड़क गढ्ढे में तब्दील है सड़क मरम्मत न होने के कारण आवागमन में असुविधा हो रही है। आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर सड़क निर्माण की मांग की। विकास खंड म्योरपुर के राजासरई गांव में रामसुभग के घर से राजू पाण्डेय के तक सड़क खिरवान टोला में एक किलोमीटर सड़क गढ्ढे में तब्दील है सड़क पर वर्षों से मरम्मत नहीं हुआ। इसी मार्ग पर सरकारी विद्यालय है बच्चों की इसी जर्जर सड़क से विद्यालय आना पड़ता है, ग्रामीणो भी इसी जर्जर सड़क का प्रयोग कर मुख्य मार्ग तक पहुंच रहे हैं। लेकिन इस लिंक मार्ग पर विभाग की नजर नहीं पड़ रहा है आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में ग्रामीण राजू पाण्डेय, सुखयी राम, राम गुलाम, आयुष पाण्डेय, रामभजन छिन्दवाड़ा गोड़, रमेश, कमलेश, सुरेश, अखिलेश, अनिता, सीमा, रोली, शिव प्रसाद गोड़, रामगुलाम शामिल रहे। सड़क इतनी जर्जर हो गया कि सड़क की गिट्टी तक गायब हो गई। सड़क की हालत यह हो गया कि सड़क पर गिट्टी तक गायब हो गया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कार्यवाही की मांग की है।

हादसे में दो मौत के बाद सदर अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल

घायल प्रोफेसर ने इलाज में देरी का लगाया आरोप, सीसीटीवी जांच की मांग

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो, किशनगंज।

रक्षाबंधन पर बहन से राखी बंधवाने सिलीगुड़ी निकले चार लोगों का सफर शुक्रवार को दर्दनाक हादसे में बदल गया। सुखानी थाना क्षेत्र के साबोडांगी के पास एनएच-327ई पर ट्रक और आर्टिका कार की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में दो लोगों की जान चली गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। हादसे के बाद घायलों को किशनगंज सदर अस्पताल लाया गया। यहां उपचार के दौरान डॉ. अनिल कुमार सिंह की मौत हो गई। इसके बाद घायल प्रोफेसर ने अस्पताल में इलाज की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए कथित देरी का आरोप लगाया और सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने की मांग की है।

मृतकों में दरभंगा के बहेरी निवासी 65 वर्षीय डॉ. अनिल कुमार सिंह और मधुबनी के अमरामथ निवासी 50 वर्षीय पवन यादव शामिल हैं। डॉ. अनिल दरभंगा में चिकित्सकीय प्रैक्टिस करते थे। हादसे में घायल समस्तीपुर के सिंहिया थाना क्षेत्र निवासी 52 वर्षीय तेज नारायण मुखिया और मधुबनी निवासी 50 वर्षीय राधेश्याम शर्मा का इलाज कराया जा रहा है। राधेश्याम शर्मा सीएम साइंस कॉलेज में प्रोफेसर बताए गए हैं।

एक झटके में उजड़ गई राखी की खुशियां

चारों लोग मधुबनी से सिलीगुड़ी जा रहे थे। बताया गया कि रक्षाबंधन के दिन बहन से राखी बंधवाने की तैयारी थी। लेकिन साबोडांगी के समीप तेज रफ्तार ट्रक की कार से हुई टक्कर ने पूरे परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पवन यादव ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में इलाज के दौरान डॉ. अनिल कुमार सिंह की भी मौत हो गई।

'समय पर इलाज मिलता तो...' जांच की मांग ने खड़े किए सवाल

हादसे में घायल प्रोफेसर राधेश्याम शर्मा ने सदर अस्पताल में डॉ. अनिल कुमार सिंह के उपचार में कथित देरी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि दुर्घटना के बाद गंभीर अवस्था में अस्पताल लाए गए मरीज के उपचार में कितना समय लगा, इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। उन्होंने अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सुरक्षित कर जांच कराने की मांग की है। इससे अस्पताल पहुंचने के बाद मरीज को कब चिकित्सकीय सहायता मिली और उपचार की प्रक्रिया किस तरह आगे बढ़ी, इसकी स्थिति स्पष्ट हो सकती है। यह आरोप सामने आने के बाद सवाल सिर्फ सड़क हादसे तक सीमित नहीं रह गया है। गंभीर दुर्घटना के मरीज के लिए अस्पताल की आपातकालीन व्यवस्था कितनी तत्पर है, यह भी जांच का विषय बन गया है।

अस्पताल ने कहा- लापरवाही नहीं हुई

घायल की ओर से लगाए गए आरोपों को सदर अस्पताल प्रशासन ने स्वीकार नहीं किया है। अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. अनवार हुसैन ने इलाज में देरी या लापरवाही से इनकार करते हुए कहा कि घायलों को अस्पताल पहुंचने के बाद समय पर उपचार उपलब्ध कराया गया। उनके अनुसार चिकित्सकीय प्रोटोकॉल के तहत आवश्यक इलाज किया गया।

अब सवाल यह है कि आरोप और अस्पताल प्रशासन के दावे के बीच वास्तविक स्थिति क्या थी। सीसीटीवी फुटेज की जांच होने पर इस पूरे मामले में काफी हद तक स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

ट्रक चालक की भूमिका भी जांच के घेरे में

घटना के बाद पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। यातायात थानाध्यक्ष संदीप कुमार ने दो लोगों की मौत और दो लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। पुलिस दुर्घटना के कारणों, ट्रक की दिशा और चालक की भूमिका समेत अन्य बिंदुओं की जांच कर रही है।

रक्षाबंधन के दिन जिस घर में बहन की कलाई पर राखी बांधने की तैयारी थी, वहां अब मातम पसरा है। एक सड़क हादसे ने दो परिवारों से उनके अपनों को छीन लिया। वहीं, घायल प्रोफेसर के इलाज में देरी के आरोप ने सदर अस्पताल की आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब इन सवालों का जवाब जांच और उपलब्ध साक्ष्यों से ही सामने आएगा।

बकाया भुगतान को लेकर ब्लिंकिट डिलीवरी बॉयज का हंगामा

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

शहर के गरीबान चौक स्थित ब्लिंकिट स्टोर के पास शनिवार को बकाया भुगतान की मांग को लेकर डिलीवरी बॉयज ने जमकर हंगामा किया। डिलीवरी बॉयज का आरोप है कि उन्होंने स्टोर के लिए करीब 8 से 10 दिनों तक ऑफलाइन काम किया था, जिसका उल्लेख रजिस्टर में भी दर्ज है। इसके बावजूद उन्हें उक्त अवधि का भुगतान नहीं किया जा रहा है।

डिलीवरी बॉयज ने बताया कि वे पिछले करीब दो महीनों से अपने बकाये भुगतान के लिए स्टोर प्रबंधन के चक्कर लगा रहे हैं। उनका कहना है कि जब वे भुगतान की मांग करते हैं तो उन्हें बताया जाता है कि ऑफलाइन काम का पैसा स्टोर से नहीं मिलेगा। साथ ही, उन्हें यह कहकर पुराने मैनेजर से संपर्क करने को कहा जा रहा है कि उनका तबादला भागलपुर हो चुका है।

डिलीवरी बॉयज का कहना है कि यदि ऑफलाइन कार्य का भुगतान नहीं किया जाना था तो उनसे उस अवधि में काम क्यों कराया गया और रजिस्टर में कार्य का विवरण क्यों दर्ज किया गया। इसी मुद्दे को लेकर शनिवार को डिलीवरी बॉयज ने स्टोर के बाहर विरोध जताया और बकाया भुगतान की मांग की।

प्रबंधन ने कहा- ऑफलाइन डिलीवरी का भुगतान नहीं

मामले में ब्लिंकिट के वर्तमान स्टोर मैनेजर सोनू कुमार ने बताया कि कंपनी की ओर से केवल ऑनलाइन डिलीवरी का भुगतान किया जाता है। उनके अनुसार ऑफलाइन काम के लिए भुगतान का प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि डिलीवरी बॉयज को कंपनी के इस नियम की जानकारी नहीं थी।

मैनेजर ने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व मैनेजर द्वारा डिलीवरी बॉयज को सही जानकारी नहीं दी गई, जिसके कारण विवाद की स्थिति बनी है। हालांकि, डिलीवरी बॉयज अपने काम का भुगतान किए जाने की मांग पर अड़े हैं।

अब सवाल यह है कि यदि ऑफलाइन कार्य का भुगतान कंपनी के नियमों के तहत नहीं किया जाना था, तो संबंधित डिलीवरी बॉयज से उक्त अवधि में काम किस आधार पर कराया गया और रजिस्टर में उसका रिकॉर्ड क्यों रखा गया। मामले में कंपनी के उच्च अधिकारियों की स्पष्ट स्थिति सामने आने के बाद ही विवाद की वास्तविक स्थिति साफ हो सकेगी।

किशनगंज में अवैध खनन पर शिकंजा, अगस्त में 37 वाहन जब्त

90 छापेमारी में पांच गिरफ्तार, 10 प्राथमिकी; 1.40 करोड़ रुपये से अधिक का जुमार्ना लगाया गया

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

जिला पदाधिकारी नवीन कुमार के निर्देश पर जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ खनन विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। संवेदनशील स्थलों को चिन्हित कर पुलिस बल के सहयोग से लगातार छापेमारी की जा

रही है। विभाग ने निर्धारित लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूरा करने के साथ अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने की कार्रवाई शुरू की है।

सहायक निदेशक, खान एवं भूतत्व, किशनगंज ने बताया कि अगस्त 2026 में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ कुल 90 छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 10 प्राथमिकी दर्ज की गईं। इस दौरान अवैध खनन एवं परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे 37 वाहनों को जब्त किया गया। विभाग ने कुल 140.55 लाख रुपये, यानी करीब 1.41 करोड़ रुपये का दंड अधिरोपित किया है।

वित्तीय वर्ष में 146 वाहन जब्त

वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ विभाग ने 527 छापेमारी की है। इस दौरान 31 प्राथमिकी दर्ज की गईं और 146 वाहनों को जब्त किया गया। विभाग की ओर से इस अवधि में कुल 376.77 लाख रुपये, यानी करीब 3.77 करोड़ रुपये का दंड अधिरोपित किया गया है।

वहीं, वित्तीय वर्ष 2026-27 में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के मामलों में अब तक 378.55 लाख रुपये, यानी करीब 3.79 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है। खनन विभाग की लगातार कार्रवाई से अवैध खनन और खनिजों के परिवहन में संलिप्त लोगों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पटना के फतुहा में टेम्पो से गिरकर अज्ञात युवक की दर्दनाक मौत

पटना/ जिले के फतुहा थाना क्षेत्र के नायका रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में टेम्पो से गिरकर लगभग 30 वर्षीय अज्ञात युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची और शव को अपने कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं।पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र करीब 30 वर्ष है। उसने सादा टी-शर्ट और ब्लू जींस पहन रखी है तथा उसके कान में बाली (कनौसी) पहनी हुई है। घटनास्थल के हालात और हुलिया को देखकर पुलिस यह आशंका जता रही है कि यह युवक फतुहा या दनियावां क्षेत्र की किसी औद्योगिक इकाई (फैक्ट्री) में मजदूरी या काम करता होगा। हादसे के वक्त वह किसी वाहन से यात्रा कर रहा था और संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर पड़ा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत

हो गई। जाँच के दौरान पुलिस को मृतक के पास से कुछ कागजात और पहचान पत्र मिले हैं, जिसने पुलिस की उलझन बढ़ा दी है। पुलिस को उसके पास से एक दस्तावेज मिला है जिस पर गुजरात के अमदाबाद का पता दर्ज है, जबकि जेब से मिले एक अन्य वोटर आईडी कार्ड पर विशाल पासी (उम्र 30 वर्ष, पिता - श्रीराम पासी, निवासी - वर्दमान, पश्चिम बंगाल) दर्ज है। इन विरोधाभासी दस्तावेजों के कारण मृतक की वास्तविक पहचान की पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है। फतुहा थाना पुलिस ने आसपास के लोगों और आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई भी व्यक्ति इस युवक को पहचानता है या इसके परिजनों के बारे में कोई जानकारी रखता है, तो वह तुरंत फतुहा थाना पुलिस से संपर्क करें। पुलिस पहचान सुनिश्चित होने के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया और शव को परिजनों को सौंपने की कार्रवाई करेगी।

किशनगंज स्टेशन पर 34.920 लीटर विदेशी शराब बरामद, बेगूसराय के दो तस्कर गिरफ्तार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर उत्पाद विभाग और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने विशेष जांच अभियान के दौरान 34.920 लीटर विदेशी शराब बरामद की। मौके से शराब तस्करी के आरोप में बेगूसराय जिले के रहने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रमन कुमार और सुभाष कुमार साहनी के रूप में हुई है।

उत्पाद निरीक्षक मोहम्मद हैदर अली ने बताया कि प्लेटफॉर्म नंबर एक पर संदिग्ध यात्रियों और सामान की जांच की जा रही थी। इसी दौरान दोनों युवकों की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर उन्हें रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उनके पास से कुल 34.920 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई।

पूछताछ में दोनों ने उत्पाद विभाग को बताया कि वे सिलीगुड़ी से शराब खरीदकर कटिहार ले जा रहे थे। इसके बाद दोनों को हिरासत में लेकर शराब जब्त कर ली गई।

उत्पाद विभाग ने मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर दोनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की। सदर अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पटना में डाक विभाग में पेपरलेस क्रांति की तैयारी

आरएमएस के कामकाज की होगी डिजिटल समीक्षा, एक माह में देनी होगी रिपोर्ट

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना / भारतीय डाक विभाग अब रेलवे मेल सर्विस (आरएमएस) और अन्य मेल कार्यालयों के कामकाज को पूरी तरह पेपरलेस (कागज रहित) बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। डाक विभाग ने कामकाज को डिजिटल बनाने और कागजी दस्तावेजों पर निर्भरता खत्म करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। इस संबंध में विभाग द्वारा 24 अगस्त 2026 को आधिकारिक पत्र जारी कर दिया गया है। गठित की गई यह विशेष समिति वर्तमान कार्यप्रणालियों और दस्तावेजों की बारीकी से समीक्षा कर यह तय करेगी कि किन-किन गतिविधियों को पूरी तरह डिजिटल किया जा सकता है। इसके तहत डाक की प्राप्ति, छंटाई (प्रोसेसिंग), ट्रांसमिशन, डिस्पैच और डिलीवरी से जुड़े सभी कार्यों को ऑनलाइन और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा। इसके लिए विभिन्न सॉफ्टवेयर और एप्लीकेशन के एकीकरण (इंटीग्रेशन) की संभावनाओं पर भी विचार किया जा रहा है। सीईपीटी के निदेशक विष्णु अंबरीश को इस उच्चस्तरीय समिति का अध्यक्ष बनाया गया है, जो आवश्यकतानुसार अन्य विशेषज्ञों को भी इसमें शामिल कर सकेंगे। यह समिति डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने, उनके सुरक्षित रखरखाव, प्रमाणीकरण और जरूरत पड़ने पर उन्हें तुरंत खोजने की तकनीकी व्यवस्था पर अपने सुझाव देगी। साथ ही, पेपरलेस प्रणाली लागू करने में आने वाली तकनीकी बाधाओं को दूर करने और एक प्रभावी मॉनिटरिंग सिस्टम बनाने की सिफारिश भी करेगी। समिति को कार्यालय ज्ञापन जारी होने की तिथि से मात्र एक महीने के भीतर अपनी विस्तृत रिपोर्ट विभाग को सौंपनी होगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य डाक सेवाओं को अधिक तेज, पारदर्शी और आधुनिक बनाना है।

पटना में छोटे-छोटे बच्चे बन रहे सूखे नशे के आदी

छड़ चोरी से लेकर मजदूरी कर जुटा रहे पैसे

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी पटना से सटे खगौल और आसपास के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों और किशोरों के बीच बढ़ती नशे की लत अब एक गंभीर सामाजिक चिंता का विषय बनती जा रही है। शहर से लेकर गाँव तक कम उम्र के बच्चे मादक पदार्थों और सूखे नशे के तेजी से आदी हो रहे हैं, जो आने वाली पीढ़ी के लिए खतरे की घंटी है। रिपोर्ट के अनुसार, नशे की गिरफ्त में फंसे 8 से 15 वर्ष तक के ये बच्चे अपनी इस बुरी लत को पूरा करने के लिए अजीबोगरीब तरीके अपना रहे हैं। बच्चे दिन के उजाले में ही निमार्णाधीन मकानों, जर्जर इमारतों और टूटे नालों के स्लैब से छड़ (लोहा) निकालकर बांध के पास स्थित कबाड़ियों के हाथों बेच देते हैं। इसके अलावा, वे रेलवे स्टेशनों के आसपास चाय की दुकानों पर बर्तन धोने, यात्रियों का सामान ढोने और ऑटो में सामान लोड

करवाने जैसे काम करते हैं। इसके बदले मिलने वाले 100 से 200 रुपये से वे आसानी से सूखा नशा खरीद लेते हैं। हालात यह हो चुके हैं कि कई बच्चे इसके इतने आदी हो चुके हैं कि वे दिनभर में इसके कई पैकेट तक खत्म कर देते हैं। बच्चों का कहना है कि इसे इस्तेमाल करने से उन्हें अलग तरह का नशा और आनंद मिलता है। शनिवार की दोपहर स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया में एक चाय दुकान पर काम के बाद सरेआम सिगरेट खरीद रही एक किशोरी को देखकर वहाँ मौजूद लोग दंग रह गए। जब लोगों ने उसे टोकने की कोशिश की, तो वह भागने लगी और धमकी देने लगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सूखा नशा मेडिकल स्टोर, स्टेशनरी, किराना और पान की दुकानों पर आसानी से उपलब्ध हो जाता है, जिससे बच्चों की पहुँच यहाँ तक आसान हो गई है। नशे की इस भयानक लत के कारण कम उम्र के ये बच्चे पढ़ाई-लिखाई से कोसों दूर होते जा रहे हैं और धीरे-धीरे अपराध व असामाजिक गतिविधियों की दलदल में धंस रहे हैं। युवा पीढ़ी की इस बबार्दी को लेकर अभिभावकों और बुद्धिजीवी वर्ग में भारी आक्रोश और चिंता है। समाज के प्रबुद्ध नागरिकों ने जिला प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि ऐसे नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री करने वाली दुकानों पर तुरंत रोक लगाई जाए और बच्चों को इस दलदल से निकालने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

पटना के बिहटा में वज्रपात की चपेट में आने से दो भैंसों की मौत

गरीब परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बिहटा प्रखंड क्षेत्र की दौलतपुर दयालपुर पंचायत के राजपुर गांव में शुक्रवार की देर रात आसमान से आफत बनकर गिरी बिजली (वज्रपात) ने एक गरीब परिवार की कमर तोड़ दी। वज्रपात की चपेट में आने से दो दुधारू भैंसों की दर्दनाक मौत हो गई। इस अचानक हुई दुर्घटना से पीड़ित परिवार के सामने भरण-पोषण और रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। मृत दोनों भैंसों की अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपये आंकी गई है। पीड़ित परिवार के सदस्य उमाशंकर और मधु कुमारी ने रोते हुए बताया कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति पूरी तरह से इन भैंसों से होने वाली आमदनी पर ही निर्भर थी। उमाशंकर मजदूरी करने के साथ-साथ भैंसों का दूध बेचकर किसी तरह अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। शुक्रवार की देर रात हुए भीषण वज्रपात में दोनों मवेशियों की जान चली गई, जिससे उन्हें लगभग एक लाख रुपये का भारी नुकसान हुआ है। इस घटना के बाद से परिवार गहरे सदमे और आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहा है। पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग से गुहार लगाई है कि उन्हें आपदा राहत कोष के तहत जल्द से जल्द उचित मुआवजा दिया जाए। परिवार का कहना है कि यही दोनों पशु उनकी आजीविका का एकमात्र मुख्य साधन थे। आय का जरिया पूरी तरह खत्म हो जाने के कारण अब उनके सामने जीवनयापन करना मुश्किल हो गया है। यदि सरकार की ओर से उन्हें आर्थिक सहायता मिल जाती है, तो वे दोबारा पशु खरीदकर अपनी आजीविका को पटरी पर ला सकेंगे। स्थानीय ग्रामीणों ने भी प्रशासन से पीड़ित परिवार को त्वरित सहायता देने की मांग की है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति,भारतीय ज्ञान प्रणाली और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के एकीकरण पर 31 अगस्त को संगोष्ठी

पंकज कुमार पाठक, समाज जागरण

पदमा, हजारीबाग। मां विंध्यवासिनी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पद्मा में 31 अगस्त को ह्लराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एकीकरणह्व विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के आईक्यूएसी सेल, सम्मति एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया तथा हरिप्रिया एकेडमिक सपोर्ट सर्विसेज के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

संगोष्ठी में विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के कुलपति तथा डॉ. आशीष श्रीवास्तव, आईयूसीटीई, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ एवं अतिथि वक्ता अपने विचार साझा करेंगे। संगोष्ठी में देश के चार विभिन्न विश्वविद्यालयों के अतिथि वक्ताओं के शामिल होने की जानकारी दी गई है। कार्यक्रम में झारखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों से अतिथि, प्राध्यापक, प्राचार्य, शोधार्थी एवं विद्यार्थी ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से भाग लेंगे।

संगोष्ठी की संयोजिका डॉ. प्रियंका कुमारी ने बताया कि कार्यक्रम हाइब्रिड मोड में आयोजित होगा। इसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक तकनीक एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जोड़ने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी में भाग लेने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण जारी है। इच्छुक प्रतिभागी संपर्क एवं व्हाट्सऐप नंबर 9304642803 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वहीं ऑफलाइन प्रतिभागियों के लिए 31 अगस्त को सुबह 9 बजे से महाविद्यालय परिसर में ऑन-स्पॉट पंजीकरण की व्यवस्था रहेगी। महाविद्यालय परिवार ने शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों से संगोष्ठी में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

बीआरपी /सीआरपी अधिक से अधिक संख्या में जिला अधिवेशन में शामिल होकर सफल बनाएं :-सुलैमान आजाद

समाज जागरण

गोड्डा महागामा झारखंड राज्य आराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के तत्वाधान में 30 अगस्त रविवार को गोड्डा में पांचवें जिला अधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है।अधिवेशन में बीआरपी /सीआरपी एवं अन्य अनुबंध कर्मी समेत कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। बीआरपी /सीआरपी महासंघ के पूर्व जिला महासचिव मु सुलैमान जहांगीर आजाद ने बीआरपी /सीआरपी कर्मियों से अधिवेशन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इसे सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से अनुबंध पर कार्यरत सीआरपी एवं

बीआरपी कर्मियों के स्थाईकरण की मांग को संगठन के मंच से मजबूती से उठाया जाना जरूरी है ।उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष से लंबित तीन प्रतिशत महंगाई भत्ते का भुगतान भी शीघ्र कराया जाए। इसके अलावा अधिवेशन में पुरानी पेंशन व्यवस्था, रिक्त पदों को भरने ,समान पद के लिए समान वेतनमान तथा पदोन्नति समेत कर्मचारियों से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी चर्चा होगी। आजाद ने कहा कि कर्मचारियों के अधिकारों और जायज मांगों के लिए एकजुट होकर आवाज बुलंद करना समय की मांग है। उन्होंने जिले के सभी बीआरपी एवं सीआरपी कर्मियों से अधिवेशन में सक्रिय भागीदारी की अपील की। अधिवेशन का आयोजन 30 अगस्त को सुबह 11:00 से शुभमदा बैंक्विट हॉल, मिशन चौक ,जोड़ी दुर्गा मंदिर के सामने गोड्डा टाउन में होगा। पंजीयन सुबह 9:00 बजे से होगा और सर्व सत्र समापन अपराहन 3:00 बजे किया जाएगा।

पटना के गर्दनीबाग थाने का नगर एसपी ने किया औचक निरीक्षण

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के गर्दनीबाग थाने का नगर पुलिस अधीक्षक (मध्य) ममता कल्याणी ने शनिवार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने के प्रशासनिक कामकाज, अभिलेखों के रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया तथा पुलिस अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान नगर एसपी ने थाना दैनिकी (स्टेशन डायरी), हाजत, मालखाना, वायरलेस सिस्टम, सीसीटीएनएस (CCTNS) प्रणाली और सिरिस्ता में संधारित विभिन्न अभिलेखों की गहनता से जाँच की। इसके साथ ही उन्होंने थाने में दर्ज विभिन्न लंबित कांडों (केस) के अनुसंधान की प्रगति की भी बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अनुसंधानकताओं और पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि कांडों का अनुसंधान पूरी तरह से वैज्ञानिक पद्धति से किया जाए और निर्धारित समयसीमा के भीतर मामलों की जाँच पूरी कर ली जाए।

पटना के मसौढ़ी में पेयजल के लिए हाहाकार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के मसौढ़ी प्रखंड की खरांट पंचायत के वार्ड संख्या 15 में इन दिनों पेयजल के लिए भारी हाहाकार मचा हुआ है। जलमीनार का मोटर जल जाने के कारण पिछले कई दिनों से नल-जल योजना की आपूर्ति पूरी तरह ठप है। इस भीषण गर्मी और उमस भरे मौसम के बीच पानी की आपूर्ति बाधित होने से स्थानीय ग्रामीणों में प्रशासन और जन प्रतिनिधियों के प्रति गहरा आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने अपनी पीड़ा साझा करते हुए बताया कि जलमीनार का मोटर पहले भी कई बार खराब हो चुका है। कभी स्टार्टर में खराबी तो कभी मोटर फुंक जाने के कारण यहाँ जलापूर्ति अक्सर बाधित होती रहती है। इस बार मोटर जलने के बाद कई दिन बीत जाने के बावजूद इसे दुरुस्त नहीं कराया गया है, जिससे वार्ड के सैंकड़ों परिवारों के सामने विकट पेयजल संकट खड़ा हो गया है।

हालात यह हैं कि जिन घरों में अपने निजी चापाकल लगे हुए हैं, वहाँ से किसी तरह काम चलाया जा रहा है, लेकिन जिन परिवारों के पास पानी का कोई दूसरा साधन नहीं है, उन्हें दूर-दराज से पानी ढोकर अपने घर लाने को विवश होना पड़ रहा है। महिलाओं और बच्चों को पानी के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ रही है।

पटना के बिहटा एफडीडीआई में धूमधाम से मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस मेजर ध्यानचंद को दी गई श्रद्धांजलि

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बिहटा में फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (FDDI) पटना परिसर में भारत के महान हॉकी जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को राष्ट्रीय खेल दिवस पूरी ऊर्जा, उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस विशेष आयोजन का शुभारंभ संस्थान के कार्यकारी निदेशक नीरज कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक नीरज कुमार ने हॉकी के लीजेंड मेजर ध्यानचंद के अतुलनीय योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन, अनुशासन, अटूट समर्पण और खेल के प्रति निष्ठा देश के युवाओं के लिए सदैव एक मिसाल और प्रेरणास्त्रोत रहेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए खेलों को अपनी दैनिकचर्या का अहम हिस्सा बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन हमें यह सिखाता है कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि व्यक्ति में दृढ़ संकल्प और सच्ची मेहनत हो, तो वह वैश्विक स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बना सकता है। उन्होंने छात्रों से जीवन में खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क को आत्मसात करने का आह्वान किया। उद्घाटन सत्र के संपन्न होने के बाद संस्थान परिसर में विभिन्न प्रकार की रोमांचक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

गर्मी के मौसम में अपनी त्वचा की देखभाल कैसे करें

जैसे ही चिलचिलाती गर्मी का मौसम आता है, हमारी त्वचा में बदलाव आने लगते हैं। है ना? दिन भर अत्यधिक गर्मी और उमस के कारण, हमारी त्वचा को अधिक सुरक्षा की आवश्यकता महसूस होने लगती है - चाहे वो परेशान करने वाले चकत्ते हों, सनबर्न हों या जिद्दी टैन और मुंहासे। इसलिए गर्मियों में होने वाली त्वचा संबंधी समस्याओं से बचने के लिए अपनी त्वचा की देखभाल के तरीकों को तुरंत बेहतर बनाना आवश्यक है। आइए देखें कैसे।

गर्मी का आपकी त्वचा पर क्या प्रभाव पड़ता है? :- जैसे-जैसे मौसम गर्म होता है और वातावरण में नमी बढ़ती है, आपकी त्वचा की वसामय ग्रंथियां अतिरिक्त सीबम (प्राकृतिक तेल) का उत्पादन करने लगती हैं। स्रावित तेल त्वचा की सतह पर चिपक जाता है, जिससे चिपचिपाहट, तैलीयपन और रोमछिद्रों में रुकावट जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। गर्मियों में होने वाली सबसे आम समस्या मुँहासे हैं। तैलीय त्वचा वाले लोग इससे अधिक प्रभावित होते हैं क्योंकि त्वचा में मौजूद बैक्टीरिया और तेल पसीने के साथ मिलकर रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं और मुँहासे पैदा करते हैं। जब आपकी त्वचा हानिकारक यूवी किरणों के संपर्क में आती है, तो धूप से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए मेलेनिन ड 2 . का उत्पादन बढ़ जाता है। मेलेनिन में प्रकाश-सुरक्षात्मक गुण होते हैं। अधिक मेलेनिन के कारण त्वचा का रंग गहरा और टैन हो जाता है। अन्य समस्याओं में खुजली, घमौरियां, सनबर्न और धूप के प्रति संवेदनशीलता के कारण होने वाले दाने शामिल हो सकते हैं।

गर्मी के मौसम में अपनी त्वचा की देखभाल कैसे करें? :- चेहरे से अतिरिक्त तेल हटाने के लिए फेस वॉश, गर्मी के मौसम में तैलीय त्वचा और भी तैलीय हो सकती है। अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार ऐसा फेस वॉश इस्तेमाल करें जो गहराई से सफाई करके सारी गंदगी और मैल हटा दे। रूखी त्वचा वालों को बिना झाग वाला क्लींजर चाहिए होगा। हल्के, अल्कोहल-मुक्त और ज्प संतुलित क्लींजर चुनें।

त्वचा की देखभाल की अच्छी दिनचर्या अपनाएं :- नियमित रूप से त्वचा की देखभाल करें और उसका पालन करें। क्रीम के बजाय जेल-आधारित (सूखी त्वचा के लिए) और पानी-आधारित (तैलीय त्वचा के लिए) उत्पादों का चुनाव करें, क्योंकि ये हल्के और चिपचिपाहट रहित होते हैं। दिन में दो बार क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग करने से आपकी त्वचा साफ और तरोताजा रहेगी।

अपनी त्वचा की देखभाल की दिनचर्या में एंटीऑक्सीडेंट शामिल करें :- एंटीऑक्सीडेंट सीरम आपकी त्वचा को नमी प्रदान करने में अद्भुत काम करते हैं। इसके अलावा, ये आपकी त्वचा को पर्यावरणीय नुकसान से बचाते हैं, कोलेजन को बढ़ावा देते हैं और फ्री रेडिकल्स को खत्म करके त्वचा को क्षति से बचाते हैं। गर्मियों में अपनी स्किनकेयर रूटीन में एक अच्छा एंटीऑक्सीडेंट सीरम जरूर शामिल करें। आप चाहें तो खट्टे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, ग्रीन टी आदि का सेवन करके भी इसे अपने आहार में शामिल कर सकते हैं। स्किनक्राफ्ट की सीनियर प्रोडक्ट डेवलपमेंट एग्जीक्यूटिव अभिषिक्ता हाटी कहती हैं, 'विटामिन सी सीरम गर्मियों में त्वचा की देखभाल के लिए एक अच्छा विकल्प है। यह गर्मियों में फायदेमंद होता है। विटामिन सी एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है, जो फ्री रेडिकल्स को खत्म करता है और आपकी त्वचा को ऑक्सीडेंट से होने वाले नुकसान से बचाता है, साथ ही हानिकारक यूवी किरणों से होने वाले पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करता है।'

अपनी त्वचा को हाइड्रेटेड रखें :- गर्मी के मौसम में हर समय हाइड्रेशन बहुत ज़रूरी है। रात को चेहरा धोने के बाद आप हाइड्रेटिंग फेस मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं ताकि सोते समय आपको अतिरिक्त नमी मिल सके। चेहरे पर बार-बार पानी के छींटे मारें या नियमित अंतराल पर त्वचा को तरोताज़ा करने के लिए फेशियल मिस्ट का इस्तेमाल करें।

स्वस्थ त्वचा के लिए एक्सफोलिएट करें :- त्वचा से अतिरिक्त गंदगी और तेल हटाने के लिए सप्ताह में कम से कम दो बार फेस स्क्रब का इस्तेमाल करें। ध्यान रखें कि अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार स्क्रब चुनें और उसे गोलाकार गति में हल्के हाथों से मसाज करें। होंठों और गर्दन को भी एक्सफोलिएट करना न भूलें।

सनस्क्रीन लगाए :- सूर्य की यूवी-ए और यूवी-बी किरणें बहुत हानिकारक हो सकती हैं। जिद्दी टैन देने के अलावा, ये समय से पहले बुढ़ापा, उम्र के धब्बे, महीन रेखाएं और झुर्रियां पैदा कर सकती हैं। गर्मियों के महीनों में सभी प्रकार की त्वचा के लिए एसपीएफ़ 30-50 वाला अच्छा सनस्क्रीन बहुत ज़रूरी है , भले ही आप ज़्यादातर समय घर के अंदर ही रहें। अगर आप तैराकी करते हैं, तो हम आपको कई बार सनस्क्रीन लगाने की सलाह देते हैं।

भारी मेकअप से बचें :- भारी मेकअप त्वचा को सांस लेने से रोकता है। नमी और गर्मी भी त्वचा की सांस लेने की क्षमता को प्रभावित करती हैं। भारी फाउंडेशन और अन्य कॉस्मेटिक्स के बजाय, अगर आपको मेकअप करना ही है तो आप टिंटेड लिप बाम और टिंटेड मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

एक अच्छा टोनर इस्तेमाल करें :- एक अच्छा टोनर खुले रोमछिद्रों को बंद करने में कारगर हो सकता है । चेहरे के टी-ज़ोन में सबसे अधिक सेबोशियस ग्रंथियां पाई जाती हैं। पसीने और तेल से इन रोमछिद्रों को बंद होने से बचाने के लिए एलोवेरा या खीरे से बने टोनर का इस्तेमाल करें, क्योंकि ये हल्के होते हैं।

त्वचा को अच्छी तरह मॉइस्चराइज़ करें :- गर्मी के मौसम में त्वचा की सुरक्षा के लिए मॉइस्चराइजर बेहद ज़रूरी है। आप अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार नॉन-ग्रीसी फ़ॉर्मूला चुन सकते हैं। लेकिन ऐसे मॉइस्चराइजर की तलाश करें जिसमें विटामिन ए और सी जैसे एंटीऑक्सीडेंट मौजूद हों। अगर इसमें एसपीएफ़ हो तो और भी अच्छा। नहाने के तुरंत बाद मॉइस्चराइजर लगाना सबसे अच्छा होता है।

अपनी आँखों, होंठों और पैरों को न भूलें :- सूरज की हानिकारक किरणों से आंखों को बचाने के लिए हमेशा धूप का चश्मा पहनें। आंखों के नीचे मॉइस्चराइजिंग जेल लगाएं और लिपस्टिक लगाने से पहले एसपीएफ युक्त लिप बाम लगाएं। पैरों को स्क्रब करके एक्सफोलिएट करें। पैरों पर भी सनस्क्रीन और मॉइस्चराइजर लगाएं, खासकर अगर आप खुली उंगलियों वाली सैंडल पहन रही हैं।

अधिक पानी और फलों का रस पिए :- गर्मी के मौसम में आपको प्रतिदिन कम से कम 2-3 लीटर पानी पीना चाहिए। नारियल पानी, तरबूज और ताजे जूस शरीर को हाइड्रेटेड रखने के अच्छे तरीके हैं। पानी पीने से शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी मदद मिलती है। अपने आहार में दही और छाछ को भी शामिल करें।

मौसमी फल और सब्जियां चुनें :- अपने भोजन में सलाद और खीरा व लेट्यूस जैसी सब्जियां शामिल करें - ये शरीर को अंदर से ठंडा रखने में मदद करती हैं। तरबूज, खरबूजा जैसे मौसमी फल; खट्टे फल और उनके रस भी त्वचा को स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं।

मीठे पेय पदार्थों से दूर रहें :- मीठे पेय पदार्थों में अधिक चीनी होने के कारण सुस्ती महसूस होती है। इसके अलावा, इनमें पानी की कमी होती है, इसलिए ये शरीर को कोई लाभ नहीं पहुंचाते। बल्कि, ये आपको अस्वस्थ बनाते हैं और वजन बढ़ाने में सहायक होते हैं। इसलिए कोला की जगह नींबू पानी पीना बेहतर है।

हवादार कपड़े पहनें :- गर्मी के मौसम में सूती कपड़ा सबसे अच्छा रहता है। हल्के और ढीले कपड़े पहनें। सिंथेटिक कपड़ों से बने तंग कपड़े पहनने से बचें। ये आपको असहज महसूस करा सकते हैं और ज़्यादा पसीना ला सकते हैं, जिससे त्वचा में खुजली हो सकती है और संक्रमण भी हो सकता है।

दिन में दो बार स्नान करें :- गर्मी के मौसम में अच्छी स्वच्छता बनाए रखना बहुत ज़रूरी है। रात को सोने से पहले ठंडे पानी से नहाने से दिन भर में शरीर पर जमा हुई गंदगी, मैल और पसीना साफ हो जाता है और त्वचा पर चकत्ते नहीं पड़ते। सुबह और रात को नहाने के बाद त्वचा को साफ करने, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग करने की नियमित प्रक्रिया अपनानी चाहिए।

गर्मी के मौसम में त्वचा को चमकदार बनाने के घरेलू उपाय

कॉफी और नींबू :- नींबू में विटामिन सी होता है, जो त्वचा को निखारने वाला एक प्रभावी तत्व है। गर्मियों में अपनी स्किनकेयर रूटीन में विटामिन सी को शामिल करने पर विचार करें। वहीं, कॉफी एक बेहतरीन एक्सफोलिएटर है। एक कटोरी में एक बड़ा चम्मच कॉफी और एक बड़ा चम्मच नींबू का रस मिलाएं। ध्यान रखें कि इसमें कोई गांठ न रहे। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट तक लगा रहने दें, फिर धो लें।

एलोवेरा :- अपने एंटीऑक्सीडेंट और जीवाणुरोधी गुणों के लिए प्रसिद्ध, एलोवेरा आपकी त्वचा पर सुखदायक प्रभाव डालता है, जो गर्मियों के दौरान बहुत अच्छा होता है। यह आपकी त्वचा को नमी भी प्रदान करता है। एलोवेरा का गूदा सीधे अपनी त्वचा पर लगाएं और लगभग 20 मिनट तक हल्के हाथों से मालिश करें। इसे लगभग 10 मिनट तक लगा रहने दें और बाद में धो लें।

हल्दी का मुखौटा :- हल्दी में जीवाणुरोधी, सूजनरोधी और एंटी-एजिंग गुण होते हैं जो त्वचा की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, यह त्वचा को निखारने और प्राकृतिक चमक प्रदान करने में भी सहायक है। एक कटोरी में एक चम्मच हल्दी डालें और उसमें तीन चम्मच नींबू का रस अच्छी तरह मिला लें। इसे अपने चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में धो लें।

शहद - दही :- शहद आपकी त्वचा की प्राकृतिक नमी को बनाए रखता है जबकि दही इसे चमकदार बनाता है। एक कटोरी में एक कप दही लें और उसमें एक बड़ा चम्मच शहद मिलाएं। अच्छी तरह से मिला लें और इसे अपनी त्वचा पर लगाएं। इसे लगभग 10 मिनट तक लगा रहने दें और फिर ठंडे पानी से धो लें।

पपीता :- पपीता एक हल्के एक्सफोलिएटर होने के अलावा, आपकी त्वचा से अतिरिक्त तेल और गंदगी को हटाने में मदद करता है और आपको चमकदार और मुलायम त्वचा प्रदान करता है । एक ताजा मैश किया हुआ पपीता लें, उसमें थोड़ी मात्रा में चंदन और मुल्तानी मिट्टी मिलाएं और अच्छी तरह मिक्स करें। इस मास्क को अपने चेहरे पर लगाएं और लगभग 20 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में ठंडे पानी से धो लें।

चंदन - बादाम का तेल :- बादाम का तेल त्वचा को फिर से जीवंत और चमकदार बनाने का एक कारगर उपाय है। चंदन त्वचा की रंगत निखारता है। चंदन का पेस्ट बना लें और उसमें बादाम का तेल मिला लें। अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट को अपनी त्वचा पर लगाएं और 20 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में धो लें।

टमाटर :- टमाटर में मौजूद विटामिन त्वचा की बनावट को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। साथ ही, यह त्वचा की प्राकृतिक चमक को वापस लाने में भी सहायक होते हैं, जिससे त्वचा दमकती है। आधे टमाटर को मसल लें और ध्यान रखें कि उसमें कोई गांठ न रहे। इसमें शहद मिलाएं। इस पेस्ट को अपनी त्वचा पर लगाएं और 15 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में गुनगुने पानी से धो लें।

क्या मौसम के साथ आपकी त्वचा में बदलाव आता है? :- जी हां, त्वचा मौसम के साथ बदलती है ड 5 .। सर्दियों में शुष्क मौसम होता है जो त्वचा की प्राकृतिक नमी को छीन लेता है और त्वचा को पपड़ीदार और खुजलीदार बना देता है। गर्मियों में नमी के कारण पसीने से जीवाणु संक्रमण, रोमछिद्रों का बंद होना और मुहांसे हो सकते हैं। गर्मियों में एयर कंडीशनिंग और सर्दियों में हीटर दोनों ही त्वचा को रूखा कर सकते हैं। इसलिए हर मौसम के साथ त्वचा की देखभाल के अपने नियम होते हैं।

गर्मी के मौसम में आपकी त्वचा को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। कुछ आसान उपायों जैसे कि त्वचा को साफ करना, मॉइस्चराइज़ करना, पर्याप्त मात्रा में पानी पीना और सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना, से आप अपनी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचा सकते हैं। हमें बताएं कि क्या हमारे सुझाव आपके लिए कारगर साबित हुए। एयर कंडीशनर वाले वातावरण से बाहर निकलकर सीधे एयर कंडीशनर वाले वातावरण में आना, धूप में अधिक देर रहना, ठंडक पाने के लिए स्विमिंग करना और नमी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। अच्छी बात यह है कि त्वचा की अच्छी देखभाल करके आप उसकी प्राकृतिक चमक और संतुलन को वापस पा सकते हैं और उसे स्वस्थ रख सकते हैं। नियमित रूप से त्वचा की देखभाल करें, पौष्टिक आहार लें और चमकदार त्वचा पाने के लिए सरल लेकिन असरदार प्राकृतिक उपायों को अपनाएं।

बिना AC घर को ठंडा रखने के आसान और सस्ते तरीके, कूलर और AC भी फेल हैं इस पुरानी तकनीक के आगे

आजकल की गर्मी में ऐसा लगता है जैसे घर की दीवारें आग उगल रही हों। लेकिन हर कोई AC का भारी भरकम बिजली बिल अफोर्ड नहीं कर सकता। अच्छी खबर यह है कि विज्ञान और हमारी पुरानी परंपराओं में ऐसे कई तरीके हैं, जिनसे हम अपने घर का तापमान 5°C से 8°C तक कम कर सकते हैं।

1. खिड़कियों का 'Time Management' :- सबसे बड़ी गलती जो हम करते हैं, वो है दोपहर में खिड़कियां खुली रखना।

सूरज ढलने के बाद: शाम 7 बजे के बाद खिड़कियां खोलें ताकि ठंडी हवा अंदर आए।

सूरज उगने से पहले: सुबह 9 बजते ही खिड़कियां और पर्दे बंद कर दें। इससे बाहर की गर्म 'लू' अंदर नहीं आएगी।

2. गीली चादर का 'देसी AC' :- यह सबसे पुराना और असरदार तरीका है। अपनी खिड़की पर एक मोटी सूती चादर या पर्दा लटकाएं और उसे पानी से गीला कर दें। जब बाहर की हवा इस गीली चादर से होकर अंदर आएगी, तो वह वाष्पीकरण के कारण ठंडी हो जाएगी। यह बिल्कुल एक नेचुरल एयर कूलर की तरह काम करता है।

ALSO READ: 'सुपर एल नीनो' की वापसी, क्या 2026 में भारत झेलेगा 140 साल का सबसे बड़ा सूखा, महंगाई और जानलेवा गर्मी?

3. छत पर 'सफेद चूना' (Lime Wash) :- अगर आप टॉप फ्लोर पर रहते हैं, तो छत की गर्मी जान निकाल लेती है। इसका सबसे सस्ता इलाज है सफेद चूना। बाजार से चूना (थ्रस) लाएं और उसमें थोड़ा फेविकोल मिलाकर छत पर पेंट कर दें। सफेद रंग सूरज की किरणों को रिफ्लेक्ट (Reflect) कर देता है, जिससे छत तपती नहीं है और नीचे वाला कमरा ठंडा रहता है।

4. क्रॉस वेंटिलेशन (Cross Ventilation) :- हवा को आने और जाने का रास्ता दें। अगर आप एक खिड़की खोलते हैं, तो उसके सामने वाला दरवाजा या दूसरी खिड़की भी खोलें। इससे हवा कमरे में फंसी नहीं रहेगी और गर्मी बाहर निकलती रहेगी।

5. बाल्टी और पंखा (Ice-Fan Hack) :- अगर आपके पास टेबल फैन है, तो उसके ठीक सामने एक चौड़े मुंह के बर्तन या बाल्टी में ठंडा पानी या बर्फ रखें। पंखे की हवा जब पानी की सतह से टकराकर आएगी, तो वह काफी ठंडी महसूस होगी।

6. पौधों की 'ठंडी दीवार' :- खिड़की के पास घने पत्ते वाले पौधे जैसे Money Plant, Snake Plant या Areca Palm रखें। पौधे न सिर्फ छाया देते हैं, बल्कि वे वातावरण की नमी भी बढ़ाते हैं, जिससे कमरा नैचुरली ठंडा रहता है।

क्रॉस-ब्रीज तकनीकं :- रात के समय, पंखे को खिड़की की तरफ मुंह करके चलाएं ताकि वह घर के अंदर की गर्म हवा को बाहर फेंक सके। इसे 'Exhaust' की तरह इस्तेमाल करने से घर जल्दी ठंडा होता है।

ALSO READ: तपती गर्मी से राहत देगा आम का पन्ना, नोट करें विधि

7. कम से कम बिजली के उपकरणं :- बल्ब, ट्यूबलाइट, कंप्यूटर और टीवी भी गर्मी पैदा करते हैं। दिन के समय जरूरत न होने पर इन्हें बंद रखें। खासकर पुराने पीले बल्बों को हटाकर LED लगाएं, जो बिल्कुल गर्म नहीं होते।

प्रचंड गर्मी में घर से बाहर निकलने से पहले कर लें ये काम, नहीं पड़ेंगे बीमार और धूप और लू का नहीं होगा असर

इस बार की गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है. जून के महीने में तापमान हर रोज नए रिकॉर्ड बना रहा है. ताप और उमस के साथ ही लू लगने का खतरा भी बढ़ गया है. तापमान में वृद्धि के साथ ही लू की समस्याएं आम हो जाती हैं, जो कभी-कभी जानलेवा भी हो सकती हैं. ऐसे में यह जानना बहुत जरूरी है कि इस प्रचंड गर्मी में घर से बाहर निकलने से पहले किन-किन बातों का ध्यान रखा जाए. अगर बढ़ते तापमान और चिलचिलाती धूप में इन बातों का ध्यान रखा जाए तो आप खुद को स्वस्थ रख सकते हैं...

गर्मियों में घर से निकलने से पहले करें ये काम

1. पर्याप्त पानी पिएं :- डॉक्टरों का कहना है कि गर्मियों में हाइड्रेटेड रहना बेहद जरूरी है. दिन के दौरान पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं. इसके अलावा, नारियल पानी, नींबू पानी, और ओआरएस का सेवन भी लाभदायक होता है. यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखता है और लू से बचाव करता है.

2. हल्के और ढीले कपड़े पहनें :- विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि गर्मियों में हल्के रंग और सूती कपड़े पहनें. ये कपड़े पसीने को सोखने में मदद करते हैं और शरीर को ठंडा रखते हैं. इससे लू लगने का खतरा कम होता है और शरीर का तापमान बढ़ने से भी ये बचाता है।

3. धूप में बाहर जाने से बचें :- गर्मी के दौरान सुबह से ही सूर्य अपना रंग दिखाना शुरू कर दे रहे हैं. ऐसे में 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच धूप में बाहर निकलने से बचें. इस समय तापमान सबसे ज्यादा होता है और लू लगने का खतरा बढ़ जाता है।

4. सिर और चेहरे को ढकें :- बाहर निकलते समय सिर पर टोपी, स्कार्फ या छाता का उपयोग करें. इससे सीधे धूप से बचाव होता है और लू लगने की संभावना कम होती है.

5. सनस्क्रीन का प्रयोग करें :- त्वचा को धूप से सुरक्षित रखने के लिए सनस्क्रीन का उपयोग जरूर कर सकते हैं. यह सूर्य की हानिकारक किरणों से आपके त्वचा का बचाव करता हैं. स्किन की समस्याओं से बचने के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूरी है।

6. हल्का भोजन करें :- गर्मी में तली-भुनी और भारी चीजों से बचें. ताजे फल, सब्जियां, और सलाद का सेवन ज्यादा करें जो शरीर को ठंडक प्रदान करते हैं और हाइड्रेटेड रखते हैं।

7. ठंडी जगह पर रहें :- जब भी संभव हो, एयर कंडीशनर या कूलर वाले कमरे में रहें. अगर एसी नहीं है, तो छत पर पानी डालें या कूलर का उपयोग करें.

8. नियमित ब्रेक लें :- यदि आपको बाहर काम करना पड़ता है तो बीच-बीच में छांव में जाकर ब्रेक लें और पानी पिएं. इससे शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है।

9. इमरजेंसी किट तैयार रखें :- अपने इमरजेंसी किट में पानी की बोतल, ग्लूकोज, और ओआरएस पाउडर रखें ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत इस्तेमाल किया जा सके।

लू के लक्षणों को पहचानें :- लू के सामान्य लक्षणों में कमजोरी, चक्कर आना, अत्यधिक पसीना आना, मितली, उल्टी और बेहोशी शामिल हैं. ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत ठंडी जगह पर जाएं और पानी पिएं. अगर स्थिति गंभीर हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें. गर्मी और लू से बचने के इन महत्वपूर्ण सुझावों को अपनाकर आप अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं. स्वस्थ रहें और सुरक्षित रहें।